कूर्मि चेतना अंक - 4 (2018)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

उमिया माता

भगवान गौतम बुद्ध

जन्म-वैशाख पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) 563 ई.पू.
निर्वाण - 483 ई.पू.

कुरुम्बा भगवती

छत्रपति शिवा जी महाराज

जन्म - 28 अप्रैल 1630
(नवीन मत)
निर्वाण -3 अप्रैल 1680

झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई

जन्म - 19 नवम्बर 1828
निर्वाण - 18 जून 1858

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल
जन्म - 31 अक्टूबर 1875
निर्वाण - 15 दिसम्बर 1950

छत्रपति शाहू जी महाराज

जन्म - 26 जुलाई 1874
निर्वाण - 6 मई 1922

डॉ. खूबचंद बघेल
जन्म - 19 जुलाई 1900
निर्वाण - 22 फरवरी 1969

अपनों से अपनी बात

आत्मीय स्वजातीय बंधुओं,

नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ सादर अभिवादन...

आप अवगत ही हैं कि **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** के माध्यम से समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा तथा महान विभूतियों की जानकारी देते हुए आत्मगौरव का बोध कराया जाता है। इसके माध्यम से समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, उदासीनता, भ्रम तथा शंकाओं का तार्किक एवं वैज्ञानिक समाधान की जानकारी प्रकाशित करते हुए समाज में जागृति व चेतना का संचार किया जा रहा है।

नवीन पीढ़ी कम्प्यूटर व मोबाईल के घेरे में दिन-प्रतिदिन घिरते जा रहा है, ऐसी परिस्थितियों में अपनी मूल संस्कृति व महापुरुषों तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से उन्हें अवगत कराने का कार्य, वर्तमान के लिए कठिन व चिंता का विषय होता जा रहा है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** का चतुर्थ अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पञ्चाङ्ग में न केवल वर्तमान पीढ़ी की शंका का समाधान करेगा, बल्कि नई पीढ़ी के व्यवहार परिवर्तन एवं उनकी जिज्ञासा को पूरा करने में सहयोग प्रदान करेगा।

इस पञ्चाङ्ग के माध्यम से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों की वर्तमान जनसंख्या, उपनाम इत्यादि की विस्तृत जानकारी के साथ-साथ दूरभाष नंबर भी दिया गया है, जिससे आवश्यकता अनुसार संपर्क व मेल मिलाप बढ़ सके व समाजिक, एकीकरण की दशा में उन्मुख हो सके। इसमें राज्यवार निवासरत कूर्मियों की जानकारी भी समाहित किया गया है, ताकि अपने लोगों का चिन्हांकन आसानी से हो सके।

आशा है पञ्चाङ्ग का यह नया कलेवर समाज के लिए उपयोगी होगा और समाज विकास की कड़ी में सहायक होगा। अपने व्यस्ततम बहुमूल्य समय में से कुछ पल इसे पढ़ने हेतु अवश्य निकाले और हाँ! सुझाव देने में कृपणता नहीं बरतेंगे, ऐसी आग्रह है । सदैव की भांति समाज हित में आपका सहयोग विनम्रता पूर्वक अपेक्षित है ।

पुनः नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ...

-संपादक मंडल

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष संरक्षण-

कूर्मि एल. पी. पटेल (राष्ट्रीय अध्यक्ष-अ.भा.कू.क्ष.म.),
कूर्मि लताऋषि चंद्राकर(महिला, राष्ट्रीय अध्यक्षा-अ.भा.कू.क्ष.म.)
कूर्मि डी.एम.कटियार (युवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष-अ.भा.कू.क्ष.म.)
कूर्मि विजय बघेल (प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग.प्र.कू.क्ष.समाज)
समस्त फिरका प्रमुख, सर्व कूर्मि-क्षत्रिय समाज, छत्तीसगढ़।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष मार्गदर्शन -

कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक, कूर्मि बी. आर. कौशिक, **कूर्मि डॉ. निर्मल नायक** (प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच) कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद गहवई, कूर्मि ललित बघेल, कूर्मि आलोक चंद्रवंशी, कूर्मि पूरन बैस।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2018 संपादक मंडल :-

कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार (प्रभारी) - 9300851771, कूर्मि सुशील भोले - 9826992811, कूर्मि भरत लाल वर्मा - 9826168682, कूर्मि विश्वनाथ कश्यप - 7898654395, कूर्मि रंजना वर्मा - 9329513553, कूर्मि विमला नायक - 9754517000, कूर्मि डॉ. निशांत कौशिक - 9300323730, कूर्मि चंद्रशेखर चकोर - 9826992518, कूर्मि अनिल चंद्राकर - 9329111036, **कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल** - 9425522629 (संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2018)

प्रकाशन सहयोग :- कूर्मि प्रदीप कौशिक, कूर्मि मोहन कश्यप, कूर्मि दिनेश वर्मा, कूर्मि डॉ. गजेन्द्र चंद्राकर, कूर्मि संजीव पाटिल 'गांधी', कूर्मि टेसूराम धुरंधर, कूर्मि नंदलाल चंद्राकर, कूर्मि बलराम चन्द्राकर।

पञ्चाङ्ग मिलने का संपर्क सूत्र-

रायपुर	कूर्मि अनिल चंद्राकर	9329111036
महासमुंद	कूर्मि विनोद चंद्राकार	9425203876
बलौदाबाजार	कूर्मि सरिता बघेल	9977066428
धमतरी	कूर्मि छत्रपाल बैस	9424239090
बिलासपुर	कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक	9827157927

सहयोग राशि- रू. 40/-

मुंगेली	कूर्मि सुरेश कौशिक	9589033432
जांजगीर-चांपा	कूर्मि व्यास नारायण कश्यप	9425220316
कोरबा	कूर्मि सुषमा नायक	9406355706
रायगढ़	कूर्मि राजेश कौशिक	9302577805
दुर्ग, भिलाई	कूर्मि मोरध्वज चंद्राकर	9827112661
कवर्धा	कूर्मि दौलत कश्यप	9893182264
अंबिकापुर	कूर्मि देव कुमार सिंह	9406132419
सूरजपुर	कूर्मि सुरेश वर्मा	9425578653
बलरामपुर	कूर्मि गिरीश पटेल	9926167334
दिल्ली	कूर्मि नीरज भाई पटेल	9873373811
मुंबई (महाराष्ट्र)	कूर्मि मनु नायक	9870107222
नागपुर	कूर्मि आर. एस. कनौजिया	9730031290
बैंगलुरू (कर्नाटक)	कूर्मि दिनेश पटेल	9923697209
	कूर्मि सतीश कौशिक	9886110433
भोपाल (म.प्र.)	कूर्मि ममता पटेल	9229683301
	कूर्मि वीणा वर्मा	9425096276
शाजापुर (म.प्र.)	कूर्मि संजीव कुमार पाटिल	9755119889
सिवनी (म.प्र.)	कूर्मि राजू सनोडिया	9425832236
छिंदवाड़ा (म.प्र.)	कूर्मि राजकुमार सनोडिया	9425682191
सतना (म.प्र.)	कूर्मि आर. एल. सिंह	9425811788
जबलपुर (म.प्र.)	कूर्मि प्रहलाद पटेल	9425834364
सागर (म.प्र.)	कूर्मि राजेश चौधरी	7773880410
मंडला (म.प्र.)	कूर्मि प्रदीप पटेल	9340161821
इंदौर (म.प्र.)	कूर्मि प्रशांत पटेल	9617066669
झांसी (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. विक्रम पटेल	9425813527
इलाहाबाद (उ.प्र.)	कूर्मि हिंछ लाल सिंगरौर	9839354563
वाराणसी (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. विजय सिंह निरंजन	9425175550
गाजियाबाद (उ.प्र)	कूर्मि आर. पी. चौधरी	9582957270
कानपुर (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. मंजू नायक	9450693942
पटना (बिहार)	कूर्मि रवि प्रताप सिंह	9430286229
हैदराबाद(आंध्रप्रदेश)	कूर्मि राज नारायण पटेल	9394543910

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

Kurmi Samaj App
GET IT ON Google Play
समाज डाइरेक्टरी, किसान मंत्र, महिला सशक्तीकरण समाचार, विद्यार्थी समाचार, विवाह समाचार, रक्तदान, रोजगार समाचार, व्यवसायिक समाचार, संगठन इत्यादि हेतु कूर्मि समाचार एप मोबाईल पर डाऊनलोड करें ।
कूर्मि प्रशांत पटेल
मो. : 9617066669

Creative Computer 9329111036

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

भारत देश में निवासरत कूर्मियों की राज्यवार जानकारी विवरण

भारत देश के कूर्मि बाहुल्य राज्यों में कूर्मियों की जनसंख्या 2017
(अक्टूबर 2017 की स्थिति में)

क0	राज्यों का नाम	राज्य की कुल जनसंख्या 2017 (करोड़ में)	राज्य में कूर्मियों की कुल जनसंख्या 2017 (करोड़ में)	राज्य में कूर्मि की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	महाराष्ट्र	12.07	7.00	58
2	उत्तरप्रदेश	21.93	3.95	18
3	उड़ीसा	4.53	2.18	48
4	गुजरात	6.72	2.01	30
5	कर्नाटक	6.68	1.80	27
6	बिहार	10.89	1.74	16
7	तमिलनाडू	7.98	1.60	20
8	मध्यप्रदेश	7.88	1.42	18
9	आंन्ध्रप्रदेश	5.31	1.33	25
10	झारखण्ड	3.61	1.08	30
11	पश्चिम बंगाल	9.54	0.95	10
12	राजस्थान	7.49	0.90	12
13	छत्तीसगढ़	2.88	0.63	22
14	दिल्ली	2.80	0.42	15
15	आसाम	3.45	0.24	7
16	केन्द्र शासित प्रदेश (दिल्ली को छोड़कर)	3.82	0.23	6
17	केरल	3.70	0.18	5
18	गोवा	0.31	0.06	20
19	उत्तराखण्ड	1.03	0.05	5
20	हिमान्चल प्रदेश	0.76	0.01	1
	महायोग	123.38	27.79	19.65

स्रोत 1 जनगणना 2011, सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2011 के आधार पर प्रोजेक्टेड जनसंख्या
2 अखिल भारतीय कूर्मि–क्षत्रिय महासभा एवं विभिन्न प्रदेशों से प्रकाशित स्मारिका का विश्लेषण।
3 Projected in X Year Population=Population in base Year (1+e/100)^n

छत्तीसगढ़ में निवासरत कूर्मियों की जनसंख्या विवरण (अक्टूबर 2017 की स्थिति में)

क्र0	प्रदेश में निवासरत उपजाति फिरका का नाम	कूर्मियों की कुल निवासरत गांवों की स0	प्रदेश में निवासरत कूर्मियों की लगभग जनसंख्या 2017	प्रदेश में अनुपातिक प्रतिशत
1	मनवा	773	1693339	26.84
2	चन्द्रनाहू (संयुक्त) *	987	1514425	24.00
3	चन्द्रनाहू (चन्द्रा)	287	531747	8.43
	गहलौत/पटेल/ विभिन्न	278	363641	5.76
	कनौजिया	263	327087	5.18
4	तिरेला	267	257681	4.08
5	दिल्लीवार	255	184813	2.93
6	सिंगरौर	93	176249	2.79
7	अथरिया	124	169109	2.68
8	गहवई	120	161013	2.55
9	सरेठी	53	131082	2.08
10	सनाड्य	103	122845	1.95
13	गवेल	107	120648	1.91
14	चदनिया	115	104006	1.65
15	देशहा	80	85004	1.35
16	परगिया	44	74300	1.18
17	सुरेठी	34	58289	0.92
18	सिंगरौल	40	39050	0.62
19	चंदेल	67	35791	0.57
20	पाटनवार	19	32850	0.52
21	बैस/बैसवार	61	31700	0.50
22	राजवाड़े	23	31213	0.49
23	एकबंहिया	39	26648	0.42
24	बड़गैहा	21	22156	0.35
25	बघईयां	36	15339	0.24
कुल योग		4289	6310025	100

स्रोत :– सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2011, सामाजिक सर्वेक्षण 2017 एवं कूर्मि समाज द्वारा प्रकाशित स्मारिका तथा उपजाति प्रमुखों से प्राप्त जानकारी का विषलेषणात्मक अध्ययन।

टीप :–*चंद्राकर (संयुक्त) अंतर्गत चंद्राकर, चन्द्रनाहूँ, इत्यादि उपजाति शामिल है।

माहवार कूर्मियों का बैठक समय सारिणी तालिका

क्र.	इकाई / सप्ताह	नगर तह. इकाई	जिला इकाई	संभाग इकाई
1	प्रथम रविवार	दोप. 2 से 4 बजे		
2	द्वितीय रविवार		दोप. 2 से 4 बजे	
3	तृतीय रविवार			दोप. 2 से 4 बजे
4	चतुर्थ रविवार	नगर/जिला/संभाग/ की संयुक्त कार्य योजना (दोप. 2 से 4 बजे)		
5	पंचम रविवार	प्रदेश कार्यकारिणी की त्रैमासिक समीक्षा बैठक (दोप. 2 से 4 बजे)		

भारत देश में निवासरत कूर्मियों की भौगोलिक क्षेत्रवार जानकारी

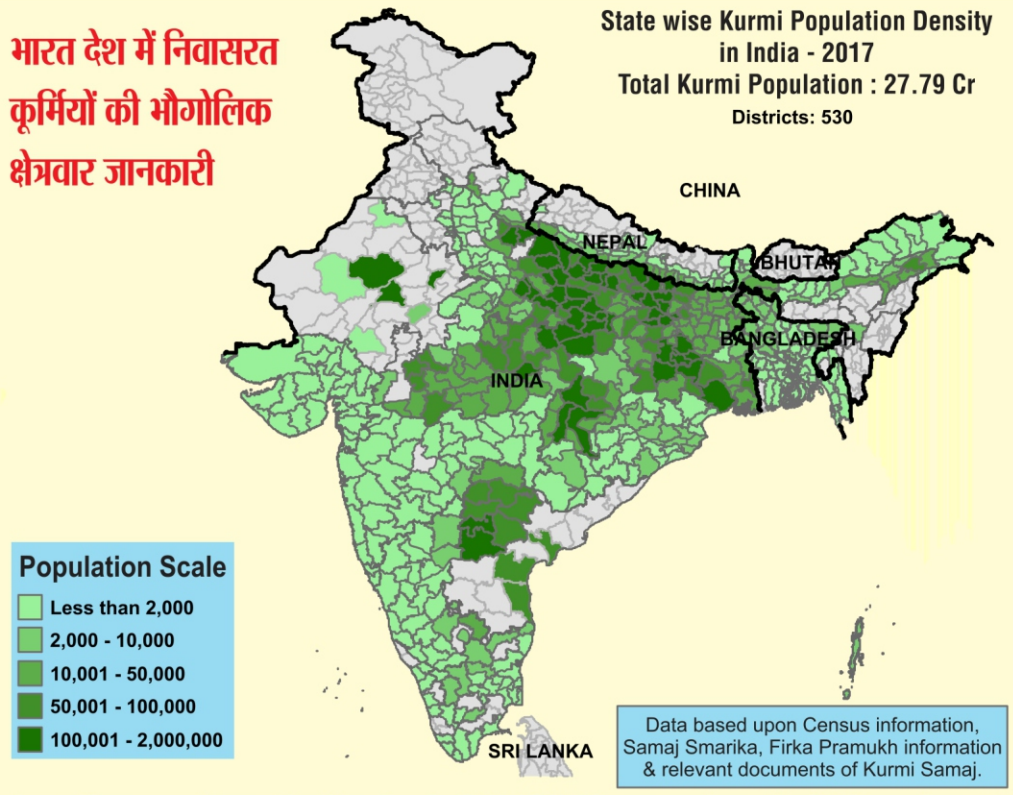

क.	विवरण	भारत की वर्तमान (2017) की कुल जनसंख्या	कूर्मियों की कुल जनसंख्या 2017	कूर्मि की जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	भारत	1,34,34,60,220	**27,79,29,560**	**19.65**
2	छत्तीसगढ़	2,88,44,565	**63,10,025**	21.88

छ.ग. में निवासरत कूर्मि फिरका प्रमुखों की जानकारी

क्र.	कूर्मि उप समूह (फिरका)		प्रमुख का नाम	मोबाईल
1.	अथरिया कूर्मि	–	कूर्मि संतोष कश्यप	9977737545
2.	एकबड़हां कूर्मि	–	कूर्मि बलभद्र प्रसाद कश्यप	9617848552
3.	बड़गैहा कूर्मि	–	कूर्मि संतोष कुमार वर्मा	9753672427
4.	बैस / बैसवार कूर्मि	–	कूर्मि पूरन सिंह बैस	9406301900
5.	बंधइया कूर्मि	–	कूर्मि गोरे लाल कौशिक	7803081325
6.	चन्द्रनाहू कूर्मि –1	–	कूर्मि अश्वनी चन्द्राकर	9329633330
	चन्द्रनाहू कूर्मि (तखतपुर क्षेत्र)	–	कूर्मि संतोष कश्यप	9009882640
	चन्द्रनाहू कूर्मि (चन्नाहू लोहरसी जांजगीर चांपा जिला)	–	कूर्मि लहुराज कश्यप	8889443050
7.	चन्दनिया कूर्मि (कवर्धा क्षेत्र)	–	कूर्मि ज्ञानिक चन्द्राकर	9575842200
8.	चन्द्रनाहू कूर्मि (चन्द्रा)–2	–	कूर्मि रामरतन चन्द्रा	9179213429
9.	चन्द्रनाहू कूर्मि (चन्देल)–3	–	कूर्मि मनोहर लाल चन्देल	9752106065
10.	देशहा कूर्मि	–	कूर्मि महेत्तर कश्यप	7697814749
11.	दिल्लीवार कूर्मि	–	कूर्मि राजेन्द्र हरमुख	9726136091
12.	गबेल कूर्मि	–	कूर्मि गिरधारी गबेल	9826136091
13.	गहवई कूर्मि	–	कूर्मि शांति लाल वर्मा	9754421251
14.	कन्नौजिया कूर्मि	–	कूर्मि भरत लाल कश्यप	9981761635
15.	मनवा कूर्मि	–	कूर्मि सीताराम वर्मा	9755384666
16.	परगिया कूर्मि	–	कूर्मि गिरवर प्रसाद वर्मा	9977545752
17.	पाटनवार कूर्मि	–	कूर्मि पदुमलाल पाटनवार	9300322130
18.	राजवाड़े कूर्मि	–	कूर्मि भोजराम राजवाड़े	9425532631
19.	सनाड्य कूर्मि	–	कूर्मि कुशल कौशिक	9425223405
20.	सिंगरौल कूर्मि	–	कूर्मि पीताम्बर सिंगरौल	9644379378
21.	सिंगरौर कूर्मि	–	कूर्मि घांसीराम वर्मा	9425561831
22.	श्रेष्ठी कूर्मि (सरेठी)	–	कूर्मि जयलाल कौशिक	9755153849
23.	सुरेठी कूर्मि	–	कूर्मि बद्री प्रसाद वर्मा	9752616483
24.	तिरेला कूर्मि	–	कूर्मि गणेश राम देशमुख	9826143835
25.	संयुक्त–गलौत, पटेल, पाटिदार, विभिन्न कूर्मि	–	कूर्मि गिरीश पटेल	9926167334

छत्तीसगढ़ में कार्यरत कूर्मि समाज के संगठनों की जानकारी

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	:	प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि–क्षत्रिय चेतना मंच	9826165881
कूर्मि विजय बघेल	:	प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. प्रदेश कूर्मि–क्षत्रिय समाज	9425561150
कूर्मि विजय बघेल	:	प्रमुख ट्रस्टी, स.पटेल भवन, नि.एवं वि.ट्रस्ट,रायपुर	9981521150
कूर्मि मोहन लाल चन्द्रा	:	अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ी कूर्मि क्षत्रिय समाज, भिलाई	9300237097
कूर्मि सतीश वर्मा	:	अध्यक्ष, युवा कूर्मि मित्र मण्डल, भिलाई नगर	8878070284
कूर्मि अर्जुन वर्मा	:	अध्यक्ष, कौशल मनवा कूर्मि–क्षत्रिय समाज, रायपुर	7566755873
कूर्मि अनिरुद्ध चंद्रा	:	अध्यक्ष, कूर्मि कल्याण सेवा समिति , कोरबा	9300842510
कूर्मि रविन्द्र पटेल	:	अध्यक्ष, कूर्मि क्षत्रिय समाज, सरगुजा संभाग	9826148033
कूर्मि रमेश कौशिक	:	अध्यक्ष, कूर्मि सेवा समिति, बिलासपुर	9525535947
कूर्मि संतोष कौशिक	:	अध्यक्ष, सर्व कूर्मि–क्षत्रिय समाज, तखतपुर	9755797418

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चन्दूलाल चन्द्राकर
जन्म : 1 जनवरी 1921, निर्वाण : 2 फरवरी 1995

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

1

विक्रम संवत् 2074
शक संवत् 1939

जनवरी - 2018

अहम तोड़ो, फिरका जोड़ो
- छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

हेमन्त / शिशिर ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ एक सिंचाई उपलब्ध होने की दशा में दलहनी फसलों में फूल आने के पूर्व सिंचाई करें। ❖ सब्जियों, सरसों तथा तिवड़ा में मृदू रोमिल आसिता (डाऊनी मिल्ड्यू) रोग की रोकथाम हेतु मेटालेक्सिल / ताम्रयुक्त फफूंद नाशकदवा का छिड़काव करें ।❖ सरसों में माहो कीट का प्रकोप होने पर मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. का 750 मि.ली. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।❖ दलहनी फसलों में फली भेदक कीट का प्रकोप होने पर प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।❖ रबी फसलों के भभूतिया (चूर्णी फफूंदी) रोग की रोकथाम हेतु सल्फेक्स (3 ग्राम) या कार्बेन्डाजिम (1.0 ग्राम) में से किसी एक दवा का उपयोग प्रति ली. पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।❖ चना में फली भेदक कीट के प्रकोप होने पर एच.एन.पी.वी. 250 एल.ई. प्रति हेक्टेयर या बी.टी. 8 एल 1 लीटर प्रति हे. छिड़काव करें ।फारमोन प्रपंच का 12–15 नग प्रति हे. की दर से उपयोग करें एवं एकत्रित नर प्रौढ़ कीट को सुबह निकालकर नष्ट करें।❖ ड्रिप सिंचाई द्वारा दी गई पानी की मात्रा का निर्धारण वाष्पोत्र्सजन के आधार पर कर के जल की बचत की जा सकती है।
❖ मकर संक्रति के तुरंत बाद भिंडी एवं कद्दू वर्गीय सब्जियों की बुवाई करें।

मूल एवं पंचक

मूल

ता. 4 प्रातः 6.08 मि. से ता. 6 रात्रि 2.16 मि. तक
ता. 13 प्रातः 10.15 मि. से ता. सायं 4.20 मि. तक
ता. 23 प्रातः 8.09 मि.से ता. 25 प्रातः 8.22 मि. तक
ता. 31प्रातः सायं 5.36 मि से ता. 2 फर. दो.1 बजे तक

पंचक

ता. 19 दोप. 2.18 मि. से. ता. 24 प्रातः 8.35 मि.तक

सोम MONDAY	पौष शुक्ल 14 **1** चन्दूलाल चन्द्राकर जयंती नववर्ष दिवस	माघ कृष्ण 7 **8** डॉ. सैय्यदना साहब जन्मदिवस	माघ कृष्ण 14 **15**	माघ शुक्ल 5 **22** बसंत पंचमी	माघ शुक्ल 13 **29**
मंगल TUESDAY	पौष पूर्णिमा **2** शाकम्बरी पूर्णिमा छेरछेरा	माघ कृष्ण 8 **9**	माघ कृष्ण 15 **16** मौनी अमावस्या	माघ शुक्ल 6 **23** नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती	माघ शुक्ल 14 **30** महात्मा गांधी शहीद दिवस (मौन दिवस)
बुध WEDNESDAY	माघ कृष्ण 2 **3**	माघ कृष्ण 9 **10** विश्व हिन्दी दिवस	माघ कृष्ण 15 **17**	माघ शुक्ल 7 **24** कूर्मि राधेश्याम रायसागर जन्म दिवस (पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग.कू.क्ष.चे.मं.)	माघ शुक्ल 15 **31** माघी पूर्णिमा संत रविदास जयंती
गुरु THURSDAY	माघ कृष्ण 3 **4** लुई ब्रेल जन्मदिवस	माघ कृष्ण 10 **11**	माघ शुक्ल 1 **18**	माघ शुक्ल 8 **25**	
शुक्र FRIDAY	माघ कृष्ण 4 **5** गुरु गोविंद सिंह जयंती	स्वामी विवेकानन्द जयंती माघ कृष्ण 11 **12**	माघ शुक्ल 2 **19**	माघ शुक्ल 9 **26** गणतंत्र दिवस	
शनि SATURDAY	माघ कृष्ण 5 **6**	माघ कृष्ण 12 **13**	माघ शुक्ल 3 **20**	माघ शुक्ल 10 **27** भीष्म एकादशी	
रवि SUNDAY	माघ कृष्ण 6 **7** राजिम भक्तिन माता जंयती	माघ कृष्ण 13 **14** मकर संक्रांति/सकट,पोंगल	माघ शुक्ल 4 **21**	माघ शुक्ल 11,12 **28** वैष्णव एकादशी लाला लाजपतराय जयंती	

शासकीय अवकाश

26 गणतंत्र दिवस

ऐच्छिक अवकाश

1 नववर्ष
2 छेरछेरा
4 लुई ब्रेल जन्मदिवस
7 राजिम भक्तिन माता जयंती
8 डॉ. सैय्यदना साहब जयंती
10 विश्व हिन्दी दिवस
14 मकर संक्रांति/पोंगल
22 बसंत पंचमी
23 नेताजी सुभाषचन्द्रबोस जयंती
31 संत रविदास जयंती

याददाश्त

छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज

(अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा से सम्बद्ध) स्थापना वर्ष 1894
केन्द्रीय कार्यालय : श्री बैस कुर्मी भवन, महादेवघाट रोड, सुन्दर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़)

जय कूर्मि
जय मातृभूमि

कूर्मि विजय बघेल
प्रदेशाध्यक्ष

कूर्मि ललित बघेल
कोरग्रुप सदस्य

कूर्मि लीलाधर चन्द्राकर
प्रदेश महामंत्री

कूर्मि सुदेश देशमुख
प्रदेश कोषाध्यक्ष

कूर्मि कमल वर्मा
कोरग्रुप सदस्य

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की मंगल कामनाएँ ...

युवा कूर्मि मित्र मण्डल

भिलाई नगर, जिला-दुर्ग

: कूर्मि मित्र मंडल का आयोजन :
● कूर्मि संझा ● पारिवारिक मिलन समारोह,
● सद्भावना यात्रा ● वार्षिक अधिवेशन ● भूंईया सम्मान

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर नमन् ...

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग
PhD., M.Sc.(IT), M.B.A.(HR), MPH, PGDDHM
PG Diploma in Epidemiology, DAFE
Winner : I National Youth Award 2007-08
I Indira Gandhi NSS Award 2000-01
(Ministry of Youth & Sports Affairs, Govt. of India)
Cell +91-94255-22629
+91-83198-68746
E-mail: jkumar001@gmail.com

बाबू लाल कौशिक गनेशिया बाई कौशिक

मातृ-पितृ चरण कमलेभ्यो नमः

चन्दूलाल चन्द्राकर जी जन्मदिवस के अवसर पर शुभकामनाएँ

कूर्मि जगदीश प्रसाद कौशिक -श्रीमती रूखमणि कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)

कूर्मि श्रीमती शैल कौशिक पति स्व. दीपक प्रकाश कौशिक

कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक -श्रीमती पार्वती कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)

कूर्मि रामानन्द कौशिक- श्रीमती महेश्वरी कौशिक
(सहायक मत्स्य अधिकारी) (प्रदेश संयुक्त सचिव-चेतना मंच)

कूर्मि योगेन्द्र कौशिक- श्रीमती आशा कौशिक
(कर सलाहकार, जगदलपुर)

कौशिक परिवार बावली वाले, वि. ख. पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

अपील

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के माध्यम से कूर्मि समाज के गौरवशाली इतिहास, परम्परा एवं महापूरूषों के बारे में हमारी नई पीढ़ी को जानकारी का कलेवर परोसा गया है। यह पञ्चाङ्ग न केवल वर्तमान पीढ़ी की आश्यकता को पूरी करेगा, बल्कि नई पीढ़ी के व्यवहार परिवर्तन के साथ ही साथ उनकी जातीय जिज्ञासा को भी पूरा करने में सहायक होगा। यह पञ्चाङ्ग कूर्मि होने की सशक्त भावना को भी पोषित करेगा।

समस्त स्वजातिय बंधुओं से निवेदन है कि इस पञ्चाङ्ग को कूर्मि समाज के प्रत्येक घर में पहुँचाने के अभियान में एक कड़ी के रूप में सहायक बनें। पञ्चाङ्ग के संबंध में किसी भी प्रकार से सुझाव के लिए आपका विचार आमंत्रित हैं।

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच
मो. : 9826165881
E-mail : kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव, छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच
संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग
मो. : 9425522629
E-mail : kurmi.chetna01@gmail.com

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

जनवरी -2018

कूर्मि समाज का गौरवमयी इतिहास

सृष्टि के आदिकाल में ''कूर्म कश्यप'' ने सृष्टि प्रारम्भ किया। और तमसावृत वाष्पी वातारण में अभेद्य अंधकार और अपार तरल सलिल के भीतर प्रविष्ठ हो उत्पत्ति के उपयुक्त उपादानों को संग्लन किया, जिससे क्रमश: पृथ्वी का ठोस रूप में प्रादुर्भाव हुआ और उस पर प्रजोत्पत्ति हुई। कूर्म कश्यप की संतानों ने अपने जनक से पूछा कि वे पृथ्वी पर किस नाम से जाने जायेंगे और उनका क्या काम होगा। कूर्म कश्यप ने अपनी संतानों को पृथ्वी रमण करने और दोहन करने का काम सौंपा और कहा कि चूँकि तुम्हारा काम पृथ्वी पर रमण करने का है, इसलिए तुम कुर्मी नाम से जाने और पहचाने जाओगे। '***कु***' का अर्थ पृथ्वी होता है और '***रमी***'का अर्थ रमण करने वाला अर्थात पृथ्वी पर रमण करने वाला ही कुर्मी, कूर्मि या कुरमी कहलाता है। इसी से कूर्म अर्थात कूर्मि पृथ्वीदाता, भूमिपुत्र जिसका कर्म क्षेत्र भूमि हो अर्थात कृषक कहलाता है। व्याकरण की दृष्टि से कूर्म शब्द में इनि (इन्) प्रत्यय लगाने से कूर्मिन शब्द बनता है। कूर्मिन से प्रथम विभक्ति के एक वचन में पुल्लिंग 'कूर्मि' 'कुर्मी' शब्द बनता है, जो अत्यन्त प्राचीन शब्द है। कूर्म शब्द का अर्थ स्वर्ग, पृथ्वी ,रस और प्राण इत्यादि होता है। अत: कूर्मि शब्द का अर्थ हुआ अत्यन्त पराक्रमी, तेजस्वी, प्राणवान, बलवान, पृथ्वीपति (भूपति या राजा)। स्पष्ट है कि ये सभी गुण एक क्षत्रिय के हैं, जिसकी प्राचीनता का प्रमाण वेद और पुराणों में भी अनेक मन्त्रों से मिलता है। कूर्मि इन्द्रवाची है। कूर्म, कश्यप और ब्रह्म तीनों एक ही है, और वे ही सृष्टि के मूल निर्माता हैं। वेदशास्त्रों के अनुसार कूर्म का अर्थ सूर्य, इन्द्र तथा कश्यप होता है। कूर्मि शब्द का अवतरण कूर्म शब्द से हुआ है। अत: कूर्म, कश्यप और ब्रह्म में कोई भेद नहीं है और वे ही मानव जाति के आदि पुरूष थे।

कुरमी जाति अति प्राचीन जाति है। दरअसल यह सभी भारतीय जातियों की जननी है, जैसे संस्कृत को सभी भारतीय भाषाओं की जननी कहा गया है। कुरमी समुदाय आदिकाल से चला आ रहा वह कृषक समाज है, जो भिन्न-भिन्न दौर से गुजरता हुआ, काल-चक्र के अगणित उतार-चढ़ाव देखता हुआ तथा परिस्थितियों से अनवरत जूझता रहा। इन आदि कृषकों ने क्षत्रित्व/राजसी जीवन प्रणाली तजकर अपने कुटुम्ब परिवारों के साथ ग्राम बसाकर एक स्थान पर जम कर रहना प्रारम्भ किया। इन परिवारों को कुटुम्ब कहा जाता था और परिवार के सदस्यों की जाति-बोधक संज्ञा कुटुम्बिन बन गयी। कालान्तर में कुनबी समुदाय देश में अन्यान्य क्षेत्रों में जहाँ अन्य लोग बसे, पहुंचे व कृषि कार्य को अपनाये रखा और स्थानान्तरण के कारण भाषा भेद से प्रभावित होकर उनका जाति-बोधक नाम कुनवी, कण्वी, कणयी, कुरमी, कुलमी, कुलवी, कुम्मा, कावू, कूर्मा, कोमरी, आदि होता चला गया। वर्तमान कुरमी और कुनवी शब्द प्राचीन कुटम्बिन शब्द के अपभ्रंश है। हिन्दी भाषी क्षेत्र के प्रमुख कुर्मी कुल:- चन्देल, चन्द्रनाहुं, धमैला, अवधिया, पाटनवार, कोचैसा, मनवा, दिल्लीवार, बैसवार, गंगवार, तेलंग, घोड़चढ़े, दोजवार, क्षत्रिय, सवान, सोनवान, सैंभवार, कनुक, कटियार, रमैया, गौहाई, समसवार, जयसवार, बड़गैहा, सिंगरौल, गभेल, गहवई, तिरहुती, चन्द्रौल, कनौजिया, राजवाड़े, सराठे, श्रेष्ठी, मतालिया, देशहा, कुड़मी, मधुरवार, बड़वार, शंखवार, टिंडवार, सतवाड़ा, गौर, उसरेटे, सिंगौर, सनोढ़िया, निरंजन, कैवर्त, अथरिया, खरेविन्द, गुजराती, यदुवंशी, पटेल, ठाकुर, राठौर, परिहार, गहरवार, शिरंगा, चन्द्रा इत्यादि है।

ऋग्वेद 8/16/8 में कहा गया है कि -

''स स्तोभ्य: स हव्य सत्व: सत्वा। तुवि कूर्मि: एकश्चित् सत्रभि भूति।।''

अर्थात् ''महान कूर्मि कर्मयोगी है और वह स्तुति सत्कार तथा आह्वान के योग्य होता है, वह सत्य स्वरूप और महाबली होता है। वह अकेले भी विघ्न बाधाओं और शत्रु समूहों से कभी पराजित नहीं होता - सदा विजयी होता है।

कूर्मि जाति का इतिहास उतना ही पुरातन है, जितना कि मानव जाति। महाभारत, आदिपर्व 65/11 में ''कश्यपातु तु इमा प्रजा:।'' अर्थात कूर्म कश्यप मानव जाति का आदि पुरूष था। सम्पूर्ण प्रजाएँ कूर्म कश्यप से ही उत्पन्न कहा गया है। अत: कूर्म कश्यप को सम्पूर्ण मानव जाति का पूर्वज माना गया है। संसार की सारी ही जातियाँ कूर्म-कश्यप से उत्पन्न हुई हैं, परन्तु वे देश काल और परिस्थितियों के कारण अपने मूल पुरूष को भूल गये हैं। लेकिन कूर्मि जाति, आज भी अपने आदि पुरूष को गौरव के साथ नाम धारण करके उसकी कीर्ति को अमर किये हुए हैं। कूर्म कश्यप की सन्तान उस आदि पूर्वज के नाम पर स्वयं को कूर्मि, कुर्मी, कुर्मवंशी, कण्वी, कश्यप, कश्यपगोत्री, कापु, कापेचार, कुड़मी आदि मानते और कहते हैं।

शतपथ ब्राम्हण 7/5/1/5 में भी कहा गया है कि- ***''स यत्कूर्मो नाम एतदै रूपं कृत्वा प्रजापति: प्रजा असृजत यदसृजत। करोत्तद्यद करोत्तस्मात्कूर्म: कश्यपो वै कूर्मस्तस्मादाहु: सर्वा: प्रजा: काश्यप्य इति।''***

अर्थात् ''उस सृष्टिकर्ता का नाम कूर्म है। कूर्म का रूप धारण करके ही प्रजापति ने सम्पूर्ण प्रजाओं का सृजन किया। सृष्टि का सृजन करने के कारण ही उसे कूर्म कहा जाता है। कश्यप ही कूर्म हैं। इसी कारण समस्त प्रजाएँ कश्यप अर्थात् कश्यप से उत्पन्न कही जाती है।''

कूर्म-कश्यप की कीर्ति महान गोत्र प्रवर्तक के रूप में भी अमर है। महाभारत, शांति-पर्व 296/17, ''**मूल गोत्राणि चत्वरी सकुत्पन्नानि भारत। अंगिरा कश्यपश्चैव वसिष्ठो भृगरेव च।।**'' के अनुसार आरम्भ में अंगिरा, कश्यप, वशिष्ठ और भृगु नामक चार ऋषि ही कूल गोत्र प्रवर्तक थे, और-शेष गोत्रों के प्रवर्तक बाद में हुए। कश्यप चूँकि मानव जाति के आदि पुरूष थे, अत: जिस व्यक्ति को अपने गोत्र का ज्ञान नहीं होता वह भी बिना किसी संकोच के कश्यप को ही अपना गोत्र प्रवर्तक मानकर कश्यप गोत्र रख लेता है, क्योंकि वे सभी के पूर्वज ही हैं। आज भी कश्यप गोत्र सर्वाधिक लोकप्रिय और बड़ा है। उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अति प्राचीन काल में उसी महान कूर्म कश्यप के वंशज कूर्मवंशी कहलाए। अत: कूर्मि नि:सन्देह क्षत्रिय हैं। कूर्मि शब्द का अपभ्रंश कालान्तर एवं स्थानांतरण द्वारा कुर्मी, कुरमी, कुण्वी, कनवी, कुडमी, कालवी आदि होता गया। कूर्मि शब्द का अस्तित्व वेद और पुराणों में अनेक मन्त्रों में मिलता है। देवराज इन्द्र को तुवि कूर्मि अथवा महान कूर्मि वेद के अनेक मंन्त्रों में कहा गया है। कूर्मि ऋषि तथा इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी भी वेद के अनेक मन्त्रों की दृष्टा एवं प्रकटकर्ता रही है ।

कूर्मि प्रागैतिहासिक काल से है, तब तक तो वर्ण-व्यवस्था अनुसार समाज का विभाजन भी नहीं हुआ था, तब समाज में समता थी। कूर्मियों का अतीत प्रागवैदिक काल से, वैदिक काल और उससे पीछे इधर बौद्ध काल तक बड़ा उत्कृष्ट तथा शानदार रहा है। बौद्धकालीन भारत को पुन: सनातनी ढाँचे में बदलने में सामाजिक आपाधापी मची, जिससे बहुत से जातियों को कट्टर पुरोहितवाद का कोप भाजन बनना पड़ा। ऐसे लोगों को किसी काल में समाज का सर्वे -सर्वा बनाने का कार्य किया गया,जिन्होंने ब्राम्हणों को श्रेष्ठ माना और उनके अच्छे, बुरे आदेशों का पालन करते रहे। मध्यकालीन भारत में विशेष रूप से राजपूतों की मदद से ब्रम्हणों ने वैमनस्य तथा स्वार्थवश उनके वर्चस्व को अस्वीकार्य करने वाली अनेक जातियों को वर्णच्युत तक करने का कुत्सित प्रयास किया, जिसमें उन्हें अच्छी सफलता भी मिली। इसी काल में अन्य प्राचीन क्षत्रिय जातियों के साथ ही कूर्मियों के संबध में भी अनेक भ्रान्तियाँ फैलाई गई।

जिस समय संसार की अन्य जातियां सभ्यता की प्राचीन अवस्था में थी, उस समय भारत में कूर्मि क्षत्रिय महान साम्राज्यों के स्वामी थे। कला और साहित्य के संरक्षक थे। विश्व में ऐसी कोई भी अन्य जाति नहीं, जिसने इतने लम्बे समय से क्षत्रिय धर्म का मनसा, वाचा और कर्मणा पालन करता आ रहा हो। लेकिन सभी क्षत्रिय कूर्मि नहीं हैं, जबकि सभी कूर्मि जाति के लोग नि:सन्देह क्षत्रिय हैं। कूर्मि मूल क्षत्रिय आर्य जाति है जो वैदिक काल से ही आर्यजाति को स्थिर जीवी में परिणत किया है। लोग देश, काल और परिस्थितियों के कारण अपने मूल पुरूष कूर्म कश्यप को छोड़ते चले गये हैं। लेकिन कूर्मि या कूर्मी जाति के लोग आज भी अपने आदि पुरूष को गौरव के साथ धारण करके उसकी कीर्ति को अमर किये हुए हैं।

शेष अंक 2019 के अंग में प्रकाशित....

कूर्मि समाज का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- इम्पीरियल गजेटियर आफ इण्डिया (एडीशन) वाल्यूम 16 अनुसार - महाराष्ट्र मराठों का देश है जिनकी जनसंख्या 30% है। मराठा संज्ञा उन प्राचीन काल के युद्ध करने वाले समुदाय से उत्पन्न जनों के लिए रक्षित है, जो युद्ध प्रिय, परिश्रमी एवं बलवान होते हैं । एक बार जिनका भारत में आतंक रहा है और अब बहुत बड़ी संख्या में किसान समुदाय के रूप में हैं । जो कुनवी (कुरुवंशीय) नाम से विख्यात है ।
- इम्पीरियल गजेटियर ऑफ इण्डिया, न्यू एडीशन वाल्यूम 18 के अनुसार-हिन्दू 72 जातियों या शाखाओं में विभक्त है, उनमें वक्कालिंगा की संख्या सबसे अधिक है। वक्कालिंगा (भारती कुनवी) किसान है या रैयत । मुखिया गौड़ा कहलाते हैं । यह प्राचीन गंगवंशियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और गंग राजाओं के केन्द्र बिन्दु हैं ।
- स्कंद पुराण के सहयादि खंड अध्याय 26 में चंद्रवंशी क्षत्रियों के 7 शाखाओं में एक कूर्म ऋषि वंश का भी वर्णन है । कूर्म का वंश होने से उस वंश के सभी राजाओं का कौर्मि नाम हुआ । जिसका अपभ्रंश कूर्मि, कुर्मी, कुरमी, कुनबी आदि हो गया।
- राजस्थान से प्रकाशित वंश भास्कर नामक पुस्तक के द्वितीय भाग पृष्ठ 1013-1014 में कूर्म वंश को सूर्यवंश के अंतर्गत माना गया है और उसकी उत्पत्ति अयोध्या के सुमित्र नामक राजा के पुत्र कूर्म से माना गया है।
- प्रसिद्ध इतिहास लेखक मिस्टर हंटर स्टैटिस्टिकल एकाउंट ऑफ बंगाल वाल्युम 11 में लिखते है कि छत्रपति शिवाजी कूर्मि थे और ग्वालियर व सतारा के राजा भी उसी वंश से है ।
- मिस्टर कार्नेजी 'रेसेज ट्राइब्स एण्ड कॉस्ट्स ऑफ अवध' में लिखते है कि महाराजा ग्वालियर भूतपूर्व राजा सतारा और भूतपूर्व भोसला राजा (नागपुर) कूर्मि थे अथवा उन जातियों में से थे जो उनसे संबंधित थी।

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि सरोजनी नायडू

जन्म : 13 फरवरी 1879, निर्वाण : 2 मार्च 1949

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

2

विक्रम संवत् 2074
शक संवत् 1939

फरवरी - 2018

बनों और बनाओं
(Be and Make)
- स्वामी आत्मानन्द

शिशिर ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ अदरक, हल्दी एव कंदवर्गीय फसलों की खुदाई करें। ❖ ग्रीष्मकालीन मौसमी पुष्पों के पौधों की रोपाई करें, गेंदे की नर्सरी डाले। ❖ फलदार वृक्षों जैसे - आम, ऑवला, चीकू, कटहल आदि में फूल एवं कलम की प्रक्रिया चलती रहती है। अत: फल लग जाने तक सिंचाई बंद रखें। ❖ गेहूं फसल में कन्से तथा गाँठ बनने की अवस्था में सिंचाई करें। ❖ ग्रीष्मकालीन मूंग, तिल की बुवाई करें एवं मूंग में पीला मोजेक निरोधक जातियों का उपयोग करें। ❖ सूरजमुखी की पत्तियाँ झुलसना प्रारंभ होने पर क्लोरोथेलोनिल या कार्बोन्डाजिम फफूंदनाशक का छिड़काव करें। ❖ फल वृक्षों की सूखी टहनियों को काटकर जला दें तथा कटे स्थान पर फफूंदनाशक (बोर्डो मिश्रण) दवा का पेस्ट लगायें। ❖ अ ा म फसल में मिलीबग कीट से बचाव हेतु पेड़ में जमीन से ऊपर लगभग एक फीट में ग्रीस बैंड लगाएँ तथा पेड़ों के नीचे जमीन की जुताई कर क्लोरोपायरीफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण का भुरकाव करें। ❖ गेहूँ में गेरूआ रोग दिखने पर मेनब (3 ग्राम/लीटर) या ट्राइएडीमीफॅान 50 मि.ग्रा./10 ली. पानी में मिलाकर छिड़कावकरें। ❖ प्याज में फूल आने पर उसे तोड़ दें। ❖ ग्वारफली, कोचई की बोवाई करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 24
गृह प्रवेश - 24

मूल

ता. 31ज.सायं 5.36 मि. से ता. 2 फ. दो. 1 बजे तक
ता. 9 सायं 4.56 मि. से. ता. 11 रात्रि 11 बजे तक
ता. 19 दोप.1.39 मि.से. ता.21 दोप. 2.02 मि. तक
ता. 28 रात्रि 3.52 मि. से ता. 1मार्च प्रात:11.48मि.तक

पंचक

ता. 15 सायं 8.40 मि. से ता 20 दोप.2.04 मि.तक

सोम MONDAY	**स्थानीय मेला-महोत्सव** ● सरहुल महोत्सव (साल वृक्ष लगने के समय मनाया जाता है) ● राजिम महोत्सव ● शिवरीनारायण मेला ● रतनपुर धार्मिक मेला ● बिलासा महोत्सव ● ताला महोत्सव ● नारायणपुर मेला महोत्सव (बस्तर दशहरा के बाद) ● चंपारण मेला महोत्सव ● कोरिया मेला महोत्सव (महाशिवरात्रि पर)	फाल्गुन कृष्ण 5 **5**	फाल्गुन कृष्ण 12 **12**	फाल्गुन शुक्ल 4 **19** छत्रपति शिवाजी जयंती	फाल्गुन शुक्ल 11 **26**
मंगल TUESDAY		फाल्गुन कृष्ण 6 **6**	फाल्गुन कृष्ण 13 **13** डॉ. सरोजनी नायडू जयंती	फाल्गुन शुक्ल 5 **20**	फाल्गुन शुक्ल 12 **27** चन्द्रशेखर आजाद दिवस
बुध WEDNESDAY		फाल्गुन कृष्ण 7 **7**	फाल्गुन कृष्ण 14 **14** महाशिवरात्रि	फाल्गुन शुक्ल 6 **21**	फाल्गुन शुक्ल 13 **28**
गुरु THURSDAY	फाल्गुन कृष्ण 1 **1**	फाल्गुन कृष्ण 8 **8**	फाल्गुन कृष्ण 15 **15** युवा कूर्मि मित्र मण्डल स्थापना दिवस (1987)	फाल्गुन शुक्ल 7 **22** छ.ग.प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज स्थापना दिवस-2008	**शासकीय अवकाश** 14 महाशिवरात्रि **ऐच्छिक अवकाश** 10 महर्षि दयानंद सरस्वती जन्म दिवस 19 छत्रपति शिवाजी जयंती
शुक्र FRIDAY	फाल्गुन कृष्ण 2 **2**	फाल्गुन कृष्ण 9 **9**	फाल्गुन शुक्ल 1 **16**	फाल्गुन शुक्ल 8 **23**	**याददाश्त**
शनि SATURDAY	फाल्गुन कृष्ण 3 **3**	फाल्गुन कृष्ण 10 **10** महर्षि दयानंद सरस्वती जन्म दिवस	फाल्गुन शुक्ल 2 **17**	फाल्गुन शुक्ल 9 **24**	
रवि SUNDAY	फाल्गुन कृष्ण 4 **4**	फाल्गुन कृष्ण 11 **11**	फाल्गुन शुक्ल 3 **18**	फाल्गुन शुक्ल 10 **25**	

समस्त स्वजातिय बंधुओं को महाशिवरात्रि की मंगलकामनाएँ...
कूर्मि ताराचंद सिंगरौल
(जरेली वाले)
मो. 9165090757, 9993216130
जल ही जीवन है
सिंगरौल बौरवेल्स एण्ड पम्प
घर फैक्ट्री और प्लाट में 8", 6", 5", बोर खनन कार्य हेतु संपर्क करें
एग्रोटेक, पृथ्वी, रिक्विंग, CRN
आदि सबमर्सिबल पम्प उपलब्ध
स्थान : गेस्ट हाऊस के पास मुंगेली रोड, पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

प्रतिष्ठित संस्थान
सौरभ पेट्रोल पम्प
पेण्ड्रीडीह, सकरी बायपास रोड, अमसेना
वासु मंगलम
वैवाहिक भवन चकरभाठा कैम्प, बिलासपुर
वासु अपार्टमेंट
आवासीय फ्लैट्स

कूर्मि संतोष कौशिक
विधानसभा प्रत्याशी
तखतपुर क्षेत्र
छ.ग. जनता कांग्रेस (जे.)
निवास : वार्ड क्र. 07, अनुराग विद्या मंदिर स्कूल के पास, चकरभाठा (कैम्प) मो. 9755797418

With Best Compliments From
CAR DECORE
A Complete Car Accessories Shop
Ganesh Chandrakar
9977267700
9826867700
Maruti Business Park, G.E. Road, Raipur (C.G.)
Phone : 0771-4267700

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की मंगलमय कामनाओं सहित....
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
प्रदेश पदाधिकारी / कार्यकारिणी सदस्यगण

स्वामी वेदानंद सरस्वती - प्रेरणाश्रोत
कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद चन्द्राकर - पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (1993-2000)
कूर्मि जगदीश प्रसाद कौशिक - पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (2005-2007)
कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार - पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (2008-2011)
कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक - पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (2011-2014)
कूर्मि बी.आर. कौशिक - पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (2014-2017)
कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई - संस्थापक सदस्य
कूर्मि डॉ. निर्मल नायक - प्रदेशाध्यक्ष, मो. 09826165881
कूर्मि रंजना वर्मा - प्रदेश उपाध्यक्ष
कूर्मि डॉ. बी.पी. चन्द्रा - प्रदेश उपाध्यक्ष
कूर्मि प्रदीप कौशिक - प्रदेश उपाध्यक्ष
कूर्मि सुखनंदन कौशिक - प्रदेश कोषाध्यक्ष
कूर्मि देवनारायण कश्यप - प्रदेश सचिव
कूर्मि शोभाराम कौशिक - प्रदेश सचिव
कूर्मि विश्वनाथ कश्यप - प्रदेश सचिव
कूर्मि महेश्वरी कौशिक - प्रदेश संयुक्त सचिव
कूर्मि जमुना पाटनवार - प्रदेश संयुक्त सचिव
कूर्मि मोहन कश्यप - प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
कूर्मि डॉ. एम.एल. चन्द्राकर - प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
कूर्मि तानसेन चन्द्रवंशी - प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
कूर्मि लखन चंदेल - प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
कूर्मि ऋषि कश्यप - प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल - प्रदेश महासचिव, मो. : 94255-22629

महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ, संभागीय / जिला के पदाधिकारी

कूर्मि नंदिनी पाटनवार - प्रदेशाध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ)
कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप
कूर्मि गीतांजली कौशिक
कूर्मि सुषमा कश्यप
कूर्मि ऊषा चन्द्रा
कूर्मि गेंदराम कश्यप
कूर्मि रोहिणी बैसवाड़े
कूर्मि माधवनाथ चन्द्राकर
कूर्मि देवी चन्द्राकर
कूर्मि माला चन्द्राकर
कूर्मि सुनंदा कौशिक
कूर्मि दिलीप कौशिक

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आशीर्वाद लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल में नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.) फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

फरवरी-2018

कूर्मि महापुरुषों का संक्षिप्त परिचय व संदर्भित प्रमाणित दस्तावेज

किसी समाज के विकास एवं उत्थान के लिए उसका इतिहास जानना अति आवश्यक है। कूर्मि क्षत्रिय समाज आदि काल से चला आ रहा है। आईये जानते हैं हमारे समाज के विभूतियों एवं शिरोमणियों की प्रमाण सहित जानकारियाँ....

1. **गौतम बुद्ध**- विश्व के प्राचीनतम धर्मों में से एक बौद्ध धर्म के प्रवर्तक एवं संस्थापक हैं। उनका जन्म ईसा पूर्व 563 में लुम्बिनी (नेपाल) तथा महानिर्वाण कुशीनगर (भारत) में हुआ। विश्व के 200 से अधिक देशों में लगभग 180 करोड़ बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं, अर्थात् आबादी का 25 प्रतिशत हिस्सा। चीन में सर्वाधिक 91 प्रतिशत अनुयायी हैं। ये उस युग के मल्ल कूर्मि क्षत्रिय वंश से संबंधित है। सूर्य- मल्ल कृत वृहत एवं प्रमाणित ग्रंथ वंश भास्कर में विस्तार से वर्णित किया गया ।
2. **राजा विक्रमादित्य**- बाम्बे गजेटियर अंक 21 में लिखा हैं कि पूना में कूर्मि-कुणवी क्षत्रियों के शासक उज्जैन के महाराज विक्रम के वंशज थे।
3. **राजा पृथ्वीराज**-इतिहास प्रसिद्ध राजा पृथ्वी राज चौहान को नामादास ने अपनी पुस्तक भक्त माला में कूर्म कहा है।
4. **संत तुकाराम**-महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत तुकाराम जी अपने आपको कुणवी जाति में जन्म पाने के लिए स्वयं को धन्य मानते थे।
5. **पद्मश्री स्व. फणीश्वर नाथ रेणु**-ये प्रसिद्ध स्वजातीय साहित्यकार पुर्णिया जिला (बिहार) के हैं। मैला आचल, पंचलाइट, इनके प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें उन्होंने कूर्मि समाज के परंपराओं को ही रेखांकित किया है।
6. **छत्रपति शिवाजी**-भारत के प्रथम मूलनिवासी राज्य निर्माता। जन्म-28 अप्रैल 1630 (नवीन मत), जन्मस्थान-पूना-शिवनेर दुर्ग। माता जीजा बाई ने शिवाजी को आत्मनिर्भर एवं स्वाभिमानी बनाया। 20 वर्ष की उम्र में पूना की जागीरदारी संभाली। मुगलों के आधीन नहीं रहने के लिए उन्होंने संघर्ष किया और 28 मार्च 1674 को स्वतंत्र राज्य के प्रथम हिन्दू राजा बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। 3 अप्रैल 1680 को आप वीरगति को प्राप्त हुए । छत्रपति शिवाजी को अनेक इतिहासकारों एवं गायकों व संतों ने कुनवी संबोधित किया है।

   अ. मराठी इतिहासकार गोंविन्द सखाराम सरदेसाई ने अपनी पुस्तक मराठों का नवीन इतिहास में कश्यप गोत्रिय आर्य क्षत्रिय कहा है।

   ब. श्री विरेन्द्र स्वरूप भटनागर ने अपनी पुस्तक ''सवाइ जय सिंह'' में इन्हें सूर्यवंशी कूर्मी कहा है।

   स. महाराष्ट्र के संत रघुदास ने इन्हें अपनी कविता में कूर्म संबोधित किया ।'हे हिन्दुस्थ धर्म बिहीनती यदि कूर्म भवेत न शिवा: पती।'

   द. प्रसिद्ध लोक गायक श्री अज्ञानदास ने अपनी पुस्तक ''फजल खाँ का वध'' में इन्हे कुनवी कहा है।

   र. मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले 1925 में जो महाराज आफ कोल्हापुर वर्सेस सुन्दरम अरूयर शीर्षक केश में शिवाजी महान के पूर्वजो को कुनवी प्रतिपादित किया है

7. **छत्रपति शाहूजी महाराज** - छत्रपति शाहू जी का जन्म 26 जुलाई 1874 में हुआ था, ये शिवाजी के वंशज थे। मराठा कूर्मि वंश में जन्म लेने के कारण ही छत्रपति शाहू जी में कर्मशीलता तथा निर्भीकता एक साथ समाविष्ट हो गई थी। दलितों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले प्रथम योद्धाओं में इनका नाम उल्लेखनीय है। छत्रपति शाहू जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। ये संगीत, नाटक, तमाशा, चित्रकला तथा अन्य ललित कलाओं के भी पोषक तथा आश्रय दाता थे । जनहित के लिए वे अपनी प्रतिष्ठा, सम्मान, सिहासन सभी की बली दे सकते थे। इनका निर्वाण 6 मई 1922 को हुआ । आप कानपुर (उत्तरप्रदेश) में आयोजित 13वें अ.भा.कू.छ.महासभा की अध्यक्षता भी किए। आप आरक्षण के जन्मदाता माने जाते हैं ।
8. **महारानी लक्ष्मीबाई** - झांसी की रानी वीरांगना लक्ष्मी बाई को कौन नही जानता। 19 नवंबर 1828 ई. को काशी उत्तरप्रदेश में जन्म हुआ। इनके पिता मोरोपंत व माता मनुबाई थी। लक्ष्मीबाई का विवाह बुन्देलखंड प्रदेश के निवालकर गाँव के कुलात्पन्न महाराज गंगाधर राव (जो सूर्यवंशीय महाराष्ट्र/मराठा कुनबी क्षत्रिय थे) से हुआ । 1857 के राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन में अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करने वालो में झांसी की रानी विरांगना लक्ष्मी बाई अग्रणी थी। वे फिरंगियो से लड़ते-लड़ते देश की रक्षा करती हुई 18 जून 1858 ई. को शहीद हो गई।
9. **महाराज बड़ौदा नरेश ''कुबेर''**- बाम्बे गजेटियर के अनुसार ये गायकवाड़ कुल सूर्यवंशान्तर्गत है। ये इतने धनाढ्य थे कि इन्हें ''भारत का कुबेर'' कहा जाता था। महाराज सरमयाजी राव गाायकवाड़ के अनुज श्रीयुत सम्पत जी गायकवाड़ ने 10वे अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा का 1915 में लखनऊ अधिवेशन में अध्यक्षता किया था।
10. **ग्वालियर महाराज सिंधिया**- सतारा के महाराज और नागपुर के भोंसले महाराज विलियन हंटर लिखित 'स्टेटिस्टिक एकाउण्ट ऑफ बंगाल 'अंक' 'कानेंजीज ऐसेज' ट्राइब्ज एण्ड कास्ट्स ऑफ अवध' में लिखा है कि ग्वालियर के महाराज सिंधिया, सतारा के महाराज एवं नागपुर के भोंसले महाराज तीनों एक ही वंश (शिवाजी) के कूर्मि थे। उनके वंशज ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी अपने वक्तव्य में स्वयं को कूर्मि जाति का होना स्वीकार किए हैं।
11. **महाराज साहेब देवास**- 14 वें अधिवेशन 1924 की अध्यक्षता देवास में महाराज सरतुकोती राव पवार ने किया, साथ ही इन्होंने 1926 में 25 दिसम्बर को अपने ही देवास राज्य में एक विशेष अधिवेशन नागपुर के राजा बहादुर रघुजीव राव भोंसले की अध्यक्षता में सम्पन्न कराकर उत्तर और दक्षिण भारत के कूर्मियों में मिलाप की कोशिश की। बीकानेर और जयपुर के राजा श्री वीरेन्द्र स्वरूप भटनागर ने अपनी पुस्तक सवाई जयसिंह में लिखा है कि बीकानेर और जयपुर के राजा कूर्मवंशी थे । सत्रहवीं शताब्दी के अभिलेख में इन्हें कूर्मवंशी कहा गया है।
12. **जगत प्रसिद्ध राममूर्ति नायडू** - आप दक्षिण भारत के कुणवी क्षत्रिय समुदाय के नायडू विभेद में आते है आप मद्रास के विजय नगर में पैदा हुए। आप में 56 घोड़ों की ताकत थी। सीना 48 इंच प्राणायाम करने पर 56 इंच तक होना इनके बलशाली होने का प्रमाण है ।
13. **श्रीमती सरोजनी नायडू**-आप ने 1925 में नेशनल कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। आपका विवाह नायडू कूर्मि क्षत्रिय कुलभूषण डा. श्री रंगराजुन नायडू के साथ हुआ था।
14. **लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल** - अहमदाबाद-बड़ौदा जिला-खेड़ा, ग्राम-नादियाड़ में 31 अक्टूबर 1875 में जन्म। पाटीदार कूर्मि समाज के लेवा उपजाति में पिता झबेर भाई पटेल का परिवार आता है। वे कृषक थे । 1913 में बैरिस्टर बनकर वकालत प्रारंभ। भारत वर्ष के 562 देशी रियासतों को विलय कराने का श्रेय। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री थे। उन्हें मरणोपरांत 1991 में भारत रत्न की उपाधि दी गई । आप विठ्ठल भाई के अनुज हैं। आपके नेतृत्व में खेड़ा और बारडोली सत्याग्रहों में गुजराती कूर्मियों की प्रथम विजय पूर्ण भूमिका रही है। इसी सफलता के कारण आपको महात्मा गांधी द्वारा ''सरदार'' का खिताब मिला। आप 16 में से 13 मत प्राप्त करके भारत के प्रथम प्रधान मंत्री के लिये चुन लिये गए थे, परन्तु महात्मा गांधी के कहने पर आपने इस पद को जवाहरलाल नेहरू के लिए त्याग दिए ।
15. **नीलम संजीव रेड्डी**- भारत के 6वें राष्ट्रपति (25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक)पद में शोभायमान होने वाले स्व. नीलम संजीव रेड्डी का जन्म 19 मई 1913 को इल्लुर जिला अनंतपुर (आंध्रप्रदेश) में हुआ । आप आंध्रप्रदेश के कूर्मि समुदाय के अंतर्गत आते हैं । आपको आंध्रप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (12 मार्च 1962 से 20 फरवरी 1964 तक) बनने का गौरव प्राप्त हुआ । आप 2 बार आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे आप 2 बार लोकसभा के अध्यक्ष पद पर शोभायमान हो चुके हैं । साथ ही 1 जून 1996 को बैंगलुरु, कर्नाटक में आपका देहावसान हुआ ।
16. **हीरालाल काव्योपाध्याय**-छत्तीसगढ़ के पहिली व्याकरणाचार्य जनम 11 सितम्बर 1856। आप मन ल ए जान के आश्चर्य होही के कतको बछर पहिली सन् 1885 मं हीरालाल काव्योपाध्याय ह 'छत्तीसगढ़ी व्याकरण' लिखे रहिन हे, जेमा व्याकरण के संगे-संग लोकगीत अउ साहित्य ल घलोक सकेले गे रिहिस हे। ए व्याकरण ल ओ बखत के दुनिया के सबले बड़का व्याकरणाचार्य सर जार्ज ग्रियर्सन ह अंगरेजी मं अनुवाद करके छत्तीसगढ़ी अउ अंग्रेजी के समिलहा रूप मं सन् 1890 मं छपवाय रहिस।
17. **डॉ. खूबचंद बघेल**- जन्म 19 जुलाई 1900 ई. ग्राम-पथरी, रायपुर। उस समय नागपुर में असिस्टेंट मेडिकल ऑफिसर रहे। सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी महासभा एवं भ्रातृसंघ की स्थापना की। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्नद्रष्टा माने जाते हैं। 1962-65 तक विधायक व छत्तीसगढ़ से राज्य सभा के प्रथम निर्वाचित सांसद होने का गौरव। कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि व अनुसंधान कार्य के लिये छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'शिखर सम्मान' आपके नाम से ही दिया जाता है। आज के छत्तीसगढ़ राज्य की भव्य इमारत इनके परिश्रम की नींव पर खड़ी है ।22 फरवरी 1969 को निधन हुआ ।
18. **एच. डी. देवे गौड़ा** - भारत के 11वें प्रधानमंत्री (1 जून 1996 से 21 अप्रैल 1997 तक) श्री हरदन हल्ली डोड्डे गौड़ा देवे गौड़ा (एच.डी.देवे गौड़ा) का जन्म 18 मई 1933 को हरदन हल्ली, (मैसुर साम्राज्य) कर्नाटक राज्य में हुआ । आप कर्नाटक के 14 वें मुख्यमंत्री (11 दिसम्बर 1994 से 31 मई 1996 तक) के पद पर सुशोभित हुए । आप बैंगलुरु कर्नाटका में आयोजित 13-14 नवम्बर 2016 को अ.भा.कू.क्ष.महासभा के 43 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के मुख्य अतिथि रहे ।
19. **शरद पवार** - शरद गोविंद राव पवार का जन्म 12 दिसम्बर 1940 को बारामती, महाराष्ट्र राज्य के कुनबी परिवार में हुआ । आप वर्तमान में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर शोभायमान है । आप 3 बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद का जिम्मेदारी निर्वहन कर चुके हैं । भारत सरकार में आप रक्षा, कृषि मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पर शोभायमान रहे हैं ।
20. **महाकवि कपिलनाथ कश्यप**-जन्म 6 मार्च 1906 ग्राम-पौना, अकलतरा जिला बिलासपुर (म.प्र.) वर्तमान जिला जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़। प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से 1931 में स्नातक उपाधि, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान कक्षा नवमीं में ही असहयोग आंदोलन में जाने से जेल यात्रा। 1975 में छत्तीसगढ़ी रचनाओं के लिये 'ईसुरी पुरस्कार' से सम्मानित। छत्तीसगढ़ी भाषा में 'श्री राम कथा', 'श्री कृष्ण कथा' व 'महाभारत' जैसे महाकाव्यों की रचना। अनेक संस्थाओं से सम्मानित हुए। निधन-2मार्च 1985
21. **दाऊ रामचन्द्र देशमुख** - ग्राम-पिनकापार, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) में जन्म 25 अक्टूबर 1916, निधन 13 जनवरी 1981 में हुआ । पत्नी- स्व. श्रीमती राधा देवी देशमुख (आत्मजा डॉ. खूबचन्द बघेल)। छात्र जीवन से ही लोककला में अभिरूचि रही। रामचन्द्र देशमुख एक व्यक्ति का ही नहीं, छत्तीसगढ़ की खुशबू लोक संस्कृति को फिर से महिमामंडित करने और उसे देश- देशान्तर में फैलाने के सफल प्रयास का नाम है। आपका नाटक 'चंदैनी गोंदा' भावना, हरितक्रान्ति , शोषणमुक्त समाज, भारतीय कृषक के सुख-दुख, आशा और उल्लास, पीड़ा का मार्मिक चित्र प्रस्तुत करता हैं। 28 फरवरी 1960 को रायरंगपुर, उडीसा में अ.भा.कू.क्ष. महासभा के 26वें अधिवेशन के साथ ही आयोजित अ.भा. नवयुवक सम्मेलन की अध्यक्षता भी दाऊ जी ने की थी । आपने फिरकाबन्दी तोड़कर लगभग 3 दर्जन शादियाँ आपने करवाई।
22. **चन्दूलाल चन्द्राकर** - जन्म 1 जनवरी 1921 अछोली (राजनांदगांव) में हुआ । श्री चन्द्राकर जी छत्तीसगढ़ के एक ऐसे यशस्वी पत्रकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राजनेता हुए, जिन्होंने पत्रकारिता और राजनीति को गजब के संतुलन के साथ शिखर तक पहुंचाया। छत्तीसगढ़ से सांसद के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने न केवल अपनी पहचान बनायी बल्कि अपनी मातृभूमि छत्तीसगढ़ को भी यथोचित पहचान दिलाया।
23. **स्वामी आत्मानंद** - स्वामी आत्मानंद जी का जन्म 6 अक्टूबर 1929 के रायपुर जिला के ग्राम बरबंदा में हुआ। अपने जीवन को मानवता की सेवा के लिये समर्पित करते हुए स्वामी रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम की स्थापना रायपुर में किये जिसका आज भी प्रभाव है। आप एम.एस.सी. गणित में गोल्ड मैडलिस्ट थे एवं आई.ए.एस. में चयनित होने के बाद भी उसे त्याग दिये। स्वामी जी 27 अगस्त 1989 को देवलोक प्रस्थान किये।
24. **दाऊ ढाल सिंह दिल्लीवार**- स्व. दाऊ ढाल सिंह दिल्लीवार का जन्म 27 नवंबर 1897 में हुआ । 1941 में दिल्ली चलो सत्याग्रह में आपने भाग लिया। रायपुर तथा दमोह जिला जेल में बंद रहे। आप दुर्ग के प्रथम जनपद अध्यक्ष एवं सन् 1969 में दुर्ग विधानसभा से विधायक बने। आप एक संघर्षशील स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। निर्वाण तिथि10 अगस्त 1969 ।
25. **रघुबर सिंह चन्द्राकर**- स्व. रघुबर सिंह चन्द्राकर का जन्म 2 जुलाई 1933 को ग्राम हनौदा, जिला-दुर्ग में हुआ था । सामाजिक गतिविधियों में प्रारम्भ से ही आपकी रूचि रही। छत्तीसगढ़ चन्द्रनाहूँ नवयुवक संघ की स्थापना में आपकी उल्लेखनीय भूमिका रही। इनके संपादन में समाज की पहली पत्रिका चन्द्रोदय का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ । 1970 से लेकर दो दशक तक समाज में अध्यक्ष एवं सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों में रहकर समाज का नेतृत्व उन्होंने किया। छत्तीसगढ़ के कूर्मि फिरकों के एकीकरण के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा । आप 9 अप्रैल 1994 को स्वर्गवासी हुए ।

(शेष महापुरुषों की जानकारी 2019 के अंक में देखें)

कूर्मि समुदाय के महत्वपूर्ण राजनैतिक व्यक्तित्व

1. **कूर्मि समुदाय के प्रथम राष्ट्रपति :** महामहिम कूर्मि नीलम संजीव रेड्डी (आंध्रप्रदेश)
2. **कूर्मि समुदाय के प्रथम प्रधानमंत्री :** कूर्मि एच.डी. देवेगौड़ा (कर्नाटक)
3. **कूर्मि समुदाय के प्रथम उप प्रधानमंत्री :** कूर्मि सरदार वल्लभ भाई पटेल (गुजरात)
4. **कूर्मि समुदाय के मुख्यमंत्री :** **1.** कूर्मि नीलम संजीव रेड्डी (आंध्रप्रदेश) **2.** कूर्मि चिम्मन भाई पटेल (गुजरात), **3.**कूर्मि एच.डी.देवेगौड़ा (कर्नाटका) **4.** कूर्मि केशुभाई पटेल (गुजरात), **5.** कूर्मि बसंत दादा पाटिल (महाराष्ट्र), **6.** कूर्मि शरद पवार (महाराष्ट्र) **7.** कूर्मि नीतीश कुमार (बिहार), **8.** कूर्मि आनंदी बेन पटेल (गुजरात)

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि कपिल नाथ कश्यप
जन्म : 6 मार्च 1906, निर्वाण : 2 मार्च 1985

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

3 | विक्रम संवत् 2074/75 शक संवत् 1939/40 | **मार्च- 2018** | समाज सेवा ही ईश्वर सेवा है - स्वामी विवेकानन्द | शिशिर/बसंत ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ टमाटर, बैंगन, मिर्च एवं भिण्डी आदि फसलों में निदाई, गुड़ाई कर सिंचाई करें। ❖ गेंदा के तैयार पौधे को खेत में रोपें। ❖ इस माह में मूंग एवं तिल की बुवाई कर सकते हैं। ❖ ग्रीष्मकालीन धान में कन्सावस्था में तनाछेदक का प्रकोप होता है। बचाव हेतु फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा खेत में पीला तना छेदक की तितली 1 वर्ग मी. में 1 से ज्यादा दिखने पर कार्बोफ्यूरान 33 किलो या कर्टाप 20 किलो का प्रति हेक्टे.की दर से छिड़काव करें। ❖ फसल काटने के बाद यदि खेत में नमी हो तो खाली खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करें। ❖ ग्रीष्मकालीन धान में पर्णच्छद अंगमारी (शीथ ब्लाइट) रोग के लक्षण दिखते ही हेक्साकोनाजोल (2 मि.ली./ली.पानी) का छिड़काव करें। दूसरा छिड़काव 12-15 दिन के बाद करना चाहिए। ❖ गुलाब का पौधा कलम द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। ❖ बारलेरिय, टिकोमा, हेमेलिया, कामनी व पिकॉक जैसी फूलदार झाड़ियों के बीच बो देने चाहिये। ❖ बोगनवेलिया की कलम लगाई जा सकती है। ❖ बैंगन एवं भिंडी में प्ररोह एवं फल भेदक कीट के नियंत्रण हेतु प्रोफेनो फास+सायपरमेथ्रिन 44 प्रतिशत ई.सी का 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें, पुन: 15 दिनों बाद दोबारा छिड़काव करें तथा छिड़काव के 10-15 दिन बाद ही फल तोड़ें। ❖ मिर्च में थ्रिप्स एवं सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 750 मि.ली. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 1,5,6,8,10,12
गृह प्रवेश - 2,3,7,8,12

मूल
ता.28फ.प्रातः3.52 मि. से ता. 1मा.रात्रि 11.48 मि.तक
ता.9 रात्रि 00.46 मि. से ता. 11 प्रातः 6.29 मि. तक
ता.18 रात्रि 8.11 मि.से. ता.20 सायं 7.45 मि. तक
ता.27 प्रातः 11.28 मि.से. ता.29 प्रातः 8.40 मि.तक

पंचक
ता. 15 प्रातः 4.14 मि.से. ता. 19 रात्रि 8.09 मि.तक

शासकीय अवकाश
2 होली
25 रामनवमीं
29 महावीर जयंती
30 गुड फ्राइडे

ऐच्छिक अवकाश
3 भाई-दूज
13 भक्त माता कर्मा जयंती
20 वीरांगना अवंति बाई का बलिदान दिवस
22 गुहा निषादराज जयंती
30 हटकेश्वर जयंती
31 धरती पूजा (खट्टी पर्व)

सोम MONDAY	चैत्र कृष्ण 4 **5** संकष्टी चतुर्थी	चैत्र कृष्ण 10 **12**	चैत्र शुक्ल 2 **19**	चैत्र शुक्ल 10 **26**
मंगल TUESDAY	चैत्र कृष्ण 5 **6** रंग पंचमी महाकवि कपिलनाथ कश्यप जयंती	चैत्र कृष्ण 11 पाप मोचिनी एकादशी **13** भक्त माता कर्मा जयंती	चैत्र शुक्ल 3 गौरीपूजा, गणगौर **20** वीरांगना अवंति बाई का बलिदान दिवस मत्स्य जयंती	चैत्र शुक्ल 11 **27** कामदा एकादशी
बुध WEDNESDAY	चैत्र कृष्ण 6 **7**	चैत्र कृष्ण 12 प्रदोष व्रत **14** मीन संक्रान्ति	चैत्र शुक्ल 4 **21**	चैत्र शुक्ल 12 **28**
गुरु THURSDAY	फाल्गुन शुक्ल 14 **1** होलिका दहन बसंत पूर्णिमा	चैत्र कृष्ण 7 **8** शीतला सप्तमी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	चैत्र कृष्ण 13 **15**	चैत्र शुक्ल 5 **22** गुहा निषादराज जयंती
शुक्र FRIDAY	चैत्र कृष्ण 1 **2** होली	चैत्र कृष्ण 8 बसोड़ा **9** शीतला अष्टमी	चैत्र कृष्ण 14 **16**	चैत्र शुक्ल 6 राम मनोहर लोहिया जयंती **23** यमुना छठ
शनि SATURDAY	चैत्र कृष्ण 2 **3** भाई-दूज	चैत्र कृष्ण 9 **10**	चैत्र कृष्ण 15 दर्श अमावस्या **17** चैत्र अमावस्या	चैत्र शुक्ल 7 **24**
रवि SUNDAY	चैत्र कृष्ण 3 **4**	चैत्र कृष्ण 9 **11**	चैत्र शुक्ल 1 गुड़ी पड़वा, युगादी **18** चन्द्र दर्शन, नवरात्रि प्रारंभ	चैत्र शुक्ल 8,9 **25** दुर्गा अष्टमी/राम नवमी

होली एवं नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ ...

कूर्मि नरेन्द्र कौशिक
सदस्य/सभापति
जिला पंचायत
जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)
संभागीय अध्यक्ष, बिलासपुर
(युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9424155333

कपिलनाथ कश्यप जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ
हार्दिक बधाई ...

कूर्मि देवनारायण-मीनादेवी कश्यप
प्रदेश सचिव, मो. 9827475523

डॉ. दीपक अंजली कश्यप

प्रकाश रेखा कश्यप

समस्त स्वजातिय बंधुओं को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

कूर्मि रविन्द्र पटेल
जिलाध्यक्ष, बलरामपुर
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय समाज, सरगुजा परिक्षेत्र
मो. : 098261-48033

रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

इंजी. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
संस्थापक सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

बेबी आरवी गहवई

कूर्मि श्रीमती रूखमणी गहवई
आजीवन सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

डॉ. आशीष गहवई
एम.बी.बी.एस., चिकित्सा अधिकारी

डॉ. प्रीति गहवई
सहा. प्राध्यापक, सिम्स

डॉ. अतीन गहवई
एम.बी.बी.एस.

Mahindra Rise.
प्रमोद नायक (संचालक)
सेन्ट्रल इंडिया मोटर्स

Model 475DI Sarpanch
Model Arjun 605DI
Model Yuvraj 215
तिफरा ओवर ब्रिज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-247707, मो. 9179623341, 9926620000

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

मार्च - 2018

अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा अधिवेशनों की जानकारी

अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा की स्थापना वर्ष 1894 में हुई, जिसके संस्थापक बाबू गेन्दनलाल सिंह, फर्रूखाबाद (उ.प्र.) थे। गठन पश्चात से महासभा के निम्नानुसार अधिवेशन/महाअधिवेशनों की शुरूआत हुई है, जो निम्नानुसार है:-

क्र.	वर्ष एवं दिनांक	स्थान	अध्यक्षता
1.	1894 दिसम्बर (29-30)	लखनऊ (उ.प्र.)	कूर्मि राय सा. बाबू गेन्दनलाल सिंह (बी.ए.एल.एल.बी.) एडव्होकेट, फर्रूखाबाद (उ.प्र.)।
2.	1895 दिसम्बर (29-30)	लखनऊ (उ.प्र)	कूर्मि बाबू नन्दलाल सिंह (सुपरिटेन्डेन्ट) कस्टम विभाग, लखनऊ (उ.प्र.)।
3.	1896 दिसम्बर (28-29)	पीलीभीत (उ.प्र.)	कूर्मि बाबू मिथिलाशरण सिंह (बी.ए.एल.एल.बी.) पटना, (बिहार)।
4.	1909 मार्च (6-8)	भबुआ, एखलासपुर (बिहार)	कूर्मि बाबू मिथिलाशरण सिंह, पटना, (बिहार)।
5.	1909 सितम्बर (28-30)	चुनार (उ.प्र.)	कूर्मि बी.नागप्पा (बैरिस्टर) एम.एल.सी., (कर्नाटक)।
6.	1910 सितम्बर (25-27)	पीलीभीत (उ.प्र.)	कूर्मि कोटारी वैन्कटराय नायडू (बैरिस्टर) नागपुर, (आंध्रप्रदेश निवासी) ।
7.	1911 दिसम्बर (27-29)	इटावा (उ.प्र.)	कूर्मि सजीवन लाल सिन्हा (प्रधानाध्यापक) पटना, ग्राम हथियाकन्द के निवासी ।
8.	1912 दिसम्बर (24-26)	बाराबंकी (उ.प्र.)	कूर्मि जे.सी. स्वामीनारायण (प्रो. गणित) अहमदाबाद (गुजरात) ।
9.	1913 दिसम्बर (27-29)	अहमदाबाद (गुजरात)	बैरिस्टर सरदार बिट्ठलभाई पटेल, वल्लभभाई पटेल के बड़े भाई (गुजरात) ।
10.	1915 दिसम्बर (27-29)	लखनऊ (उ.प्र.)	कूर्मि संपत राव गायकवाड़ (गुजरात)।
11.	1916 दिसम्बर (29-31)	आगरा (उ.प्र.)	कूर्मि मगन भाई चतुरभाई पटेल (बैरिस्टर) (गुजरात)।
12.	1918 मार्च (30-31-एवं 1 अप्रैल)	फर्रूखाबाद (उ.प्र.)	कूर्मि सदाशिव राव पवार, महाराजा देवास (म.प्र.) ।
13.	1919 दिसम्बर (19-20)	कानपुर (उ.प्र.)	कूर्मि छत्रपति शाहूजी महाराज (महाराष्ट्र) (छत्रपति शिवा जी के वंशज)।
14.	1924 दिसम्बर (29-31)	सीतापुर (उ.प्र.)	कूर्मि तुकोजीराव पवार, (म.प्र.)।
15.	1926 दिसम्बर (27-28)	विशेषाधिवेशन देवास (म.प्र.)	कूर्मि रायबहादुर रामचन्द्र राव, विट्ठलराव बांडेकर (जस्टिस आफ पीस)। आयोजक महाराज तुकोरावजी पवार (सीनि), एम.एल.सी., बम्बई (महाराष्ट्र)।
16.	1927 मार्च (1-3)	लखीमपुर खीरी (उ.प्र.)	कूर्मि जगदेवराव पंवार, महाराजा देवास (सीनियर) के भाई ।
17.	1928 दिसम्बर (27-29)	जबलपुर (म.प्र.)	कूर्मि वृन्दावन लाल कटियार, फर्रुखाबाद (उ.प्र.) ।
18.	1929 दिसम्बर (26-28)	मुजफ्फरपुर (बिहार)	कूर्मि जगदेव राव पंवार, देवास महाराज (महाराज देवास के प्रतिनिधि-श्री सीताराम लक्ष्मण वागवे)।
19.	1930 अप्रैल (19-21)	रायपुर (म.प्र.) वर्तमान (छ.ग.)	कूर्मि रामचन्द्र राव अर्जुनराव गोले (महाराष्ट्र) ।
20.	1931 अप्रैल (4-6)	पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)	कूर्मि नामदेव एकनाथ नावले, उपाध्यक्ष-बम्बई विधान परिषद् ।
21.	1933 दिसम्बर (27-29)	हरनौत, पटना (बिहार)	कूर्मि सदाशिव राव पंवार, महाराज देवास (जूनि. स्टेट) (म.प्र.)।
	1937 दिसम्बर (29-31)	छपरा, (बिहार)	बैरिस्टर बृजनन्दनलाल कटियार, फर्रुखाबाद (उ.प्र.) ।
22.	1939 मई (7-9)	झाड़ग्राम (पं. बंगाल)	अधिवक्ता वासूदास सिंह, बिहार ।
23.	1944 अप्रैल (7-9)	इटावा (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. पंजाब राव देशमुख,अमरावती (महाराष्ट्र) ।
24.	1948 मई (7-9)	हरामऊ पुखराय कानपुर (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. खूबचंद बघेल, रायपुर, म.प्र. (वर्तमान छ.ग.) ।
25.	1958 दिसम्बर (25-28)	कलकत्ता (पं. बंगाल)	कूर्मि श्रीमती विमला देवी देशमुख (पंजाब राव देशमुख की पत्नी), अमरावती (महाराष्ट्र)।
26.	1960 फरवरी (25-28)	रायरंगपुर मयूरभंज (उड़ीसा)	कूर्मि रामदीन गौर, आई.ए.एस. (म.प्र.) ।
	1960 दिसम्बर (27-29)	विशेष अधिवेशन मधुबनी (बिहार)	कूर्मि श्रीमती राजकुंवर बाई बघेल (डॉ. खूबचंद बघेल की पत्नी) रायपुर (म.प्र.) (वर्तमान छ.ग.) । 1. किसान सत्र के कूर्मि जगन्नाथ प्रसाद पटेल, बीना (म.प्र.) 2. छात्र संघ सत्र के कूर्मि रामलाल कश्यप, बिलासपुर (म.प्र.) वर्तमान (छ.ग.)।
27.	1961 मई (26-28)	होशंगाबाद (म.प्र.)	कूर्मि कृष्ण कुमार देशमुख, सुप्रसिद्ध समाज सेवी, बैतूल (म.प्र.) ।
28.	1966 दिसम्बर (10-12)	नागपुर (महाराष्ट्र)	कूर्मि डॉ. खूबचन्द बघेल, रायपुर (म.प्र.) वर्तमान छ.ग. ।
29.	1970 फरवरी (27-28 एवं 1 मार्च)	शिवसागर (आसाम)	कूर्मि लक्ष्मण चन्द्रसिंह, कलकत्ता (पं. बंगाल) ।
30	1971 मई (1-3)	पटना (बिहार)	कूर्मि डाह्या भाई पटेल (पूर्व सांसद) सरदार वल्लभाई के पुत्र (गुजरात) ।
31.	1976 मई (23-25)	भंजनगर, गंजाम (उड़ीसा)	कूर्मि बालसौरि रेड्डी, चंदामामा पत्रिका के संपादक (आंध्रप्रदेश) ।
32.	1978 जून (10-11)	रामलीला मैदान (दिल्ली)	कूर्मि प्रो. के. आर. अमीन, सांसद गुजरात (सरदार वल्लभ भाई के साढू के सुपुत्र) ।
33.	1980 मार्च (8-9)	देवेन्द्रनगर झालदा पुरूलिया, पश्चिम बंगाल	कूर्मि धनीराम वर्मा, रायपुर (म.प्र.) वर्तमान छ.ग. ।
34.	1981 मई (29-31)	रायपुर (म.प्र.) वर्तमान छ.ग.	कूर्मि धनीराम वर्मा, रायपुर (म.प्र.) वर्तमान छ.ग.।
35.	1983 सितम्बर 30 अक्टूबर 1-2	बम्बई (महाराष्ट्र) मुलुण्ड (पं.)	कूर्मि धनीराम वर्मा, रायपुर छ.ग. मुख्य अतिथि, कूर्मि नरेन्द्र तिड़के बम्बई (महाराष्ट्र) महिला सत्र की अध्यक्षता श्रीमती इन्दूमती त्रिभुवन पटेल, युवा सत्र के अध्यक्षता श्री नरेद्र सिंह(उ.प्र.)।
36.	1987 फरवरी (14-15)	सारनाथ, वाराणसी (उ.प्र.)	कूर्मि बसंत दादा पाटिल, तत्कालीन मुख्यमंत्री (महाराष्ट्र)। कूर्मि देशराज कटियार (उ.प्र.) महिला सत्र-श्रीमती मंजूलता सिंह, युवा सत्र-डॉ. शिवाजी सिंह
37.	1991 मार्च (16-17)	पटना, बिहार (गांधी मैदान)	कूर्मि बाबू महेन्द्र सिंह, सेवानिवृत्त आई.पी.एस. (उ.प्र.) ।
	1995 मार्च (11-12)	लखनऊ (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. बलिराम सिंह, बनारस (उ.प्र.) ।
38 वें अधिवेशन लखनऊ (उ.प्र.) में मेजर जनरल केदारनाथ सिंह जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया			
38.	2008 सितम्बर (24-25)	हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)	कूर्मि जगदेव प्रसाद कनौजिया, कानपुर (उ.प्र.) ।
39 वें अधिवेशन 25 सितम्बर 2008 हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में श्री एल.पी. पटेल को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया			
40.	2010 दिसम्बर (3-4)	भिलाई-दुर्ग (छ.ग.)	कूर्मि एल.पी. पटेल, सेवानिवृत्त संचालक, कृषि, भोपाल (म.प्र.)।
41.	2012 फरवरी (17-18)	भोपाल (म.प्र.)	कूर्मि एल.पी. पटेल, सेवानिवृत्त संचालक, कृषि, भोपाल (म.प्र.)।
42.	2013 सितम्बर (27-28)	सूरत, (गुजरात)	कूर्मि एल.पी. पटेल, सेवानिवृत्त संचालक, कृषि, भोपाल (म.प्र.)।
43.	2016 नवम्बर (13-14)	बैंगलुरू, (कर्नाटक)	कूर्मि एल.पी. पटेल, सेवानिवृत्त संचालक, कृषि, भोपाल (म.प्र.)।

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन की जानकारी

क्रं.	वर्ष एवं दिनांक	स्थान	अध्यक्षता
1.	2012 दिसम्बर (28)	रायपुर (छ.ग.)	कूर्मि श्रीमती लताऋषि चंद्राकर, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)।
2.	2015 सितम्बर (26-27)	खजूराहो (म.प्र.)	कूर्मि श्रीमती लताऋषि चंद्राकर, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)।
3.	2017 सितम्बर (09-10)	रांची (झारखण्ड)	कूर्मि श्रीमती लताऋषि चंद्राकर, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)।

राष्ट्रीय युवा अधिवेशन की जानकारी

क्रं.	वर्ष एवं दिनांक	स्थान	अध्यक्षता
1.	2016 फरवरी (12-13)	लखनऊ, (उत्तरप्रदेश)	कूर्मि एम.डी. कटियार, कानपुर, (उत्तरप्रदेश)।
2.	2017 दिसम्बर (23-24)	तंजौर, (तमिलनाडू)	कूर्मि एम.डी. कटियार, कानपुर, (उत्तरप्रदेश)।

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

भगवान गौतम बुद्ध
जन्म : वैशाख पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) 563 ई.पू.
निर्वाण-483 ई.पू.

कूर्मि छत्रपति शिवाजी महाराज
जन्म : 28 अप्रैल 1630, निर्वाण : 3 अप्रैल 1680 (नवीन मत)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

4

विक्रम संवत् 2075
शक संवत् 1940

अप्रैल 2018

ऊँच - नीच का भेद मिटाओ।
शोषण, अन्याय के खिलाफ आवाज ऊठाओ।।
- डॉ. खूबचंद बघेल

बसंत ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ मृदा संरचना में सुधार हेतु अकरस जुताई का कार्य करें । ❖ टमाटर, मिर्च, बैंगन, भिण्डी तथा बरबट्टी आदि सब्जियों के बीज तैयार करने का उचित समय है। सब्जी लगाने हेतु खेत की गहरी जुताई करें, उसे खाली छोड़ दे साथ ही पॉलीथीन से ढक भी सकते हैं, जिससे मृदा जनित खरपतवार तथा बीमारी व कीड़े के अण्डे मर जाये । ❖ आम, नींबू वर्गीय एवं अन्य फसलों में सिंचाई प्रबंधन करें । ❖ गन्ने की पेड़ी फसल से तना छेदक का प्रकोप होने पर फोरेट 10 जी दानेदार दवा का 10 किलो प्रति हेक्टे. की दर से उपयोग करें। ❖ चारे की फसल जैसे-मक्का, ज्वार, नेपियर की बुआई करें । ❖ गन्ने की शीतकालीन फसल में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। भुट्टे के लिए बुवाई करें। ❖ गुलाब की क्यारियों और गमलों में 3-4 दिन के अंतराल में पानी देते रहें और महीने में एक बार कीटाणुनाशक दवाइयों का छिड़काव करें। ❖ सु खे तालाबों/प्रक्षेत्र जलाशय की गाद निकालकर खेतों में डाली जा सकती है; इससे जलाशय की क्षमता बढ़ेगी । खेतों में उपजाऊ मिट्टी आयेगी। नम अवस्था होने पर जलाशय की परत को पशुओं के खुर से रौदवाये, इससे रंध्रांश कम होगें व जल भराव अधिक समय तक रहेगा।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 18,19,20,24,25,27,28,29,30
गृह प्रवेश - 19,20,27

मूल

ता. 5 प्रातः 9.20 मि. से ता. 7 दोप. 14.34 मि. तक
ता. 15 प्रातः 4.29 मि. से ता. 17 रात्रि 3.13 मि. तक
ता. 23 सायं 5.04 मि. से ता. 25 दोप. 3.07 मि. तक

पंचक

ता. 11 दोप. 12.38 मि. से ता. 16 प्रातः 4.06 मि. तक

सोम MONDAY	वैशाख शुक्ल 15 **30** कूर्म जयंती — बुद्ध पूर्णिमा	वैशाख कृष्ण 2 **2** बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी — अवकाश केवल बैंकों एवं कोषालयों हेतु	वैशाख कृष्ण 9 **9**	वैशाख कृष्ण 15 **16** सोमवती अमावस्या	वैशाख शुक्ल 8 **23**
मंगल TUESDAY	**शासकीय अवकाश** 2 अवकाश केवल बैंकों एवं कोषालयों हेतु 14 अम्बेडकर जयंती 30 बुद्ध पूर्णिमा	वैशाख कृष्ण 3 **3** संकष्ठी चतुर्थी	वैशाख कृष्ण 10 **10**	वैशाख शुक्ल 1,2 **17**	वैशाख शुक्ल 9 **24** सीता नवमी
बुध WEDNESDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 12 श्रीमद् वल्लभाचार्य जयंती 13 सेन जयंती 14 बैशाखी 18 परशुराम जयंती 20 शंकराचार्य जयंती	वैशाख कृष्ण 4 **4**	वैशाख कृष्ण 11 **11**	वैशाख शुक्ल 3 अक्षय तृतीया **18** परशुराम जयंती — छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच स्थापना दिवस	वैशाख शुक्ल 10 **25**
गुरु THURSDAY	**याददाश्त**	वैशाख कृष्ण 5 **5**	वैशाख कृष्ण 11 बरूथिनी एकादशी **12** श्रीमद् वल्लभाचार्य जयंती	वैशाख शुक्ल 4 **19**	वैशाख शुक्ल 11 **26** मोहिनी एकादशी
शुक्र FRIDAY		वैशाख कृष्ण 6 **6**	वैशाख कृष्ण 12 प्रदोष व्रत **13** सेन जयंती	वैशाख शुक्ल 5 **20** शंकराचार्य जयंती — सूरदास जयंती	वैशाख शुक्ल 12 **27** प्रदोष व्रत
शनि SATURDAY		वैशाख कृष्ण 7 **7**	वैशाख कृष्ण 13 अम्बेडकर जयंती **14** मेष संक्रांति — बैशाखी	वैशाख शुक्ल 6 **21**	वैशाख शुक्ल 13 नरसिंह जयंती **28** छत्रपति शिवाजी जयंती
रवि SUNDAY	वैशाख कृष्ण 1 **1** हजरत अली जन्मदिवस	वैशाख कृष्ण 8 **8**	वैशाख कृष्ण 14 **15** दर्श अमावस्या	वैशाख शुक्ल 7 पृथ्वी दिवस **22** गंगा सप्तमी	वैशाख शुक्ल 14 **29**

प्रबंध संपादक- कूर्मि भुवन वर्मा
9827124304, 9826704304
आर.एन.आई. पंजीयन क्र. CHHHIN/2009/42664
डाक पंजीयन क्र. जी 2-112/सी.जी.बी.एल.पी./69/2013-2015
2007 से लगातार
छत्तीसगढ़ की मासिक पत्रिका
अस्मिता और स्वाभिमान
सामाजिक चेतना का संदेश वाहक
98267-04304, e-mail: ashmitanews@gmail.com
बिलासपुर • रायपुर • दुर्ग • कोरबा • जांजगीर-चांपा • राजनांदगांव • दंतेवाड़ा • बस्तर • कबीरधाम • कांकेर • रायगढ़ • सरगुजा • धमतरी • बीजापुर • नारायणपुर • महासमुंद • कोरिया • जशपुर • बलौदाबाजार • गरियाबंद • बेमेतरा • बालोद • कोंडागांव • सुकमा • मुंगेली • सूरजपुर • बलरामपुर में प्रसारित

कौशल मनवा कूर्मि क्षत्रिय समाज, रायपुर

कूर्मि अर्जुन लाल वर्मा
अध्यक्ष
मो. : 07566755873

कूर्मि डी आर धुरंधर
उपाध्यक्ष
मो. : 07224831155

समस्त स्वजातिय बंधुओं को शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर शुभकामनाएँ . . .

कूर्मि नारायण कश्यप
पिता:स्व. शत्रुहन लाल कश्यप
प्रभारी, संस्था प्रबंधक सेवा सहकारी समिति
उर्तूम (सेलर),बिलासपुर (छ.ग.) मो. 08959896085

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2018 के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रेषित बैस
मो. : 91 98935 15555
gc
गगन कंस्ट्रक्शन
सी वर्ग शासकीय पंजीकृत ठेकेदार एवं सप्लायर
सामग्री सहित भवन निर्माण का कार्य उचित दर पर किया जाता है
518, सुन्दर नगर, रायपुर (छ.ग.) 492 013

छत्तीसगढ़ कूर्मि चेतना मंच के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ

कूर्मि रामाधार कश्यप
पूर्व सांसद (राज्यसभा)
संरक्षक
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर

कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप
वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी
बिलासा कन्या स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बिलासपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष - महिला प्रकोष्ठ
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

अप्रैल - 2018

कूर्मि समाज / संगठन के राष्ट्रीय व राज्यवार प्रमुख पदाधिकारियों की सूची

क्र.	प्रकोष्ठ	राष्ट्रीय प्रमुख का नाम	पदनाम	पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित
1.	मुख्य	कूर्मि एल.पी.पटेल	राष्ट्रीय अध्यक्ष	381, सीनियर एच.आई.जी., सेक्टर-एच, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425392434, फोन : 0755-2612651
2.	मुख्य	कूर्मि डॉ. विजय सिंह निरंजन	राष्ट्रीय महासचिव	सरदार पटेल स्मारक, अतिथि निवास, एस-14, अंधरापुल, वाराणसी (उ.प्र.) मो. : 09425175550, फोन : 0542-2574434
3.	मुख्य	कूर्मि बी.एल. वर्मा	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	एम.आई.जी.-1, 22/342, इंदिरा नगर, रींवा (म.प्र.) मो. 09425393572
4.	महिला	कूर्मि लताऋषि चन्द्राकर	राष्ट्रीय अध्यक्ष	सड़क-7, ब्लाक-9 बी, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)-490006, मो. 9826482726, 09302743766
5.	महिला	कूर्मि श्रीमती मनीषा गौर	राष्ट्रीय महासचिव	53/3, रेशमबाला कम्पाण्ड, नंदलालपुरा, इंदौर (म.प्र.) मो. 09752042825
6.	महिला	कूर्मि श्रीमती ममता पटेल	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	9/10, विंडसर डिलाइड्स, पटेल कालोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) मो. 09229683301
7.	युवा	कूर्मि धीरेन्द्र मोहन कटियार	राष्ट्रीय अध्यक्ष	18/297, सेक्टर-18, इंदिरा नगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो. 09450101328, 09918001488
8.	युवा	कूर्मि इंजी. सतीश सचान	राष्ट्रीय महासचिव	227/338, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर (उ.प्र.), मो. 09839211802
9.	युवा	कूर्मि दिनेश सचान	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	12 बाल विहार, फरीदीनगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो. 09935705080
क्र.	**राज्यों का नाम**	**राज्य प्रमुख का नाम**	**पदनाम**	**पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित**
1.	**छत्तीसगढ़**	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम-कुर्रा, पो. बंगोली, तहसील-तिल्दा, जिला-रायपुर (छ.ग.) मो. 09826165881, E-Mail:kurmi.chetna01@gmail.com
		कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल	महासचिव	ब्लाक-47/563 पं. दीन. आवासीय फ्लैट्स, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)492099 मो. 09425522629 E-Mail:jkumar001@gmail.com
		कूर्मि श्री विजय बघेल	प्रदेशाध्यक्ष	7-बी, स्ट्रीट नं.-38, सेक्टर-5, भिलाई-दुर्ग (छ.ग.) मो. 09425561150
		कूर्मि श्री लीलाधर चन्द्राकर	महासचिव	बी-1, पवन विहार, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) मो. 09329477504
2.	**उड़ीसा**	कूर्मि श्री विजय कुमार प्रधान	प्रदेशाध्यक्ष	प्लाट नं.-307, ई, गंगानगर, पोस्ट-यूनिट नं.-6, भुवनेश्वर 751001(उड़ीसा) मो. 09938679318
		कूर्मि श्री रूशी गुमान सिंह	महासचिव	160, एकामरा मार्ग यूनिट-6, भुवनेश्वर (उड़ीसा) मो. 09437082407
		कूर्मि श्री प्रभाषचन्द्र मोहन्ता	प्रदेशाध्यक्ष	बी.आई.एम.-160, शैलश्री बिहार भुवनेश्वर (उड़ीसा) मो. 09237271825
		कूर्मि श्री दण्डपाणि मलिक	प्रदेशाध्यक्ष	निमिना,व्हाया-आस्का, जिला गंजाम (उड़ीसा) 761122 मो. 08596052560, 09437191953
3.	**उत्तरप्रदेश**	कूर्मि श्री रामअधार चौधरी	प्रदेशाध्यक्ष	559-बी, मनोरथधाम खजांची चौराहा, स्पोर्टस कॉलेज रोड, गोरखपुर-03, (उ.प्र.), फोन : 0551-2500550,मो. : 9415450032
		कूर्मि श्री संतराम सिंह पटेल	महासचिव	8/57,इंदिरा नगर, लखनऊ-16 (उ.प्र.) मो.09415851531, 08795810356
4.	**महाराष्ट्र**	कूर्मि डॉ. बाबूलाल सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	29, मातृछाया, तीसरा माला, एम.जी. रोड, मुलुण्ड मुंबई, 80 (महाराष्ट्र) फोन-022-25613999, मो. 09224244661
		कूर्मि श्री हरीश वर्मा	महासचिव	डी-2, चांद सोसायटी, जुहू चर्च,मुंबई-49 (महाराष्ट) फोन-022-262017469, मों. 09819090096
		कूर्मि श्री सुरेश लक्ष्मण भ्याजे	अध्यक्ष	अम्बाऊ, पोस्ट-मखाजन,ता. संगमेश्वर, जिला-रत्नागिरी (महाराष्ट्र) मो. 09960591613
		कूर्मि श्री नन्दकुमार मोहिते	महासचिव	शिवार अम्बेरे, रत्नागिरी,महाराष्ट्र मो. 09420909070 E-Mail:dilip-2005@reddifmail.com
5.	**पश्चिम बंगाल**	कूर्मि श्री राज वर्मा	अध्यक्ष	द्वारा ओमेक्स इंडिया सेल्स (प्रा.) लिमिटेड 6-मैनगोलेन, कोलकाता- (पश्चिम बंगाल) मो. 09433003267
		कूर्मि श्री विनोद कुमार राय	महासचिव	संजय टी इम्पोरियम, 130/4, कार्ल मार्क्स सारणी, खिदिरपुर कोलकाता 23 (पश्चिम बंगाल) मो. 09330266611
6.	**राजस्थान**	कूर्मि सुभाष कटियार	अध्यक्ष	26/31-32 जयलाल मुशी मार्ग, पुरानी बस्ती, जयपुर (राजस्थान) मों. 09351458877
		कूर्मि श्री राजेश गंगवार	महामंत्री	ए-463, भगवती अपार्टमेंट विद्युतनगर अजमेर रोड, जयपुर-302021 मो. 09414049758 E-Mail:sarjan-raj2002@yahoo.co.in
7.	**झारखंड**	कूर्मि श्री ब्रिजकिशोर गांधी	अध्यक्ष	बिहार टेंट हाउस, गोला रोड, रायगढ़ केन्ट,(झारखंड) मो. 09835556951 E-Mail:rabindar.gandhi@gmail.com
		कूर्मि प्रो. एच. एन. सिंह	महासचिव	लोवर वर्दमान, कम्पाउन्ड, लालपुर, रांची-01 (झारखंड) मो. 09431596853
8.	**मध्यप्रदेश**	कूर्मि श्री रामभगत पटेल	अध्यक्ष	बेनी सागर कॉलेज के पास, जिला-कचहरी पन्ना (म.प्र.) फोन-07732-252747, मो. 09425167532
		कूर्मि श्री जी.एल.पटेल	महासचिव	ई-47, बिजली नगर कॉलोनी, गोविन्दपुरा, भोपाल (म.प्र.) फोन-0755-2587226, मो. 09425376492
		कूर्मि श्री महेन्द्र पाटीदार	अध्यक्ष	बी-645,के/आ सत्यम कलेक्शन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) मो. 09826750053
		कूर्मि श्री आशोक कटारिया	महासचिव	ग्राम-पाटपाला, पोस्ट-हरसोदन, जिला-उज्जैन (म.प्र.) मो. 09926059413
		कूर्मि श्री ईश्वर राव राउत	अध्यक्ष	बी-55, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, कोहेफिजा, भोपाल (म.प्र.) फोन 0755-2544767, मो. 09993229201
		कूर्मि श्री बी. आर. लोखण्डे	अध्यक्ष	एम-69, राजीव नगर, भोपाल (म.प्र.) फोन-0755-2628395, मो. 09826018549
9.	**हरियाणा**	कूर्मि श्री बाल्मीकी के. पटेल	अध्यक्ष	139/21,राज नगर , गली नं-1, खांडसा रोड, गुड़गांव (हरियाणा) मो. 09910480784
		कूर्मि श्री सुन्दरलाल गंगवार	महासचिव	162/1 सी, हरी नगर, खाण्डसा रोड, गुड़गांव (हरियाणा) मो. 08802763702
10.	**कर्नाटक**	कूर्मि श्री अजय वर्मा	अध्यक्ष	9, रामकृष्ण निवास, एम. एल. ए., लेआउट, गैप गार्डेन, कलेना अग्रहारा बनेरघट्टा रोड, बैंगलौर-76 (कर्नाटक) मो. 09341235998
		कूर्मि श्री अप्पा जी गौड़ा	अध्यक्ष	वोक्कालींगरा संघ, 1/2, माउन्टेन स्ट्रीट, रावतगढ़ बंगलौर (कर्नाटका) मो. : 09341260923
11.	**आंध्रप्रदेश**	कूर्मि श्री राजनारायण पटेल	अध्यक्ष	14-10-404, जुमेरात बाजार, धूलपेठ, हैदराबाद-500006 (आंध्रप्रदेश) मो. 09394543910
		कूर्मि श्री किशोर सिंह वर्मा	महासचिव	म.नं. 1919-1-912/ए/32/ए, फुलवारी मुरली नगर, हैदराबाद 500004 (आंधप्रदेश) मो. 09348242250
		कूर्मि श्री गप्पाचंन्द्रा मोहन मुन्नरू	अध्यक्ष	3-3-43, आ.प्र. मुन्नुरूकापू महासभा, मुन्नुरूकापू भवन, काछीगुड़ा, हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) मो. 09849693231
		कूर्मि श्री वोक्का भूपाल रेड्डी	अध्यक्ष	रेड्डी संक्षेमा संगम, मं.नं. 17-2-630/6/2, मदनापेठ, सायदाबाग-500054 हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) मो. : 09392223000
12.	**बिहार**	कूर्मि श्री मृत्युंजय कुमार	अध्यक्ष	डी/171, पी.सी कॉलोनी, शिवाजी पार्क के पास, कंकड़बाग, पटना-20 (बिहार) मो. 09835273751
		कूर्मि श्रीमती सुनीता साक्षी	महासचिव	ई/98-ए, पी.सी. कॉलोनी कंकड़ाबाग, पटना-20, बिहार, मो. 09801874098, 09905014300
13.	**आसाम**	कूर्मि श्री जीवन कूर्मि	अध्यक्ष	लुनपुरिया, पोस्ट-पानीटोला, जिला-तिनसुकिया (आसाम) मो. 09957644363
		कूर्मि श्री आसन सिंह कूर्मि	महासचिव	ग्राम-सिंगारी बस्ती, पोस्ट-आमतुला, जिला-नौगांव (आसाम) -782435 , मो. 099549898244
14.	**गोवा**	कूर्मि श्री प्रताप सिंह	अध्यक्ष	जानकी निवास-राघवेन्द्र मठ के पास, मोहन्ती हिल्स, मडगांव (गोआ) वेलिप काणकर, फोन-0832-2710215,मो. 09860275261
		कूर्मि श्री मधु एन. गांवकर	महासचिव	बंडोल-किरलापाल, पोस्ट ऑफिस, डावाल जिला-संगूएम, गोवा, मो. 09822194547
15.	**केरल**	कूर्मि श्री के.वी. भास्करण	अध्यक्ष	के.एस.एस. बिल्डिंग, टाउनहाल, क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि -682008 (केरला) मो. 09447679008
		कूर्मि श्री पी.एस. रामचंद्रन	महासचिव	कुटुम्बी सेवा संघम के.एस.एस. बिल्डिंग टाउनहाल क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि 682008(केरला) मो. 09447673609
16.	**उत्तराखण्ड**	कूर्मि डॉ. सत्यनारायण सचान	अध्यक्ष	54, सेवक आश्रम रोड, देहरादून (उत्तराखंण्ड) फोन-0135-2744930, मो. 09412172282
		कूर्मि श्री काशीनाथ	महासचिव	एम-63 शिवालिक नगर, बी.एच.ई.एल. (भेल) रानीपुर हरिद्वार (उत्ताराखंड) फोन-0134-232824, मो. 09719176660
17.	**दिल्ली**	कूर्मि श्री मिथिलेश कुमार	अध्यक्ष	फलैट नं-6, पॉकेट ई-9, सेक्टर-15 रोहणी, दिल्ली -09 मो: 09212503272
		कूर्मि श्री रामचन्द्र वर्मा	महासचिव	बी-34, गली नं-6, विकास बिहार विकास नगर प्रधान, चौक हीला रोड उत्तम नगर, दिल्ली-59 , मो., 09013282912
18.	**पंजाब**	कूर्मि डॉ. सुकवासीलाल सचान	अध्यक्ष	17, नीटर कैम्पस, सेक्टर-26, चंडीगढ़ (पंजाब) फोन-0172-2293248, 2759510
19.	**गुजरात**	कूर्मि श्री विजय भाई सी पटेल	अध्यक्ष	एल-10, सफारी कॉम्पलेक्स, नवजीवन हीरो होण्डा शोरूम के सामने, भेस्तान, सूरत(गुजरात) मो: 09377044599
		कूर्मि श्री आर. के.पटेल	महासचिव	शॉप नं. 19, हरीदर्शन सोसायटी, गोडादरा डीडोली मेन रोड, सूरत (गुजरात) फोन-0261-2528965, मो. 09825818287
		कूर्मि श्री नितिन बी.भुआ	अध्यक्ष	109/2, तृप्ती सोसायटी, सिंगनपुर चाररास्ता, वेदन रोड, सूरत (गुजरात) मो. 09825118103
		कूर्मि श्री चम्पक भाई बी.बनानी	महासचिव	90, जीवनधारा सोसायटी, नान वराछा, सूरत (गुजरात) मो. 09825146725
20.	**तमिलनाडु**	कूर्मि श्री एस. वर्मन	अध्यक्ष	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 तमिलनाडु मो. : 09884110204
		कूर्मि श्री शिवा एस.जयप्रकाश	महासचिव	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 तमिलनाडु मो. : 09442219159
21.	**महाराष्ट्र**	कूर्मि श्री आनंदराव सिरभैया	अध्यक्ष	96-गुरूदेवनगर, तुलसीराम पटेल भवन, न्यू सूबेदार, एरिया, नागपुर (महाराष्ट्र)मो. : 09822233551 फोन : 07126537604
		कूर्मि श्री रामशरण कनौजिया	महासचिव	21/7 एम्प्रेस मिलचाल, सुभाष रोड, नागपुर-18 (महाराष्ट्र) फोन. 0712-2773893, मो. : 09730031290

कूर्मि डॉ. रामलाल कश्यप
जन्म : 18 मई 1932, निर्वाण : 19 फरवरी 2008

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

5

विक्रम संवत् 2075
शक संवत् 1940

मई 2018

जिसने अपनापन खोया,
उसने सब खोया ।
-स्वामी विवेकानन्द

बसंत/ग्रीष्म ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ भूमिजनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। ❖ गेहूँ के बीजों को धूप में लगभग 6 घंटे तक फर्श पर सुखाकर भण्डारित करें। ❖ मशरूम के उत्पादन हेतु कक्ष की मरम्मत करें। पुरानी टूटी हुई चटाइयों के स्थान पर नई चटाइयाँ लगाएँ। छत के पैरा को बदल दें। ❖ मृदा संरचना सुधार हेतु अकरस जुताई करें एवं कार्बनिक खाद (एफ.वाय.एम/घुरवा खाद) खेतों में डाले करें। ❖ हल्दी, घुइयाँ, अदरक हेतु खेत की तैयारी करें एवं बुवाई करें। ❖ वर्षाकालीन सब्जियों की बुवाई की तैयारी करें। ❖ आम, बेल, अनानास, बेर का मुरब्बा, चटनी, अचार एवं सब्जियों को सुखाने का कार्य करें। ❖ खरीफ में जिन फसलों की बुवाई करना हो उनकी उन्नतशील जातियों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरूर कर लेवें। ❖ गन्ना में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। ❖ फसलों में दीमक तथा भूमिगत कीटों के नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण को 20-25 किलो प्रति हेक्टे. की दर से मिट्टी में मिलायें तथा गुड़ाई करें। ❖ तैयार लॉन से खरपतवार निकाल कर सफाई करनी चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए। ❖ कद्दूवर्गीय सब्जियों की बोवाई पॉलीथीन बैग में करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 1, 4, 6, 11, 12
गृह प्रवेश - 2, 11

मूल
ता. 2 सायं 5.39 मि. से ता. 4 रात्रि 10.34 मि. तक
ता. 12 दोप. 1.52 मि. से ता. 14 दोप. 12.31 मि.तक
ता. 20 रात्रि 10.45 मि. से ता. 22 रात्रि 8.29 मि.तक
ता. 30 रात्रि 00.56 मि. से ता. 1 प्रातः 5.53 मि. तक

पंचक
ता. 8 रात्रि 9.00 से ता. 13 दोप. 1.32 मि. तक

सोम MONDAY	ऐच्छिक अवकाश 1 शब-ए-बरात	ज्येष्ठ कृष्ण 7 7 रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 14 14	ज्येष्ठ शुक्ल 7 21 राजीव गांधी पुण्य तिथि	ज्येष्ठ शुक्ल 14 28 वीर सावरकर जयंती
मंगल TUESDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 1 शब-ए-बरात 1 श्रमिक दिवस नारद जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 8 8 विश्व रेडक्रास दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 15 15 शनि जयंती वट सावित्री	ज्येष्ठ शुक्ल 8 22	ज्येष्ठ शुक्ल 15 29 ज्येष्ठ पूर्णिमा
बुध WEDNESDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 2 2	ज्येष्ठ कृष्ण 9 9	ज्येष्ठ शुक्ल 1 16 चन्द्र दर्शन	ज्येष्ठ शुक्ल 9 23	ज्येष्ठ कृष्ण 1 30
गुरु THURSDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 3 3 संकष्टी चतुर्थी प्रेस स्वतंत्रता दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 10 10	ज्येष्ठ शुक्ल 2 17 विश्व दूरसंचार दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 10 24 गंगा दशहरा	ज्येष्ठ कृष्ण 2 31 धूम्रपान निषेध दिवस
शुक्र FRIDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 4 4	ज्येष्ठ कृष्ण 11 11 अचला एकादशी	ज्येष्ठ शुक्ल 3 18 डॉ. रामलाल कश्यप जयंती	ज्येष्ठ शुक्ल 11 25 पद्मिनी एकादशी आल्हा जयंती	याददाश्त
शनि SATURDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 5 5	ज्येष्ठ कृष्ण 12 12	ज्येष्ठ शुक्ल 4,5 19	ज्येष्ठ शुक्ल 12 26 प्रदोश व्रत	
रवि SUNDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 6 6	ज्येष्ठ कृष्ण 13 13	ज्येष्ठ शुक्ल 6 20	ज्येष्ठ शुक्ल 13 27 जवाहर लाल नेहरू पुण्यतिथि	

कूर्मि चेतना पंचाङ्ग के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई

कूर्मि श्रीकांत राजेन्द्र चन्द्राकर
सीईओ, जिला सह. केन्द्रीय बैंक

कूर्मि विभावना चन्द्राकर
एम.कॉम.,बी.एड.,बी.एल.बी.

आर्या श्री चन्द्राकर
लोयला स्कूल, बिलासपुर

शिवाय चन्द्राकर

आराध्या चन्द्राकर
लोयला स्कूल, बिलासपुर

समाज के सर्वांगीण विकास में निरंतर प्रयासरत
छ.ग. कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच को हार्दिक बधाई...

सीमा देवी - तेजराम कश्यप
माता - पिता

डॉ. सूरज कश्यप
डिप्टी कलेक्टर

म.नं.-64,वार्ड नं.-10,थाना रोड शिवरीनारायण,
जि. जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

कूर्मि चेतना पंचाङ्ग के प्रकाशन पर
हार्दिक बधाई

कूर्मि पुनीत राम कश्यप
करमा (बसहा)

कूर्मि धनेश्वर कश्यप
बसहा (करमा)

तहसील क्षेत्र, बेलतरा, बिलासपुर (छ.ग.)

समस्त स्वजातिय बंधुओं का सादर अभिवादन . . .

कूर्मि डॉ. प्रदीप सिंगरौल
केन्द्रीय उपाध्यक्ष
सिंगरौल कूर्मि-क्षत्रिय समाज छ.ग.
रिटा. एडि. सी.एम.ओ.
आराध्या क्लिनिक,चंगोराभाठा
बाजार चौक,रायपुर (छ.ग.)
मो. 9755995933

कूर्मि राजीव सिंगरौल
कोषाध्यक्ष,युवा प्रकोष्ठ
सिंगरौल कूर्मि-क्षत्रिय समाज छ.ग.
शास. कान्ट्रेक्टर,रायपुर (छ.ग.)
मो. 9828900500
जी-4 सांई विला कालोनी,
भाठागांव,रिंग रोड-1,रायपुर (छ.ग.)

कूर्मि रश्मि सिंगरौल
कोषाध्यक्ष,महिला प्रकोष्ठ
सिंगरौल कूर्मि-क्षत्रिय समाज छ.ग.
आर.एल.आई. मार्केटिंग रिसोर्स आफ
लीडिंग इंसपिरेशन (डिपो ओनर)
भाठागांव, रायपुर (छ.ग.)
मो. 9977376333

शुभकामनाएँ

वैद्यराज बोधन सिंह बेलचंदन

डॉ. पोखराज सिंह बेलचंदन
आयुर्वेद विज्ञानाचार्य (AVMS)

पता : ग्राम-सिब्दी, पो. भरदाकला, जिला-बालोद (छ.ग.)

विशेष : लकवा, वातरोग, जीर्ण व्याधि इत्यादि का आयुर्वेद उपचार

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल,
नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

मई -2018

भारत वर्ष के विभिन्न हिस्सों में निवासरत कूर्मि स्वजातियों की संक्षिप्त जानकारियाँ

1. छत्तीसगढ़ राज्य

क्र.	उपजाति	निवास-तहसील/जिला	उपनाम (सरनेम)
1.	अथरिया	जांजगीर-चांपा, कोरबा, पामगढ़	कश्यप, कूर्मि, कौशिक
2.	एकबहियाँ	लोरमी, तखतपुर, रतनपुर, पामगढ़	कश्यप
3.	बधईयाँ	सीपत (बिलासपुर)	कौशिक, कश्यप, वर्मा
4.	बड़गैया	धरसींवा (रायपुर)	वर्मा
5.	बैस	धरसींवा (रायपुर), कुरुद (धमतरी) रतनपुर (बिलासपुर)	बैस, बैसवाड़े, कश्यप, कौशिक, वर्मा
	बैसवार	धरसींवा (रायपुर), कुरुद (धमतरी)	बैस, बैसरा, कश्यप, कौशिक, वर्मा
6.	चन्द्रनाहूँ 1	दुर्ग, कवर्धा, महासमुन्द, धमतरी, राजनांदगांव, रायपुर, बेमेतरा	चन्द्राकर, चन्द्रवंशी, कश्यप, कौशिक, भारद्वाज, चन्द्रनाहू
	चन्द्रनाहूँ	तखतपुर, लोरमी, मुंगेली, बलौदाबाजार	चन्द्राकर, कश्यप
	चन्द्रनाहूँ	मस्तुरी, पामगढ़	चन्द्राकर, कश्यप
7.	चन्दनियाँ	मुंगेली, लोरमी, पंडरिया	कश्यप, चन्द्राकर, कुलमित्र
8.	चन्द्रनाहूँ 2	जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, रायपुर	चन्द्रा, चन्द्राकर, लाल, वर्मा, चन्द्रेश
9.	चन्द्रनाहूँ 3	बिलासपुर, जांजीगर-चांपा, कोरबा, सरगुजा	चन्देल, कश्यप
10.	देसहा	मुंगेली, बिलासपुर, पंडरिया	कश्यप, कौशिक, वर्मा
11.	दिल्लीवार	दूर्ग बालोद, राजनांदगांव, राजिम	देशमुख, दिल्लीवार, बेलचंदन, महतेल, सुकतेल, वर्मा, हरदेल, भारदीय, गौतम, हरमुख, अमृत, पिपरिया
12.	गहवई 1	बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा	गहवई, कौशिक, वर्मा
	गहवई 2	तखतपुर, रतनपुर, बिलासपुर	गहवई, कौशिक, वर्मा
13.	गवेल	जांजगीर-चांपा, रायगढ़, मुंगेली	गभेल, गवेल, वर्मा
14.	कनौजिया	बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायपुर, बलौदाबाजार	कश्यप, कौशिक, वर्मा, सिंगसार्वा, रायसागर
15.	मनवा	रायपपुर, दुर्ग, भाठापारा, बिलासपुर, बेमेतरा, कवर्धा, बलौदाबाजार, राजनादंगांव, कांकेर, जगदलपुर, धमतरी, मुंगेली	वर्मा, बघेल, कश्यप, नायक, चन्द्रवंशी, बघमार, परगनिहा, खिचरिया, टिकरिहा, मढ़रिया, धुरंधर, आडिल, सिरमौर, कपूर, बंछोर, पैकरा, बिजौरा
16.	परगिया	बिलासपुर, रायपुर,	कश्यप, वर्मा
17.	पाटनवार	सीपत (बिलासपुर)	पाटनवार, वर्मा
18.	राजवाड़े	बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बलौदा	राजवाड़े
19.	सनाड्य	बिलासपुर	कौशिक, सन्नाट, सनाड्य
20.	सरेठी	बिलासपुर, दुर्ग, बेमेतरा	कौशिक, वर्मा, कश्यप
21.	सिंगरौर	बेमेतरा, दुर्ग	वर्मा
22.	सिंगरौल	बिलासपुर, मुंगेली, दुर्ग, रायपुर, कवर्धा, कोरिया, तखतपुर, पथरिया	सिंगरौल, कश्यप, वर्मा, सिंघरौल
23.	सुरेठी	कवर्धा	वर्मा, कौशिक, शांडिल्य, हरदेल
24.	तिरेला	डोंगरगढ़, कवर्धा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव	कश्यप, भंवर, देशमुख, वर्मा, डोटे, कांकड़े, ठाकरे, पटेल
25.	अन्य	सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया, पेन्ड्रा, मरवाही, बिलासपुर, रायपुर जशपुर, सुरजपुर	कश्यप (कुनबी), पटेल, सिंह, सिंगौर, सचान, कौशिक, चन्द्राकर, चन्द्रौल, गहलोत, पटेल, पाटीदार

2. मध्यप्रदेश राज्य : म.प्र. राज्य में उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, दक्षिण भारत के भी कुछ कूर्मि समाज के लोग आकर बस गये हैं। राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख उपजाति / समूह / सरनेम / उपनाम / गोत्र के कूर्मि बंधु निम्नानुसार निवासरत हैं–

सतना क्षेत्र : पंडेल, भझहा, ओइरहा, गौहई, सिंगरौल, भरदूत, मुहार, कूम्हा, कठेल, बिहरहा, खोहरिहा, सतरिहा, भतरिहा, अरषिहा, बमौठिहा, तलहा, फलगड़िहा, सेमरिहा, बहरगइयाँ, मनकहरी इत्यादि।

रीवां क्षेत्र : उकठिहा, बदरौंहा, चौधरी, कोल, पटेल, चन्द्रनऊ, तमरहा, लिपनिहा, बदरिहा आदि।

जबलपुर क्षेत्र : उसरेठी, चन्द्रोही, गहोई, परचैयां, चन्द्रवंशी, सनोढिया, चन्द्रौल, सिंगौर इत्यादि।

ग्वालियर क्षेत्र : पटेल, कनौजिया, गंगवार, कटियार, मराठा आदि।

सागर क्षेत्र : गहोई, सन्टोरा, हवेलिया, उसरेठे, कुलमी, पटेल, चौधरी आदि।

दामोह क्षेत्र : चंद्रवंशी, सनोढिया, पटेल, कूर्मि, उसरेठी, कुसमरिया आदि ।

धार क्षेत्र : पाटीदार व अन्य।

सिवनी क्षेत्र : सनोढिया, गहलोत, पटेल, वर्मा, सिसोदिया, गुमाश्ता, चौधरी, सिंगौर, चन्दौल आदि।

छिंदवाड़ा क्षेत्र : सनोढिया, पटेल, उसरेठे आदि।

बैतूल – होशंगाबाद क्षेत्र : परिहार, परमान, चौहान, चौधरी, महलहा, गौर, वर्मा आदि।

मण्डला क्षेत्र : हिलोरे (बघेल, पटेल) उसरेठे, सिंगरौल, सिंगौर, सचान, गहवई, चन्द्रौल आदि।

उज्जैन क्षेत्र : कनौजिया, महतो, जयसवार, कटियार, गौर, चौधरी, गंगवार, पटेल, पाटीदार आदि।

3. उत्तरप्रदेश राज्य –
बैसवार, बरदिया, भारती, गंगवार, जयसवार, कनौजिया, खरविन्द, पतरिहा, सैथवार, सिंगरौर, सिंगरौल, चनऊ, पटनवार, अथरिहा, अवधिया, सैचवार, चन्द्रौल, चंदेल, चंदौर, पातालिया, सचान, उत्तम, महतो, निरंजन, कटियार, यदुवंशी, राठौर, रावत, वंशवार, मनवा, सिंह, वर्मा, पटेल, चौधरी, आर्य आदि।

4. राजस्थान : गहलोत, गंगवार, कटियार, सैनी, गहवई वर्मा, सचान, चौधरी, पटेल, गायकवाड़, राउत, राय, आर्य, आंजणा, पाटीदार, कुलभी, कनौजिया कूर्मि इत्यादि।

5. तामिलनाडु : रेड्डी, कापू, तैलंग, सिंह, वोक्कालीगरा, मराठा इत्यादि।

6. हरियाणा: पटेल, वर्मा, चौधरी, कूर्मि इत्यादि।

7. दिल्ली: गंगवार, जयसवार, सिंह, कूर्मि, राही इत्यादि।

8. बिहार राज्य : जयसवार, अवधिया, मंडल, महतो, सिंह, प्रसाद, राव, राम, चौधरी, राय, गुप्ता, चन्देल, समसवार, रमैया, लाल, पटेल, मंगल, तैलंग, सरदार, केवर्त, सिन्हा, धानुक, वर्मा, रावत, विश्वास, शरण, दोजवार, सैंठवार, छोड़चढ़े, पाटनवार, व्याहुत, मथुरवार, बड़वार, शंखवार, बसरियार, टिंडवार, कुमार, निरंजन, भगत।

9. उड़ीसा राज्य : प्रधान, रावत, महन्ती, नायक, राय, पटनायक, जेना, राव, मालिक, मूलिक, सेनापति, महानायक, सिंह बाहूबलेन्द्र, गणनायक, महारथी, महंत, पटेल इत्यादि ।

10. महाराष्ट्र राज्य : मराठा, कणवी, कुर्म, कुणवी, कुनबी,चौहान, नायक, घोरचड़े, घोपड़े, पटेल, पाटीदार, तिरोले, गुजर, माना, परदेशी, रावत, सचान, चौधरी, कश्यप, सिंह, देसाई, भोसले, पवार, पाटिल, देशमुख, काकड़, शिन्दे, राठौर, साठे, धोंगड़े, जाधव, गायकवाड़, चव्हाण, सावंत, काले, देशमुख, गोले, राव, शंखपाल , दाभाड़े आदि।

11. गुजरात राज्य : पटेल, पाटीदार, कणवी, अमीन, अंजना, मतिया, चिखालिया, यादव, चौहान, राठौड़, सोलंकी, परमार, जरमाल, भोवत, सिंह, लेवा, कणवी, लत्वा, कछवाहा, कड़वा, कुनबी, हसवार, कुनोवर, शंखवार, मतवार, कश्यप, जैसवार, धनुक आदि।

12. पश्चिम बंगाल राज्य : पश्चिम बंगाल में कूर्मि जाति के लोग महतो, चौधरी, देव, मेहता इत्यादि उपनाम से जाने जाते है। बंग्लादेश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा कूर्मि – टोला कहलाता है। निश्चित तौर पर प्राचीन काल में वहाँ पर कूर्मि जातियों की बाहुलता रही होगी।

13. झारखंड राज्य : राज्य में कूर्मि समाज के लोग महतो, मेहता, सिंह, चौधरी, कूर्मि, सिन्हा, चंदेल, जायसवार, रमैया, राउत, मण्डल इत्यादि उपनाम से जाने जाते है।

14. असम : चाय उत्पादन के लिये उत्तरप्रदेश तथा बिहार के कूर्मि जाति के कृषक बंधु लोग असम में जाकर बस गये। असम में मूल रूप से कूर्मि परिवार निरंक है परन्तु अन्य राज्य से आकर बसे लगभग 7 प्रतिशत जनसंख्या कूर्मि जातियों की है। वे लोग मुख्य रूप से कूर्मि, चौधरी, महतो आदि उपनाम लिखते है।

15. आंध्रप्रदेश : रेड्डी, राव, नायडू, बोंगले, रामाराव, रंगैया, मूर्ति, वर्मा, भूपाल, चौधरी, सिंह, पटेल, सेट्ठी, नायडू, कापू, देसुरी, कापलू, पंकति, वेलम्मा, पंत कालपू, पिल्ले, कुति, तरपूकापू, तेलगा,मुनरू कापू इत्यादि।

16. कर्नाटक : रेड्डी, गौड़ा, नायडू, चौधरी, रमाया, याधव, शिंदे, पवार, सावंत, घाटगे, चंवर, सिंधिया, वोक्कालीगरा इत्यादि ।

17. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह : कूर्मि इत्यादि।

18. गोवा : गौड़, वेलिप, गांवकर, कुनवी, गावड़े, तवडकर, कूर्मि इत्यादि।

19. हिमाचल प्रदेश : पटेल, कुरमी, कूर्मि इत्यादि।

20. केरल : कुदम्बी, भास्करन, रामचन्द्रन, रवीन्द्रन, रामन, सुब्रमनियन इत्यादि।

21. उत्तराखण्ड : बैसवार, बरदिया, भारती, गंगवार, जयसवार, कनौजिया, खरविन्द, पतरिहा, सैथवार, सिंगरौर, सिंगरौल, चनऊ, पाटनवार, अथरिहा, अवधिया, सैचवार, चन्द्रौल, चंदेल, चंदौर, पातालिया, सचान, उत्तम, महतो, निरंजन, कटियार, यदुवंशी, राठौर, रावत, वंशवार, मनवा, सिंह, वर्मा, पटेल, चौधरी, आर्य आदि।

22. तेलंगाना : रेड्डी, राव, नायडू, बोंगले, रामाराव, रंगैया, मूर्ति, वर्मा, भूपाल, चौधरी, सिंह, पटेल, सेट्ठी, नायडू, कापू, देसुरी, कापलू, पंकति, वेलम्मा, पंत कालपू, पिल्ले, कुति, तरपूकापू, तेलगा, मुनरू कापू इत्यादि।

प्रदेशवार कूर्मियों के संबंध में विस्तृत जानकारी 2019 के अंक में देखें

समस्त स्वजातीय बंधुओं को सादर नमन्...

कूर्मि संतोष सिंगरौल
युवा नेता
ग्राम पंचायत खैरी
मो. : 08435064067

कूर्मि प्रमोद कौशिक
सरपंच
ग्राम पंचायत करनकापा
मो. : 09893751308

तहसील-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) 495330

कूर्मि एकीकरण में संलग्न स्वजातियों का हार्दिक अभिनंदन

वर्मा फोटोकॉपी एवं कम्प्यूटर सेन्टर
हाई कोर्ट, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रो. - ओम (ओमिशा) वर्मा
मो. : 8962799526

कूर्मि बी. आर. वर्मा
प्राचार्य
क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केन्द्र,
बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 8085427356

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

6

विक्रम संवत् 2075
शक संवत् 1940

जून - 2018

गरीबों की सेवा में आप ईश्वर की प्रार्थना से ज्यादा संतोष पाते हैं ।
- सरदार वल्लभभाई पटेल

ग्रीष्म ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ बुवाई पूर्व जुताई कार्य करें ताकि डाले गए कार्बनिक खाद का मृदा में उचित मिश्रण हो सकें। ❖ नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर रोपणी बना लेवें। ❖ मेड़ों पर उगे हुए पौधों को नष्ट कर दें, जिससे कीड़े तथा रोग पैदा करने वाले सूक्ष्म जीव तथा खरपतवार बीज सहित नष्ट हो जाते हैं। ❖ सब्जियों की पौधशाला हेतु क्यारी निर्माण, भूमि उपचार एवं क्यारियों में बीजों की बुवाई करें। ❖ बरसात की फसल हेतु कद्दूवर्गीय सब्जियों के बीजों की बुवाई करें। ❖ सोयाबीन एवं अरहर के लिए जमीन की तैयारी कर बुवाई करें। ❖ दलहनी फसलों को बुवाई के पूर्व फफूंद दनाशक दवा एवं राईजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें। ❖ धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डालकर, ठोस बीजों का चुनाव करें तथा चयनित बीजों को दो बार स्वच्छ पानी से धोकर फफूंदनाशक साफसुपर/कार्बेडाजिम (2 ग्रा./ली.) से उपचारित कर बोयें। ❖ टमाटर, मिर्च, बैगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करें। ❖ धान के नींदा नियंत्रण हेतु बोता धान में अंकुरण पूर्व आक्जाडार्जिल / पाइराजोसल्फुरान इथाइल / ब्यूटाक्लोर / पेन्डीमेथिलिन का प्रयोग करें। ❖ भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। धान की कतार बोनी तथा खुर्रा बोनी करें। ❖ भिंडी एवं बरबट्टी की बुवाई जून के अंतिम सप्ताह में करें। ❖ कोचई के पत्ते पीले पड़ने पर कोचई की खुदाई कर भण्डारण करें। ❖ नर्सरी में खरीफ प्याज की बुवाई करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 18, 21, 23, 25, 27, 28
गृह प्रवेश - 22, 25, 29, 30

मूल
ता. 30 मई रात्रि 00.56 मि.से ता 1 प्रातः 5.53 मि. तक
ता. 8 रात्रि 11.03 मि. से ता. 10 रात्रि 10.30 मि.तक
ता. 17 प्रातः 6.21 मि.से ता. 19 रात्रि 2.47 मि. तक
ता. 26 प्रातः 7.08 मि. से. ता. 28 दोप. 12.22

पंचक
ता. 5 प्रातः 4.35 मि. से ता. 9 रात्रि 11.11 मि. तक

सोम MONDAY	शासकीय अवकाश 16 ईद-उल-फितर 28 कबीर जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 6 4	ज्येष्ठ कृष्ण 12 11 प्रदोष व्रत	ज्येष्ठ शुक्ल 5 18 महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 12 25 प्रदोष व्रत
मंगल TUESDAY	ऐच्छिक अवकाश 15 जमात-उल-विदा 16 छत्रसाल जयंती / महाराणा प्रताप जयंती 22 महेश नवमी	ज्येष्ठ कृष्ण 6 5 विश्व पर्यावरण दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 13,14 12	ज्येष्ठ शुक्ल 6 19	ज्येष्ठ शुक्ल 13 26 अन्तर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस बड़ा महादेव पूजन
बुध WEDNESDAY	याददाश्त	ज्येष्ठ कृष्ण 7 6	ज्येष्ठ कृष्ण 15 13 अमावस्या	ज्येष्ठ शुक्ल 7 20	ज्येष्ठ शुक्ल 14 27 वट पूर्णिमा व्रत
गुरु THURSDAY		ज्येष्ठ कृष्ण 8 7	ज्येष्ठ शुक्ल 1 14 विश्व रक्तदान दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 8 21 विश्व संगीत दिवस विश्व योग दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 15 28 ज्येष्ठ पूर्णिमा कबीर जयंती
शुक्र FRIDAY		ज्येष्ठ कृष्ण 3 1 बाल सुरक्षा दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 9 8 अचला एकादशी	ज्येष्ठ शुक्ल 2 15 जमात-उल-विदा चन्द्र दर्शन	ज्येष्ठ शुक्ल 9 22 महेश नवमी	आषाढ़ कृष्ण 1 29 गुरु हरगोविंद जयंती मधुमेह जागृति दिवस
शनि SATURDAY		ज्येष्ठ कृष्ण 4 2 संकष्टी चतुर्थी	ज्येष्ठ कृष्ण 10 9 बिरसामुंडा शहीद दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 3 16 छत्रसाल जयंती महाराणा प्रताप जयंती ईद-उल-फितर	ज्येष्ठ शुक्ल 10 23 गंगा दशहरा	आषाढ़ कृष्ण 2 30
रवि SUNDAY		ज्येष्ठ कृष्ण 5 3	ज्येष्ठ कृष्ण 11 10 परम एकादशी	ज्येष्ठ शुक्ल 4 17	ज्येष्ठ शुक्ल 11 24 वीरांगना दुर्गावती का बलिदान दिवस निर्जला एकादशी	

Mahindra Rise.
डॉ. निर्मल नायक
मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

शाखा : नेचर सीटी के सामने, उसलापूर, मो : 9977670000
शाखा : शारदा चौक, पथरिया, मो : 9826134403

ARIHAAN DENTAL CARE
Comprehensive Oral Health
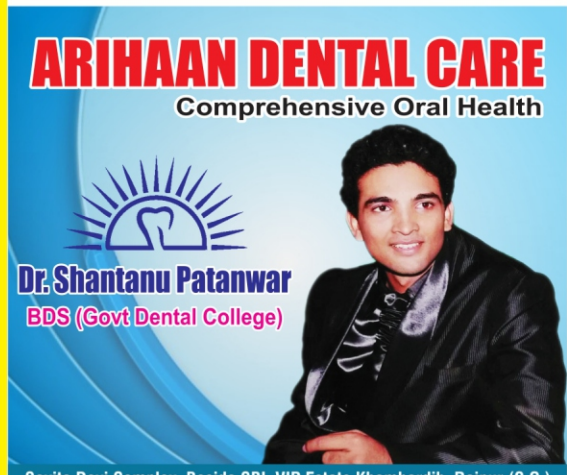
Dr. Shantanu Patanwar
BDS (Govt Dental College)
Savita Devi Complex, Beside SBI, VIP Estate Khamhardih, Raipur (C.G.)
Ph. 07714011454, Mob. 8085918172 e-mail : shan4u26@gmail.com

स्वच्छ भारत , निर्मल भारत...

पं

कूर्मि बी. आर. सिंगरौल
प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष
बिलासपुर (छ.ग.)
निवास : जोरापारा, ग्रा. व पो. मोछ
तह. तखतपुर जिला-बिलासपुर
विधानसभा-तखतपुर
मो. : 9575914050
कूर्मि रूपचंद सिंगरौल
सरपंच,
ग्राम पंचायत-गिरधौना
निवास : ग्रा. व पो. गिरधौना
तह. तखतपुर जिला-बिलासपुर
विधानसभा-तखतपुर
मो. : 09617902421

अंकुर
बच्चों का अस्पताल
कूर्मि डॉ. मनोज कुमार चन्द्रा
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
रजि. नं. CGMC 753 / 2007
कूर्मि डॉ. रीतिका चन्द्रा
एम.बी.बी.एस.
बेबी रीद्धिमा चन्द्रा
मिश्रा कॉम्पलेक्स, सरला विला के बगल में चक्रधर नगर चौक, रायगढ़ (छ.ग.) मो. 7489041135

विश्व पर्यावरण दिसव की शुभकामनाएँ

कूर्मि प्रदीप कौशिक
पूर्व सदस्य, छ.ग.राज्य बाल संरक्षण आयोग, छ.ग. शासन
जिलाध्यक्ष-चन्द्रनाहू कूर्मि-क्षत्रिय समाज, बिलासपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष-छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. 9893751308

कूर्मि श्रीमती नूरीता कौशिक
अध्यक्ष, जनपद पंचायत तखतपुर
प्रदेशाध्यक्ष, महिला युवा प्रकोष्ठ,
छ.ग. पिछड़ा वर्ग महासभा

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

जून-2018

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान

शंका 1 - देश में कूर्मि का प्रथम संगठन कब और किन परिस्थितियों में बना ?

समाधान : प्रोविन्सियल सर्कुलर 1894 (सरकारी) के अनुसार Kurmi as a "Depressed Community" and Barred then from Recruitment in to Police Service.अर्थात पुलिस की नौकरी में कूर्मियों की भर्ती पर रोक लगा दी गयी। इसी पुलिस-भर्ती पॉलिसी का विरोध करने हेतु कूर्मि जाति का प्रथम संगठन ''Kurmi Community Association'' लखनऊ में बनाया गया तथा इस पॉलिसी के खिलाफ अभियान चलाया गया।

शंका 2 - कूर्मि के साथ क्षत्रिय (कूर्मि-क्षत्रिय) कैसे और कब जोड़ा गया ?

समाधान : 1894 में गठित कूर्मि-एसोसिएशन ने देखा कि कूर्मि के पिछले कार्यों, जिसमें अनेक अवसर पर कृषि कार्य के साथ ही युद्ध में भागीदारी निभायी जाती रही, फिर भी पुलिस विभाग में भर्ती के लिए आंदोलन चलाना पड़ा तब सफलता मिली। अत: भविष्य में पुन: ऐसे संकट से बचने की दृष्टि से 1901 की जनगणना में कूर्मि जाति को 'क्षत्रिय' की श्रेणी में रखने हेतु एसोसिएशन द्वारा अभियान चलाया गया।

शंका 3 - अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा की स्थापना कब हुई ?

समाधान : कूर्मि एसोसिएशन का गठन लखनऊ में किये जाने के पश्चात कूर्मि को क्षत्रिय की श्रेणी में रखने का अभियान चलाया गया। इस अभियान को निरन्तर व्यापक रूप देने हेतु 1894 में कूर्मि एसोसिएशन को 1910 में ''अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा'' नाम पर संशोधित किया गया ।

शंका 4 :- कूर्मि समुदाय द्वारा कहीं पर कूर्मि व कहीं कुर्मी लिखा जाता है, इसमें से कौन सा शब्द सही है?

समाधान - कूर्मि समुदाय द्वारा लिखे जाने वाले शब्द कूर्मि के संबंध में निम्नानुसार तथ्य हैं-

1. कूर्मि शब्द संस्कृत के कूर्म धातु से बना है, जिसका अर्थ कू + रमी। कू अर्थात् भूमि, पृथ्वी तथा रमी अर्थात् रमन करने वाला अथवा भूमिपति / राजा। कूर्मि वह जाति का द्योतक है, जिसका कर्मक्षेत्र भूमि है।

2. कूर्मि- कु अर्थात् पृथ्वी और उर्मि अर्थात् गोद। इस प्रकार कूर्मि शब्द से तात्पर्य है पृथ्वी की गोद में पलने वाला पृथ्वीपुत्र। कहा भी गया है- भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूं। कूरम -कु अर्थात् पृथ्वी और रम अर्थात् पति या वल्लभ। अत: कूरम शब्द का अर्थ है भूपति या पृथ्वीपति जो कि क्षत्रिय शब्द का पर्यायवाची है। कहा गया है- क्षेत्रात् रमते स: क्षत्रिय:।

3. व्याकरण की दृष्टि से कूर्म शब्द में इनि (इन्) प्रत्यय लगाने से ''कूर्मिन'' शब्द बनता है। कूर्मिन से प्रथमा विभक्ति के एक वचन में पुल्लिंग कूर्मि शब्द बनता है, जो कि अत्यंत प्राचीन तत्सम रूप है। कालान्तर में कूर्मि का अपभ्रंश अर्थात् तद्भव रूप या बोलचाल में कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडमी, कालबी होता गया।

अत: कूर्मि शब्द व्याकरण सम्यक तत्सम रूप है और उसका अपभ्रंश अर्थात् तद्भव रूप या बोलचाल में कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडबी, कालबी शब्द है।

शंका 5- 'छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच' की स्थापना कब हुई ? और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी?

समाधान : इसकी स्थापना 18 अप्रैल 1993 को परमपूज्य स्वामी वेदानंद सरस्वती जी के सानिध्य में हुई। प्रदेश में व्याप्त फिरका वाद और उसकी पृथक-पृथक ताकत को एकीकृत करना, साथ ही रचनात्मक, वैज्ञानिक चिंतन तथा सम्पूर्ण विकास हेतु सामाजिक चेतना का संचार करने हेतु सर्वमान्य मंच के रूप में चेतना मंच की स्थापना की गई है ।

शंका 6- कूर्मि समाज का क्षत्रिय होने का प्रमाण क्या है ?

समाधान : जहाँ तक कूर्मि क्षत्रिय जाति का इतिहास का प्रश्न है, तो उसका इतिहास भी उतना ही पुरातन है, जितना कि आर्यों में प्रचलित वर्ण-व्यवस्था, जो कि प्रारम्भ में व्यक्ति के कर्म पर आधारित थी पर बाद में हिन्दू-समाज में जन्म जात बन गयी।

ऋग्वेद 1/27 में ''**कूर्मो गार्त्सभदो गृत्ससदो वा ऋषि:**'' के अनुसार राजर्षि कूर्म सुप्रसिद्ध वैदिक ऋषि गृत्सभद के सुपुत्र थे। स्पष्ट है कि कूर्मि ऋषि के वैदिक ऋषि होने से कूर्मिवंश वेद कालिक प्रतीत होता है। वेद, शतपथ ब्राम्हण, स्कन्द पुराण और अन्य प्रागैतिहासिक ग्रन्थों से कूर्मि तथा जब से जातियाँ बनी थी तब से कूर्मियों का पुरातन काल से अस्तित्व, और क्षत्रियत्व प्रतिभाषित होता है। कालान्तर में कूर्मि जाति उस सभ्यता की जनक रही है, जिसने कृषि की खोज कर और अपनाकर आर्य जाति को यायावर अवस्था से स्थिर जीवी में परिणत किया। प्राचीन ऋषिजीवन भी कृषि जीवन की ही देन थी। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद के सारे ज्ञान-विज्ञान की जड़ें इसी कृषि-क्रांति में निहित है। आर्यों के पूज्यतम् देवराज इन्द्र थे, जिन्हें अनेक वैदिक मंत्रों में 'तुवि कूर्मि' अर्थात महान पराक्रमी कर्मयोगी कहा गया है। ऋग्वेद में 'कूर्मि' शब्द का प्रयोग इन्द्र की कीर्ति बढ़ाने के अर्थ में किया गया है।

कूर्मि जाति के आदि पूर्वज कूर्म क्षत्रिय थे। कूर्म और कूर्मि शब्द का अस्तित्व वेद, पुराण तथा शास्त्रों आदि सभी ग्रंथों में मिलता है। इन शब्दों की व्याकरण सम्मत व्याख्या करते हुए वेदों के भाष्कर सायणाचार्य लिखते हैं:-

कूर्म: (रसो वीर्य तेजा वा) अस्ति अस्य इति कूर्मि=रसवान, वीर्यवान, तेजवान, कूर्मि अर्थात जिसके पास जीवन रस, वीर्यबल तथा तेजस्विता रहती है, वही कूर्म है।

कूर्म: (प्राणी बलं क्षत्रं राष्ट्र वा) अस्ति इति कूर्मि= प्राणवान, बलवान, क्षत्रि (छत्रपति), राष्ट्री (राष्ट्रपति), कूर्मि अर्थात जिसके अधिपत्य में प्राण, बल, क्षत्र, (क्षत्रियत्व अथवा राष्ट्रपतित्व) है, वही कूर्मि है।

कूर्म: (भारत वर्ष देशों) अस्ति अस्य इति कूर्मि अर्थात कूर्म नामक भारतवर्ष जिसके अधिपत्य में हो वही कूर्मि है।

भाष्कर सायणाचार्य की उपयुक्त व्याख्याओं से भी स्पष्ट है कि यह 'कूर्मि या कुर्मी शब्द उत्कृष्ट वैदिक कालिक क्षत्रियों का ही बोधक तथा समानार्थी है, जो कूर्मि जाति का भी वैदकालिक क्षत्रिय जाति का बोधक है। वैदिक मंत्रों तथा पुराणों में कूर्मि को महान पराक्रम कर्मयोगी कहा गया है।

यथा-

क्षत्रियै कूर्म शौन को।-श्लोक 41

कूर्मि संज्ञां लभन्ते, क्षत्रिया: कूर्म वंशज:। -श्लोक 56 - लघु नारदीय उपपुराण, चन्द्रवंशी राजर्षिवर्मन।

वैदिक काल तीन और पौराणिक काल के चार वर्णों में क्षत्रिय एक वर्ण समान रूप से है, और क्षत्रिय समुदाय में कूर्मि जाति एक कूर्मि संज्ञा है। कहीं-कहीं कूर्मि के स्थान में कुरम शब्द प्रयुक्त होता है, सो भी समुचित ही है। अत: ***को भुव: वल्लभ: पतिर्वा कुरम:- पूवल्लभ: भूपतिर्वा***। स्पष्ट है कि कूर्मि शब्द क्षत्रिय की समुचित संज्ञा है अर्थात जिन कुलों में कूर्मि उत्पन्न हैं अथवा जो कुल कूर्मि समुदाय में अद्यावधि वर्तमान है, वे क्षेत्र अर्थात क्षत्रिय कुल हैं।

शंका 7- कूर्मि समुदाय अपने साथ 'क्षत्रिय' शब्द लिखता है; तो फिर यह समुदाय आरक्षित वर्ग के अंतर्गत क्यों आता है?

समाधान : आरक्षण व्यवस्था को समझने के लिए हमें इसके मूल कारण को समझने की आवश्यकता है, कि आरक्षण क्या है? वास्तव में आरक्षण किसी वर्ग विशेष को अवसर प्रदान करने का एक माध्यम मात्र है। वर्तमान आरक्षण व्यवस्था हजारों साल से चली आ रही सामाजिक असमानता व अवसर विहिनता को समाप्त कर वंचित व विकास में पिछड़े समुदाय को गुणोत्तर अवसर प्रदान कर उसे प्रतिनिधित्व (भागीदारी/अवसर) प्रदान करने की सरलीकृत व्यवस्था है, जिसे बोलचाल में आरक्षण के नाम से जाना जाता है ।

अवसरवादी व एकाधिकारवाद रखने वाले लोग आरक्षण को गलत व्याख्या करते हुए इसे जन सामान्य में भ्रम पैदा कर दिए हैं। वास्तव में आरक्षण केवल व केवल अवसर विहिन एवं वंचित तथा विकास में पिछड़े समुदाय को उत्तरोतर अवसर प्रदान करने की सरल प्रक्रिया मात्र है ।

पूर्व काल में मुगलों के अत्याचार व अधीनता न स्वीकार कर कूर्मि क्षत्रिय समुदाय द्वारा युद्ध/रक्षा कार्य में जोखिम तथा कम अवसर होने के कारण कृषि कार्य को अपना लिए। कृषि कार्य में लगे होने के कारण शैक्षणिक व सामाजिक विकास से लगातार पिछड़ते गए। स्वतंत्र भारत में संविधान के अनुच्छेद 15.5 एवं 16.4 के अंतर्गत शैक्षणिक व सामाजिक रूप से पिछड़े समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए विशेष संरक्षण दिया गया । इसी के क्रम में कूर्मि क्षत्रिय समुदाय को उनके तात्कालिक सामाजिक परिस्थिति के आधार पर पिछड़े वर्ग/समुदाय में शामिल किया गया। अत: उपरोक्त व्याख्या से स्पष्ट है कि कूर्मि समुदाय के शैक्षणिक व सामाजिक उन्नयन को दृष्टिगत रखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया ।

पौराणिक उदाहरण:- जो ब्राह्मण, क्षत्रिय या वैश्य वेदों का अध्ययन और पालन छोड़कर अन्य विषयों में ही परिश्रम करता है, वह शूद्र बन जाता है। -मनुस्मृति 2/168

देश के अलग-अलग भौगोलिक हिस्से में कूर्मि समाज को सामाजिक और शैक्षणिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अन्य पिछड़े वर्ग/ अनुसूचित वर्ग के अंतर्गत लिया गया है, ताकि समुदाय का समुचित शैक्षणिक व सामाजिक विकास हो सके।

वर्तमान उदाहरण:-

1. छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश तथा अन्य राज्यों में कूर्मि समाज को अन्य पिछड़े वर्ग में शामिल किया गया है।
2. पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जन जाति वर्ग के अंतर्गत शामिल किया गया है।
3. झारखण्ड राज्य में कूर्मि समाज को वर्तमान में अन्य पिछड़े वर्ग के अंतर्गत है, जबकि 1931 के पूर्व झारखण्ड के कूर्मि समुदाय अनुसूचित जन जाति वर्ग अंतर्गत शामिल था।

शंका 8-भारत देश में आरक्षण व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई?

समाधान :-समाज में व्याप्त हजारों साल से असमानता एवं छूआछूत व अन्य अप्राकृतिक असमानता को समता मूलक समाज में बदलने तथा सब को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भारत के संविधान के अनुच्छेद 330, 332, 334 अंतर्गत प्रतिनिधित्व की व्यवस्था अंतर्गत विशेष संरक्षण दिया गया; जिसे वर्तमान समय में आरक्षण के नाम से जाना जाता है । जैसे कि प्रत्येक माता-पिता अपने प्रत्येक संतान को संपत्ति में बराबर हिस्सा तथा उनके खान-पान, इलाज आदि की संमुचित व्यवस्था करता है ।

शंका 9-क्या कूर्मि समाज में कार्यरत सभी संगठनों को संविलियन किया जाना औचित्यपूर्ण है ?

समाधान : प्रत्येक संगठन का कार्य करने का तरीका, कार्य योजना, क्रियान्वयन एवं उसकी प्राथमिकताएँ पृथक-पृथक होती हैं किन्तु फिर भी कूर्मि समाज का उत्थान ही उसके मूल में है। जब समग्र कूर्मि एकता की बात आती है तब सभी साथ होते हैं। किसी एक संगठन के कार्यक्रमों में दूसरे सभी संगठनों की भी भागीदारी रहती है। प्रत्येक संगठन अपनी विशेषज्ञता के आधार पर कार्यक्रमों का संचालन करते हैं, जिसमें समाज के सदस्यों की सहभागिता होती है।

समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता, उदासीनता व अनेक विसंगतियों को दूर करना केवल एक ही संगठन अथवा व्यक्ति द्वारा त्वरित परिणाम के लिए संभव नहीं है ।

क्रमश:

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि डॉ. खूबचंद बघेल
जन्म : 19 जुलाई 1900,
निर्वाण : 22 फरवरी 1969

छत्रपति शाहू जी महाराज
जन्म : 26 जुलाई 1874,
निर्वाण : 6 मई 1922

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

7

विक्रम संवत् 2075
शक संवत् 1940

जुलाई - 2018

समान प्रसवात्मिका जातिः ।
अर्थात् उत्पत्ति का प्रकार एक जैसा हो, वह एक जाति है।
-न्याय सूत्र

ग्रीष्म / वर्षा ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ नए फलदार वृक्षों को लगाने का कार्य आरंभ करें। ❖ केले के पौधे की रोपाई का कार्य आरंभ करें। ❖ सब्जियों के तैयार पौधों का रोपण करें। ❖ सेवंती के नए सकर्स से कटिंग कर पौध तैयार करें, गेंदा के पौध तैयार करें। ❖ धान की रोपाई कतार में करें, इससे कृषि कार्य में सहायता होती है तथा पौध संख्या पर्याप्त रहती है। ❖ रोपा धान में नींदानाशक अंकुरण पूर्व पाइरेजोसल्फूरॉन / ऑक्जिडायर्जिल / एनीलोफॉस / ब्यूटाक्लोर / पेन्डीमेथेलिन का छिड़काव करें। ❖ खरपतवार नाशी दवा का छिड़काव फ्लैटफैन नोजल द्वारा करें। ❖ सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व एलाक्लोर / पेनडीमेथिलिन / मैट्रीबुजिन का छिड़काव अनुशंसित मात्रा में करें। ❖ पशु पालक, नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दें। ❖ उकठा ग्रसित क्षेत्रों में अरहर के साथ ज्वार की मिलवाँ खेती करने से अरहर में उकठा (विल्ट) रोग कम लगता है। ❖ नर्सरी तैयार होने के उपरांत टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की रोपाई करें। ❖ अदरक, हल्दी, भिण्डी एवं बरबट्टी की निदाई-गुड़ाई एवं पानी न गिरने पर सिंचाई की समुचित व्यवस्था करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 5, 10, 11
गृह प्रवेश - 5

मूल
ता. 6 प्रातः 6.55 मि. से ता. 8 प्रातः 7.39 मि. तक
ता. 14 सायं 4.07 मि. से ता. 16 प्रातः 11.13 मि. तक
ता. 23 रात्रि 00.54 मि. से ता. 25 सायं 6.22 मि. तक

पंचक
ता. 2 प्रात : 11.09 मि. से ता. 7 प्रातः 7.41 मि. तक
ता. 29 सायं 5.07 मि. से ता. 3 अग.दोप.2.26 मि. तक

सोम MONDAY	श्रावण कृष्ण 2 **30**	आषाढ़ कृष्ण 4 **2** रघुबर चन्द्राकर जयंती	आषाढ़ कृष्ण11 **9** योगिनी एकादशी	आषाढ़ शुक्ल 4 **16** कर्क संक्रांति	आषाढ़ शुक्ल 11 चन्द्रशेखर आजाद जयंती **23** देवशयनी एकादशी
मंगल TUESDAY	श्रावण कृष्ण 3 **31** मुंशी प्रेमचंद जयंती	आषाढ़ कृष्ण 5 **3**	आषाढ़ कृष्ण 12 **10** प्रदोष व्रत	आषाढ़ शुक्ल 5 **17**	आषाढ़ शुक्ल 12 **24** प्रदोष व्रत
बुध WEDNESDAY	ऐच्छिक अवकाश 14 रथ यात्रा 19 डॉ. खूबचंद बघेल जयंती याददाश्त	आषाढ़ कृष्ण 6 **4**	आषाढ़ कृष्ण 13 **11** विश्व जनसंख्या दिवस	आषाढ़ शुक्ल 6 **18**	आषाढ़ शुक्ल 13 **25**
गुरु THURSDAY		आषाढ़ कृष्ण 7 **5**	आषाढ़ कृष्ण 14 **12** दर्श अमावस्या	आषाढ़ शुक्ल 7 **19** डॉ. खूबचंद बघेल जयंती	आषाढ़ शुक्ल 14 **26** छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती
शुक्र FRIDAY		आषाढ़ कृष्ण 8 **6** श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती	आषाढ़ कृष्ण 15 **13** अमावस्या, सूर्य ग्रहण	आषाढ़ शुक्ल 8 **20**	आषाढ़ शुक्ल 15 **27** गुरु पूर्णिमा
शनि SATURDAY		आषाढ़ कृष्ण 9 **7**	आषाढ़ शुक्ल 1,2 **14** रथयात्रा	आषाढ़ शुक्ल 9 **21**	श्रावण कृष्ण 1 **28**
रवि SUNDAY	डाक्टर्स एवं सीए दिवस	आषाढ़ कृष्ण 3 **1** संकष्टी चतुर्थी	आषाढ़ कृष्ण 10 **8**	आषाढ़ शुक्ल 3 **15**	आषाढ़ शुक्ल 10 **22**	श्रावण कृष्ण 2 **29**

समस्त स्वजातीय बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन...
कूर्मि नरेन्द्र कुमार चन्द्रा
जिला शिक्षा अधिकारी
जिला-मुंगेली
कूर्मि श्रीमती कल्पना चन्द्रा
संभागीय कार्यकारिणी सदस्य
महिला प्रकोष्ठ
छ.ग.कू.क्ष.चेतना मंच

कूर्मि लोकेश चन्द्रा

कूर्मि मयंक चन्द्रा

कूर्मि तोखन चंद्राकर
समस्त स्वजातीय बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन...

कूर्मि रानी चंद्राकर
चंद्राकर प्रोविजन स्टोर
गणेश चौक, नेहरु नगर,
बिलासपुर

कूर्मि भरत कश्यप

श्रीमती ममता कश्यप
पार्षद-वार्ड क्रमांक 05
अयोध्या नगर, न.पा.नि., बिलासपुर
श्री साँई कन्सलटेन्सी
गांधीनगर चौक (अमेरी रोड) नेहरू नगर बिलासपुर (छ.ग.) 495001

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग-2018 के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ
विरंची सेल्स
विरंची मंदिर के पास, ब्रम्हपुरी रायपुर (छ. ग.)
Ph.: 0771-4045023 Mo-94252-13407, 99264-73407

प्रो. किशोर चन्द्राकर
डीलर : ड्रीप, स्प्रींकलर, पावर ट्रीलर, रोटोवेटर, सीड ड्रील, पंपसेट एवं अन्य कृषि यंत्र
संबंधित प्रतिष्ठान
चन्द्राकर कृषि सेवा केन्द्र-कोसरंगी
प्रो. राजेश चन्द्राकर, मो. 9993189626
हरियर एग्रो
प्रो. कांती चन्द्राकर, मो. : 9424222141
चन्द्राकर पोल्ट्री फार्म-भड़हा
प्रो. चिन्तामणी चन्द्राकर, मो. 9893074598
संध्या मेडिकल स्टोर्स-कोसरंगी
प्रो. अरूण चन्द्राकर, मो. 9981696306
हमारे प्रेरणास्त्रोत डॉ. केजुराम चन्द्राकर - भड़हा वाले

छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर हार्दिक बधाई

डॉ. बुधेश्वर प्र. सिंगरौल
सहायक प्राध्यापक
केन्द्रीय वि. विद्यालय,बिलासपुर
9827400548

अर्चना सिंगरौल
ब्याख्याता-1
प्रदेश कार्या.स.(म.प्रको.)
छ.ग.कू.क्ष.चे.मंच

अर्चिता-सिंगरौल

अनंत कुमार सिंगरौल

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई

कूर्मि रत्ना कश्यप
कूर्मि आजु राम कश्यप
विजय कुमार कश्यप

MATS UNIVERSITY ready for life.....
मैट्स विश्वविद्यालय
मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा संस्थान

उपलब्ध पाठ्यक्रम
DCA, PGDCA, BCA, B.A, BSC, B.COM, BBA, MCA, MSC, M.COM, MA- (EDUCATION, HINDI & ENGLISH), MBA, AND MORE OTHER COURSES AVAILABLE .....

कूर्मि सुनील कौशिक
सचिव- सर्व कूर्मि समाज, तखतपुर
मो. : 7000641383
अधिकृत सूचना केन्द्र
डॉ. डडसेना क्लीनिक मंडली चौक, ब्लॉक रोड, तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
कूर्मि संतोष कश्यप
अध्यक्ष-चन्द्रनाहूं कुर्मी समाज, तखतपुर
मो. : 9009882640

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

जुलाई -2018

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान क्रमशः...

त्वरित व शीघ्र परिणाम के लिए सभी दिशा में समेकित लच्छित (integrated Intervention) प्रयास आवश्यक है । अतः सभी संगठन अपनी प्रकृति व कौशल के अनुरूप समाज हित के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य विभाजित करते हुए करें जिससे समाज में कम समय पर चहुमुखी विकास परिलक्षित हो ।

समाज विकास हेतु समाज कार्य को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाने के लिए स्थानीय संगठन का उपयोग कर बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं । इस कार्य से बिना किसी संगठन का स्वरूप परिवर्तन किये न केवल परिणाम मूलक कार्य किये जा सकते हैं बल्कि परस्पर प्रतिस्पर्धा किये बिना आसानी से प्रशिक्षित व दक्ष कार्यकर्ता समाज सेवा के लिए उपलब्ध होंगे ।

शंका 10- अलग-अलग समुदाय को विभिन्न प्रतिशत में आरक्षण की व्यवस्था क्यों है ?

समाधान:- हमारा संविधान प्राकृतिक न्याय व्यवस्था के सिद्वांत पर आधारित है अर्थात् आवश्यकता और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसूचित जाति, जन जाति और अन्य पिछड़े वर्ग को अनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रदान करता है। बराबरी/समानता और न्यायसंगत दोनों अलग-अलग पहलू है। इसे इस चित्र के माध्यम से समझ सकते हैं।

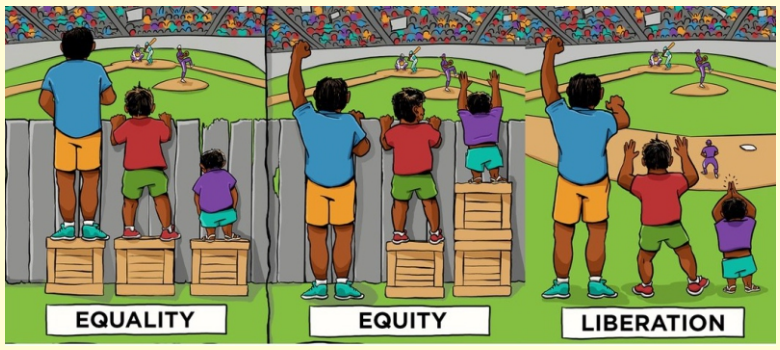

चित्र में वयस्क, किशोर एवं बच्चें को हाथा/दीवार के दूसरे हिस्से से मैच देखते हुए दिखाया गया है। चित्र के प्रथम भाग में सभी को समान संसाधन उपलब्ध कराने से बच्चा मैच देखने से वंचित हो जाएगा। चित्र के दूसरे भाग में आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराने से सभी लोग मैच का आनंद ले सकते हैं। वहीं चित्र के तृतीय हिस्से में बिना बाधा के सभी को समान अवसर दिखाया गया है। आरक्षण व्यवस्था भी इसी प्रकार समतामूलक समाज की स्थापना की भावना को ध्यान में रखकर लागू किया गया है, जिसके गलत व्याख्या से लोगों के मन में दूषित भावना पैदा कर अवसर छिनने का खेल आम जीवन में देखने को मिलता है।

शंका 11 क्या आरक्षण केवल दस साल तक के लिए लागू किया गया था?

समाधान : जो बार-बार कहते हैं कि आरक्षण 10 साल के लिए था, संविधान में 10 साल के आरक्षण की व्यवस्था है। आपको मुफ्त की खाने की आदत है इत्यादि। उसे प्रायः अनारक्षित समुदाय बुद्धिजीवी एवं मीडिया कर्मी फैलाते रहते हैं कि आरक्षण केवल दस वर्षों के लिए है, जब उनसे पूछा जाता है कि आखिर कौन सा आरक्षण दस वर्ष के लिए है तो मुंह से आवाज़ नहीं आती है। इस संदर्भ में केवल इतना जानना चाहिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के लिए राजनैतिक आरक्षण जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330 और 332 में निहित है, उसकी आयु और उसकी समय-सीमा दस वर्ष निर्धारित की गयी थी। नौकरियों में आरक्षण की कोई समय-सीमा सुनिश्चित नहीं की गयी थी। आरक्षण से जाति नहीं आयी, जाति से आरक्षण आया है। आइए जानें संविधान में आरक्षण/प्रतिनिधित्व की व्याख्या क्या है?

आरक्षण चार प्रकार का है-

1. राजनैतिक प्रतिनिधित्व /आरक्षण (पोलिटिकल रिजर्वेशन)
2. सेवाओं में प्रतिनिधित्व / आरक्षण (सर्विसेज का रिजर्वेशन)
3. शिक्षा में प्रतिनिधित्व / आरक्षण (प्रोफेशनल एज्युकेशन का रिजर्वेशन)
4. पदोन्नति/बढ़ोत्तरी में प्रतिनिधित्व / आरक्षण (रिजर्वेशन इन प्रमोशन)

❖ अनुच्छेद-330 लोकसभा का रिजर्वेशन है।

❖ अनुच्छेद- 332 विधानसभा रिजर्वेशन है।

❖ अनुच्छेद-334 में पोलिटिकल रिजर्वेशन की 10 वर्ष की लिमिटेशन है। सिर्फ पोलिटिकल रिजर्वेशन में ही हर दस साल बाद समीक्षा होनी चाहिए,का प्रावधान रखा गया था।

मूलभूतअधिकार-

❖ धारा- 15(4) ❖ धारा-16(4)

संविधान के मूल अधिकार अर्थात ❖ प्रोफेशनल एज्युकेशन रिजर्वेशन ❖ सर्विसेज का रिजर्वेशन ❖ प्रमोशन इन रिजर्वेशन, यह तीनों संविधान में मूल अधिकार है जिनकी कोई लिमीटेशन नहीं है। संविधान में (आरक्षण) का तात्पर्य सिर्फ प्रतिनिधित्व (Representation)से है ।

शंका 12- क्या आरक्षण केवल भारत देश में ही लागू है?

समाधान :- दुनिया के विभिन्न हिस्सों/ देशों में आरक्षण (Reservation / Affirmative Action) दिया जाता है। आजकल हमारे देश में आरक्षण (ओबीसी, एससी, एसटी) के विरोध में आंधी सी चल रही है। आरक्षण के खिलाफ बेहूदे और बेतुके तर्क किये जाते हैं। सबसे पहला तर्क होता है कि दूसरे देशो में आरक्षण नहीं दिया जाता इसलिये वे देश हमसे ज्यादा प्रगतिशील हैं; जो कि बिल्कुल गलत है। विदेशों में भी आरक्षण की पद्धति है। अमेरिका, चीन, जापान जैसे देशों में भी आरक्षण है और इसे ईमानदारी व सही नियत से दिया जाता है।

बाहरी देशों में आरक्षण को सकारात्मक कार्यवाही (Affirmative Action) कहा जाता है। सकारात्मक कार्यवाही का मतलब समाज के वर्ण तथा नस्लभेद के शिकार लोगों के लिये सामाजिक समता का प्रावधान प्रदान करना है।

1961 को संयुक्त राष्ट्र की बैठक में सभी प्रकार के वर्ण, नस्लभेद व रंगभेद के खिलाफ कड़ा कानून बनाया गया। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र में सम्मिलित सभी देशों ने अपने देश के शोषित वर्ग की मदद करके उन्हें समाज की मुख्यधारा में स्थापित करने का निर्णय लिया। इसी फैसले के तहत ही शोषितों और वंचितों को उठाने के लिए अलग-अलग देशों ने अपने-अपने तरीके से आरक्षण लागू किया है।

ऊपर वर्णित देशों जैसे अमेरिका, जापान और भारत इत्यादि के अलावा अन्य देशों ने भी आरक्षण दिया है; जिसका विवरण निम्नलिखित हैं :-

1. **पाकिस्तान**-हमारे पड़ोसी देश में बड़ी मुश्किल से 5 प्रतिशत अनुसूचित जातियाँ हैं, लेकिन उन्हें ईमानदारी से 6 प्रतिशत आरक्षण (प्रतिनिधित्व) दिया जाता है।
2. **दक्षिण अफ्रीका** - यहाँ के टीम में 4 अश्वेत खिलाड़ियों के लिए स्थान आरक्षित होता है ।
3. **अमेरिका** में सकारात्मक कार्यवाही के तहत अश्वेतों को आरक्षण मिला हुआ है। वहां की फिल्मों में भी अश्वेत कलाकारों का आरक्षण निर्धारित है। वहाँ कोई फिल्म या विभाग ऐसा नहीं मिलेगा; जिसमें अश्वेत (काले) न हों। अमेरिका ने तो आज से 155 साल पहले 4 मार्च 1861 को एक पिछड़े तबके के व्यक्ति, (अब्राहम लिंकन) को अपना राष्ट्रपति बना दिया था। अमेरिका के निवृत्तमान राष्ट्रपति बराक ओबामा भी एक अश्वेत मुस्लिम और छोटे तबके समुदाय से हैं। अमेरिका में सभी लोगों की भागीदारी समान होने के कारण अमेरिका, तरक्की की दुनिया में अन्य देशों से काफी आगे है। भारत में तो सम्पूर्ण हिस्सेदारी पर कुछ वर्ग विशेष द्वारा कुंडली मारकर जबरदस्ती बेजा कब्जा जमा कर रखा गया है । इसीलिये वे समाज में भ्रांति फैलाने के लिए आरक्षण (हिस्सेदारी) का आए दिन विरोध करते रहते हैं।
4. **ब्राज़िल** में आरक्षण को Vestibular नाम से जाना जाता है।
5. **कनाडा** में समान रोजगार का तत्व है, जिसके तहत फायदा वहाँ के असामान्य तथा अल्पसंख्यकों को दिया जाता है।
6. **चीन** में महिला और अल्पसंख्यकों के लिये आरक्षण है।
7. **फिनलैंड** में स्वीडिश लोगों के लिये आरक्षण है।
8. **जर्मनी** में जिमनॅशियम सिस्टम है।
9. **इसरायल** में सकारात्मक कार्यवाही के तहत आरक्षण है।
10. **जापान** जैसे सबसे प्रगतिशिल देश में भी बुराकूमिन लोगों के लिये आरक्षण है (बुराकूमिन जापान के हकवंचित पिछड़े तबके के लोग हैं)
11. **मॅसेडोनिया** में अल्बानियन के लिये आरक्षण है।
12. **मलेशिया** में भी उनकी नई आर्थिक योजना के तहत आरक्षण लागू हुआ है।
13. **न्यूजीलैंड** में माओरिस और पॉलिनेशियन लोगों के लिये सकारात्मक कार्यवाही के तहत आरक्षण दिया जाता है।
14. **नॉर्वे** के पीसीएल बोर्ड में 40 प्रतिशत महिला आरक्षण है।
15. **रोमानिया** में शोषण के शिकार रोमन लोगों के लिये आरक्षण है।
16. **दक्षिण आफ्रिका** में रोजगार समता (काले-गोरे लोगों को समान रोजगार) आरक्षण है।
17. **दक्षिण कोरिया** में उत्तरी कोरिया तथा चीनी लोगों के लिये आरक्षण है।
18. **श्रीलंका** में तमिल तथा क्रिश्चियन लोगों के लिये अलग नियम अर्थात आरक्षण है।
19. **स्वीडन** में सामान्य सकारात्मक कार्यवाही के तहत आरक्षण मिलता है।

अगर इतने सारे देशों में आरक्षण दिया जाता है (जिनमें कई विकसित देश भी शामिल हैं) तो फिर भारत का आरक्षण किस प्रकार भारत की प्रगति में बाधक है? भारत में तो लोग सबसे ज्यादा जातिभेद के ही शिकार हैं। भारतीय शुद्रों व अनुसूचित जातियों को तो हजारों सालों से उनके मौलिक अधिकारों से ही वंचित कर गुलाम बनाकर रखा गया; तो फिर भारतीय अवसर से वंचित लोगों को आरक्षण क्यों न मिले?

जब तक भारत के सभी जाति धर्म के लोग शिक्षा, सेना, सभी प्रकार की नौकरी, संसाधन तथा सरकार में समान रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे, तब तक देश वांछनीय प्रगति नहीं कर पाएगा। अगर विश्व के अन्य देश प्रगति के लिए सभी लोगों को साथ लेकर चल रहे हैं; तो फिर भारत क्यों नहीं?

शंका 13-क्या आरक्षण का आधार गरीबी होना चाहिए है ?

समाधान :-आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है, गरीबों की आर्थिक संरचना दूर करने हेतु सरकार अनेक कार्यक्रम चला रही है और अगर चाहे तो सरकार इन निर्धनों के लिए और भी कई कार्यक्रम चला सकती है; परन्तु आरक्षण हजारों साल से सत्ता एवं संसाधनों से वंचित किये गए समाज के स्वप्रतिनिधित्व की प्रक्रिया है। प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु संविधान की धारा 15(4), 16(4) तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330, 332 एवं 334 के तहत कुछ जाति विशेष को दिया गया है।

शंका 14-क्या आरक्षण से अयोग्य व्यक्ति आगे आते हैं।

समाधान :- क्या दो-दो अलग-अलग ईकाई की तुलना संभव है? उत्तर नहीं ।

क्या ऐसे दो विपरीत परिवेश वाले छात्रों के मध्य भाषा एवं व्यवहार की तुलना की जा सकती है, आईए समझें यह क्या है:-

योग्यता कुछ और नहीं परीक्षा के प्राप्त अंक के प्रतिशत को कहते हैं।

क्रमशः

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना परिषद — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

8

विक्रम संवत् 2075
शक संवत् 1940

अगस्त - 2018

अंधविश्वास और पाखण्ड को हटाना ही मानव सेवा है।
-स्वामी विवेकानंद

वर्षा ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ मक्का की पत्तियों में झुलसन शुरू होने पर मेन्कोजेब / क्लोरोथेलिनिल /ताम्रयुक्त फफूंदनाशक दवा का छिड़काव 15 दिनों के अंतराल में 2 बार करना चाहिए। ❖ मूंग की फसल को पर्णदाग रोग से बचाने के लिए मेनकोजेब फफूंदनाशी का छिड़काव ३ ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से करें। ❖ डहेलिया के कंद से निकले नवीन पौधों को 4-6 इंच की कटिंग कर नए पौधे तैयार करें। ❖ अमरूद, नीबू एवं अन्य वृक्षों में गूटी बाँधे तथा पिछले माह बाँधी गई गूटी को मातृ पौधों से अलग कर प्लास्टिक थैली में रोपण करें। ❖ धान के खेत में लगातार पानी भरकर न रखें। ❖ देर हो जाने के कारण यदि धान की रोपाई इस माह करनी पड़ रही है, तो पौधे की दूरी कम रखें व 3-4 पौधों का उपयोग करें। ❖ खेत में हरी काई का प्रकोप दिखे तो पानी को निकालें तथा खेत में जिस जगह से पानी अंदर जाता है, वहां कॉपर सल्फेट को पोटली में बांधकर रखें। ❖ अरहर में पत्ती मोड़क एवं भृंग इत्यादि कीटों के नियत्रंण हेतु प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। ❖ धान में यूरिया का छिड़काव करने के पूर्व खेत में पानी की मात्रा कम कर देवें। ❖ शिमला मिर्च की नर्सरी तैयार करें। सेमी, बरबटी को खेत में लगावें। ❖ खरीफ प्याज को खेत में रोपाई करें।

मूल एवं पंचक

मूल
ता. 2 दोप.1.13 मि. से ता. 4 शाम 3.00 बजे तक
ता. 11 रात्रि 2.55 मि. से ता. 12 रात्रि 9.27 मि. तक
ता. 19 शाम 7.14 मि. से ता. 22 रात्रि 00.34 मि. तक
ता. 29 सायं 6.49 मि. से ता. 31 रात्रि 8.47 मि. तक

पंचक
ता. 29 जु. शाम 5.07 मि. से ता.3 अ.दोप.2.26 मि.तक
ता. 25 रात्रि 11.16 मि. से ता. 30 रात्रि 8.02 मि. तक

शासकीय अवकाश
15 स्वतंत्रता दिवस
22 ईद-उल-जुहा (बकरीद)

ऐच्छिक अवकाश
9 विश्व आदिवासी दिवस
11 हरेली
15 नागपंचमी
17 पारसी नववर्ष
25 ओणम

सोम MONDAY	श्रावण कृष्ण 9 **6**	श्रावण शुक्ल 2,3 **13**	श्रावण शुक्ल 10 **20** राजीव गांधी जयंती, सद्भावना दिवस	भाद्रपद कृष्ण 1 **27**	
मंगल TUESDAY	श्रावण कृष्ण 10,11 **7** कामिका एकादशी	श्रावण शुक्ल 4 **14**	श्रावण शुक्ल 11 **21**	भाद्रपद कृष्ण 2 **28**	
बुध WEDNESDAY	श्रावण कृष्ण 4 **1**	श्रावण कृष्ण 12 **8** गौण कामिका एकादशी	श्रावण शुक्ल 5 **15** नाग पंचमी, स्वतंत्रता दिवस	श्रावण शुक्ल 11 **22** श्रावण पुत्रदा एकादशी, ईद-उल-जुहा (बकरीद)	भाद्रपद कृष्ण 3 **29** राष्ट्रीय खेल दिवस, मेजर ध्यानचंद जयंती, कजरी तीज
गुरु THURSDAY	श्रावण कृष्ण 5 **2**	श्रावण कृष्ण 13 **9** विश्व आदिवासी दिवस	श्रावण शुक्ल 6 **16** कल्की जयंती	श्रावण शुक्ल 12 **23** प्रदोष व्रत	भाद्रपद कृष्ण 4 **30** संकष्टी चतुर्थी, बहुला चतुर्थी
शुक्र FRIDAY	श्रावण कृष्ण 6 **3** मैथलीशरण जयंती	श्रावण कृष्ण 14 **10**	श्रावण शुक्ल 7 **17** पारसी नववर्ष, सिंह संक्रांति, तुलसी दास जयंती	श्रावण शुक्ल 13 **24** वर लक्ष्मी व्रत	भाद्रपद कृष्ण 5 **31**
शनि SATURDAY	श्रावण कृष्ण 7 **4**	श्रावण कृष्ण 15 **11** हरेली, सूर्य ग्रहण, अमावस्या	श्रावण शुक्ल 8 **18**	श्रावण शुक्ल 14 **25** ओणम	
रवि SUNDAY	श्रावण कृष्ण 8 **5**	श्रावण शुक्ल 1 **12** चन्द्र दर्शन	श्रावण शुक्ल 9 **19**	श्रावण शुक्ल 15 **26** संत मदर टेरेसा जयंती, पूर्णिमा/गायत्री जयंती	

कूर्मि चेतना पंचाङ्ग 2018 के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई

कूर्मि उषा चन्द्रा
प्रदेश सचिव (म.प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.-क्ष.चे.मंच

डॉ. भगवती प्रसाद चन्द्रा
शिशु रोग विशेषज्ञ,
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिल्हा, जिला बिलासपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष, छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच

गंगा क्लिनिक
बरतोरी रोड बिल्हा, बिलासपुर
निवास-33 गीतांजली इनक्लेव, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.)

With Best Compliments From :
Yogesh Kumbhaj
S/o Tara Chand Kumbhaj

21st century
Computer Shoppe
❖ Computer Sales & Service
❖ Laptop Repair Factory.
❖ Printer Repairs, Cartriage Refilling & LED Monitor Repairs

R.R. Complex First Floor, Seepat Chowk, Sarkanda, Bilaspur C.G.
Mo. : 9993867938,9329815626, cust. sup. 8982962626
Email: 21stcenturycomputershoppe@gmail.com

With Best Compliments From :
G.P. Patel
Kutwal Transport Company
Transport Contractor & Commission Agent

M.P., C.G., Maharashtra, Rajasthan & All India Service
Near Sitadevi Petrol Pump, Raipur Road Parsada,
Bilaspur (C.G.) Ph.- 07752-659433, Mo.- 98271-57933, 99935-41833, 98268-41833, 90989-09955
HO INDORE (M.P.) Mo.- 9406622918

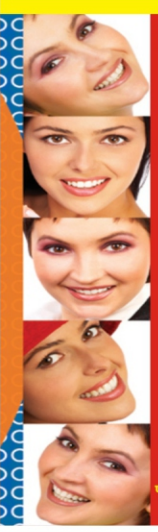

लक्ष्मी डेन्टाकेयर एण्ड इम्पलांट सेंटर
RSBY/MSBY स्मार्ट कार्ड से निःशुल्क इलाज कराएँ

सुविधाएँ
- संपूर्ण मुख एवं दाँत संबंधित समस्या का इलाज
- पायरिया का पूर्ण उपचार
- रूट कैनाल ट्रिटमेंट
- क्राउन एवं ब्रिज (फिक्स दाँत)
- बत्तीसी बनवाना
- टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों का तार द्वारा सीधा करना
- कास्मेटिक डेन्टल ट्रिटमेंट (ब्लिचिंग, स्केनिंग, फिलिंग)
- मुंह एवं जबड़े के फ्रेक्चर का इलाज।

Dr. Laxmikant Kashyap
BDS, BVP Mumbai
MDS, Periodontology
MISP, MIDA
Sr. Lect. TIDSHRC
CG DC/16/PG/253

Dr. Neha Kashyap
BDS, CDCRI
MIDA
Govt. Dental Surgeon
CHC, Belha

पता - श्रीराम केयर हास्पिटल के पास, गीतांजली कंस्ट्रक्शन ऑफिस के बाजू में, अमेरी रोड, नेहरु नगर, बिलासपुर
Contact No. : 9907544212, 9406068809

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

कूर्मि सियाराम कौशिक
विधायक, बिल्हा विधानसभा

कूर्मि मनहरण कौशिक
सचिव,
जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण, बिलासपुर

कूर्मि श्रीमती ममता मनहरण कौशिक
सदस्य
जिला पंचायत बिलासपुर

कूर्मि जीतेन्द्र कौशिक
युवा नेता, बिल्हा

कूर्मि श्रीमती गीतांजली कौशिक
अध्यक्ष, जनपद पंचायत, बिल्हा

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान क्रमशः...

प्राप्तांक के साथ साक्षात्कार होता है, वहां प्राप्तांकों के साथ आपकी भाषा एवं व्यवहार को भी योग्यता का मापदंड मान लिया जाता है अर्थात् आरक्षित जाति या अनुसूचित जाति के छात्र ने किसी परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किये और अनारक्षित जाति के किसी छात्र ने 62 प्रतिशत अंक प्राप्त किये तो आरक्षित जाति का छात्र अयोग्य है और सामान्य जाति का छात्र योग्य है।

आप सभी जानते हैं कि परीक्षा में प्राप्त अंकों का प्रतिशत एवं भाषा ज्ञान एवं व्यवहार के आधार पर योग्यता की अवधारणा नियमित की गयी है, जो कि अत्यंत त्रुटि पूर्ण और अतार्किक है। यह स्थापित सत्य है कि किसी भी परीक्षा में अनेक आधारों पर अंक प्राप्त किये जा सकते हैं। परीक्षा के अंक विभिन्न कारणों से भिन्न हो सकते हैं। जैसे कि किसी छात्र के पास सरकारी स्कूल था और उस के शिक्षक वहां नहीं आते थे और आते भी थे तो सिर्फ एक। सिर्फ एक शिक्षक पूरे विद्यालय के लिए जैसा कि प्राथमिक विद्यालयों का हाल है, उसके घर में कोई पढ़ा लिखा नहीं था, उसके पास किताब नहीं थी, उस छात्र के पास न ही इतने पैसे थे कि वह ट्यूशन लगा सके । स्कूल से आने के बाद गृह कार्य भी करना पड़ता। उसके दोस्तों में भी कोई पढ़ा लिखा नहीं था। अगर वह मास्टर से प्रश्न पूछता तो उत्तर की बजाय उसे डांट मिलती आदि। ऐसी शैक्षणिक परिवेश में अगर उसके परीक्षा के नंबरों की तुलना कान्वेंट में पढ़ने वाले छात्रों से की जायेगी तो क्या यह तार्किक होगा।

वही अनारक्षित समाज के बच्चे के पास शिक्षा की पीढ़ियों की विरासत है। पूरी की पूरी सांस्कृतिक पूँजी, अच्छा स्कूल, अच्छे मास्टर, अच्छी किताबें, पढ़े-लिखे, माँ-बाप, भाई-बहन, रिश्ते-नातेदार, पड़ोसी, दोस्त एवं मुहल्ला। स्कूल जाने के लिए कार या बस, स्कूल के बाद ट्यूशन या माँ-बाप का पढाने में सहयोग। क्या ऐसे दो विपरीत परिवेश वाले छात्रों के मध्य भाषा एवं व्यवहार की तुलना की जा सकती है? यह तो लाज़मी है कि अनारक्षित समुदाय (सवर्ण) समाज के कान्वेंट में पढ़ने वाले बच्चों की परीक्षा में प्राप्तांक एवं भाषा के आधार पर योग्यता का निर्धारण अतार्किक एवं अवैज्ञानिक नहीं तो और क्या है?

अतः उपरोक्त परिस्थितियों का विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि आरक्षण, केवल वंचित को अवसर प्रदान कर मुख्यधारा में लाने का एक सकारात्मक कार्यवाही है । योग्यता, अवसर मिलने पर स्वयं पल्लवित होती है ।

शंका 15- क्या आरक्षण से जातिवाद को बढ़ावा मिलता है ?

समाधान : भारतीय समाज एक श्रेणीबद्ध समाज है, जो छः हज़ार जातियों में बंटा है और यह छः हज़ार जातियाँ हजारों वर्षों से मौजूद है। इस श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था के कारण अनेक समूहों जैसे अनुसूचित जाति, आदिवासी एवं पिछड़े समाज को सत्ता एवं संसाधनों से दूर रखा गया और इस को धार्मिक व्यवस्था घोषित कर स्थायित्व प्रदान किया गया। इस हजारों वर्ष पुरानी श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था को तोड़ने के लिए एवं सभी समाजों को बराबर-बराबर का प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु संविधान में कुछ जाति विशेष को संरक्षण दिया गया है। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित करने की चेष्टा की गयी है कि वह अपने हक की लड़ाई एवं अपने समाज की भलाई एवं बनने वाली नीतियों को सुनिश्चित कर सके। अतः यह बात साफ़ हो जाती कि जातियां एवं जातिवाद भारतीय समाज में पहले से ही विद्यमान था। प्रतिनिधित्व (आरक्षण), इस व्यवस्था को तोड़ने के लिए लाया गया न की इसने जाति और जातिवाद को जन्म दिया है।

अतः यह बात फिर से प्रमाणित होती है कि आरक्षण जाति और जातिवाद को जन्म नहीं देता बल्कि जाति और जातिवाद लोगों की मानसिकता में पहले से ही विद्यमान है; जिसे समतामूलक समाज बनाने के उद्देश्य से आरक्षण लागू किया गया है ।

शंका 16- क्या आरक्षण के माध्यम से अनारक्षित/सवर्ण समाज की वर्तमान पीढ़ी को दंड दिया जा रहा है ?

समाधान : आज की अनारक्षित पीढ़ी अक्सर यह प्रश्न पूछती है कि हमारे पुरखों के अन्याय, अत्याचार, क्रूरता, छलकपट आदि की सजा आप वर्तमान पीढ़ी को क्यों दे रहे हैं?

इस संदर्भ में आज की सवर्ण समाज की युवा पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पूँजी का किसी न किसी के रूप में लाभ उठा रही है। वे अपने पूर्वजों के स्थापित किये गए वर्चस्व एवं ऐश्वर्य का अपनी जाति के उपनाम, अपने कुलीन उच्चवर्णीय सामाजिक तंत्र, अपने सामाजिक मूल्यों, एवं मापदंडों, अपने तीज-त्योहारों, नायकों, एवं नायिकाओं, अपनी परम्पराओं एवं भाषा और पूरी की पूरी ऐतिहासिकता का उपभोग कर रहे हैं।

अतः आरक्षण केवल अवसर से वंचित समुदाय को मुख्यधारा में सहभागिता हेतु लाया गया है, न कि किसी को दण्ड देने के लिए । यह तो केवल देखने के नजरिया मात्र ही है ।

जरा चिन्तन करें.....

मंदिरों में पुजारी रखा जाता है	...	जाति देखकर
कमरा किराये पर दिया जाता है	....	जाति देखकर
मकान बेचा जाता है	...	जाति देखकर
शादी विवाह कराये जाते हैं	...	जातियां देखकर
वोट दिया जाता है	...	जाति देखकर
मृत पशु उठवाये जाते हैं	...	जाति देखकर
गाली दी जाती है	...	जाति देखकर
साथ खाना खाते हैं	...	जाति देखकर
बेगार कराई जाती है	...	जाति देखकर
धिक्कारा जाता है.	...	जाति देखकर
बाल काटे जाते हैं	...	जाति देखकर

शंका 17-ब्राह्मण जाति है अथवा वर्ण है? ब्राह्मण शब्द को लेकर भ्रांतियां को स्पष्ट करें।

ब्राह्मण शब्द को लेकर अनेक भ्रांतियां हैं। इनका समाधान करना अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी जातिवाद है। ब्राह्मण शब्द को सत्य अर्थ को न समझ पाने के कारण जातिवाद को बढ़ावा मिला है। ब्राह्मण वर्ण है जाति नहीं। वर्ण का अर्थ है चयन या चुनना और सामान्यतः शब्द वरण भी यही अर्थ रखताहै। व्यक्ति अपनी रूचि, योग्यता और कर्म के अनुसार इसका स्वयं वरण करता है, इस कारण इसका नाम वर्ण है। वैदिक वर्ण व्यवस्था में कार्य के आधार पर चार वर्ण है। जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र।

उदाहरणः-

पढ़ने-पढ़ाने से, चिंतन-मनन करने से, ब्रह्मचर्य, अनुशासन, सत्यभाषण आदि व्रतों का पालन करने से, परोपकार आदि सत्कर्म करने से, वेद, विज्ञान आदि पढने से, कर्तव्य का पालन करने से, दान करने से और आदर्शों के प्रति समर्पित रहने से मनुष्य का यह शरीर ब्राह्मण हो जाता है।
- मनुस्मृति 2/28

शंका 18- मनुष्यों में कितनी जातियां हैं ?

समाधान- मनुष्यों में केवल एक ही जाति है। वह है 'मनुष्य'। अन्य की जाति नहीं है।

जाति का अर्थ है उद्भव के आधार पर किया गया वर्गीकरण। न्याय सूत्र यही कहता है 'समानप्रसवात्मिकाजातिः' अथवा जिनके जन्म का मूल स्त्रोत सामान हो (उत्पत्ति का प्रकार एक जैसा हो) वह एक जाति बनाते हैं। ऋषियों द्वारा प्राथमिक तौर पर जन्म-जातियों को चार स्थूल विभागों में बांटा गया है।

उद्भिज (धरती में से उगने वाले जैसे पेड़, पौधे, लता आदि),

अंडज (अंडे से निकलने वाले जैसे पक्षी, सर्प आदि),

पिंडज (स्तनधारी- मनुष्य और पशु आदि),

उष्मज/स्वेदज़ (तापमान तथा परिवेशीय स्थितियों की अनुकूलता के योग से उत्पन्न होने वाले - जैसे सूक्ष्म जीवाणु, वायरस, बैक्टेरिया आदि।

ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र किसी भी तरह भिन्न जातियां नहीं हो सकती हैं क्योंकि न तो उनमें परस्पर शारीरिक बनावट (इन्द्रियादि) का भेद है और न ही उनके जन्मस्त्रोत में भिन्नता पाई जाती है।

बहुत समय बाद जाति शब्द का प्रयोग किसी भी प्रकार के वर्गीकरण के लिए प्रयुक्त होने लगा। और इसीलिए हम सामान्यतया विभिन्न समुदायों को ही अलग जाति कहने लगे। जबकि यह मात्र व्यवहार में सहूलियत के लिए हो सकता है। सनातन सत्य यह है कि सभी मनुष्य एक ही जाति हैं।

शंका 19 चार वर्णों का विभाजन का आधार क्या है?

समाधान- वर्ण बनाने का मुख्य प्रयोजन कर्म विभाजन है। वर्ण विभाजन का आधार व्यक्ति की योग्यता है। आज भी शिक्षा प्राप्ति के उपरांत व्यक्ति डॉक्टर, इंजीनियर, वकील आदि बनता है। जन्म से कोई भी डॉक्टर, इंजीनियर, वकील नहीं होता। इसे ही वर्ण व्यवस्था कहते हैं।

वर्ण - ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र के लिए प्रयुक्त किया गया सही शब्द-वर्ण है, जाति नहीं। सिर्फ यह चारों ही नहीं बल्कि आर्य और दस्यु भी वर्ण कहे गए हैं। वर्ण का मतलब है; जिसे वरण किया जाए (चुना जाए)। अतः जाति ईश्वर प्रदत्त है जबकि वर्ण अपनी रूचि से अपनाया जाता है। इसी कारण वैदिक धर्म (वर्णाश्रम धर्म कहलाता है) वर्ण शब्द का तात्पर्य ही यह है कि वह चयन की पूर्ण स्वतंत्रता व गुणवत्ता पर आधारित है।

जैसेः-

बौद्धिक कार्यों में संलग्न व्यक्तियों ने **ब्राह्मण** वर्ण को अपनाया है।

समाज में रक्षा कार्य व युद्ध शास्त्र में रूचि योग्यता रखने वाले **क्षत्रिय** वर्ण के है ।

व्यापार-वाणिज्य और पशु-पालन आदि का कार्य करने वाले **वैश्य** तथा जिन्होंने इतर सहयोगात्मक कार्यों का चयन किया है वे **शूद्र** वर्ण कहलाते हैं।

ये मात्र आजीविका के लिए अपनाये जाने वाले व्यवसायों को दर्शाते हैं, इनका जाति या जन्म से कोई सम्बन्ध नहीं है।

शंका 20-कोई भी ब्राह्मण जन्म से होता है अथवा गुण, कर्म और स्वभाव से होता है ?

समाधान- वैदिक संस्कृति में प्रत्येक व्यक्ति जन्मतः शूद्र ही माना जाता है। उसके द्वारा प्राप्त शिक्षा के आधार पर ही ब्राह्मण, क्षत्रिय व वैश्य वर्ण निर्धारित किया जाता है। शिक्षा पूर्ण करके योग्य बनने को दूसरा जन्म माना जाता है। ये तीनों वर्ण द्विज कहलाते हैं क्योंकि इनका दूसरा जन्म (विद्याजन्म) होता है। किसी भी कारणवश अशिक्षित रहे मनुष्य शूद्र ही रहते हुए अन्य वर्णों के सहयोगात्मक कार्यों को अपनाकर समाज का हिस्सा बने रहते हैं।

व्यक्ति की योग्यता का निर्धारण शिक्षा प्राप्ति के पश्चात ही होता है। जन्म के आधार पर नहीं होता है। किसी भी व्यक्ति के गुण, कर्म और स्वाभाव के आधार पर उसके वर्ण का चयन होता हैं। कोई व्यक्ति अनपढ़ हो और अपने आपको ब्राह्मण कहे तो वह गलत है।

उदाहरणः-

जैसे लकड़ी से बना हाथी और चमड़े का बनाया हुआ हीरण सिर्फ नाम के लिए ही हाथी और हीरण कहे जाते हैं। वैसे ही बिना पढ़ा ब्राह्मण मात्र नाम का ही ब्राह्मण होता है।
-मनुस्मृति 2/157

शंका 21- क्या ब्राह्मण पिता की संतान ही ब्राह्मण कहलाता है ?

समाधान- यह भ्रान्ति है कि ब्राह्मण पिता की संतान ही ब्राह्मण कहलाएगा क्योंकि जैसे एक डॉक्टर की संतान तभी डॉक्टर कहलाएगा; जब वह एमबीबीएस उत्तीर्ण कर लेगा। जैसे एक इंजीनियर की संतान तभी इंजीनियर कहलाएगा; जब वह बीई/बीटेक उत्तीर्ण होगा ।

क्रमशः

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

हीरालाल काव्योपाध्याय
स्मरण दिवस 11 सितम्बर 1884

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना परिषद
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

9

विक्रम संवत् 2075
शक संवत् 1940

सितम्बर - 2018

बोलने में मर्यादा मत छोड़ना,
गालियाँ देना तो कायरों का काम है।
-सरदार पटेल

वर्षा / शरद ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ अदरक एवं हल्दी में मिट्टी चढ़ाएं। ❖ बेलदार एवं लता वाली सब्जियों में तुरंत सहारा देने का कार्य करें एवं मिट्टी चढ़ाएं। ❖ सेवंती, डहेलिया के तैयार पौधों को खेत में लगाएं। ❖ तना छेदक के लिए फेरोमोन ट्रेप उपयोग करें या लाइट ट्रेप द्वारा भी वयस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है। ❖ भूरा माहो के नियमित प्रकोप वाले स्थानों पर फोरेट का इस्तेमाल न करें। कीट प्रकोप की तीव्रता होने पर इमिडाक्लोप्रिड 125 मि.ली./हेक्टेयर दवा का उपयोग करें। ❖ धान की फसल में झुलसा रोग के लक्षण नाव आकार के धब्बे के रूप में दिखते ही ट्राइसाइक्लोजोल (0.6 ग्रा /ली. पानी)/ आइसोप्रोथियोलेन (1 मि.ली./ली. पानी)/ टेबुकोनाजोल (1.5 मि.ली./ली पानी)में से किसी एक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव दोपहर तीन बजे के बाद करें तो रोग का प्रभावी नियंत्रण होगा। ❖ जीवाणु जनित झुलसा- (बहरीपान) रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो, तो खेत से पानी निकालकर 3-4 दिन तक खुला रखें तथा 25 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

मूल एवं पंचक

मूल

ता. 7 दोप. 12.57 मि. से ता. 9 प्रातः 8.02 मि. तक
ता. 16 रात्रि 2.50 मि. से ता. 18 प्रातः 7.35 मि. तक
ता. 26 रात्रि 1.02 मि. से ता. 28 रात्रि 2.24 मि. तक

पंचक

ता. 22 प्रातः 6.12 मि. से ता. 27 रात्रि 1.56 मि. तक

शासकीय अवकाश

3 कृष्ण जन्माष्टमी
21 मोहर्रम

ऐच्छिक अवकाश

1 कमरछठ (हलषष्ठी)
9 पोला
13 गणेश चतुर्थी
16 नवाखाई
17 विश्वकर्मा जयंती
20 ढोल ग्यारस
23 अनंत चतुर्दशी

याददाश्त

	भाद्रपद कृष्ण 8	भाद्रपद शुक्ल 1	भाद्रपद शुक्ल 8	भाद्रपद शुक्ल 14
सोम MONDAY	**3** कृष्ण जन्माष्टमी (आठे कन्हैया)	**10** चन्द्र दर्शन	महालक्ष्मी व्रत आरम्भ **17** राधा अष्टमी विश्वकर्मा पूजा	**24** पूर्णिमा श्राद्ध
मंगल TUESDAY	भाद्रपद कृष्ण 9 **4**	भाद्रपद शुक्ल 2 **11** विनोबा भावे जयंती हीरालाल काव्योपाध्याय स्मरण दिवस (छ.ग. के प्रथम व्याकरणाचार्य)	भाद्रपद शुक्ल 9 **18**	भाद्रपद शुक्ल 15 **25** पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती भाद्रपद पूर्णिमा पितृपक्ष प्रारम्भ
बुध WEDNESDAY	भाद्रपद कृष्ण 10 **5** डॉ राधाकृष्णन जयंती शिक्षक दिवस	भाद्रपद शुक्ल 3 **12** वराह जयंती हरतालिका (तीजा)	भाद्रपद शुक्ल 10 **19**	आश्विन कृष्ण 1 **26**
गुरु THURSDAY	भाद्रपद कृष्ण 11 **6** जया एकादशी	भाद्रपद शुक्ल 4 **13** गणेश चतुर्थी	भाद्रपद शुक्ल 11 **20** ढोल ग्यारस परिवर्तिनी एकादशी	आश्विन कृष्ण 2 **27** विश्व पर्यटन दिवस
शुक्र FRIDAY	भाद्रपद कृष्ण 12 **7** प्रदोष व्रत	भाद्रपद शुक्ल 5 **14** हिन्दी दिवस ऋषि पंचमी	भाद्रपद शुक्ल 12 **21** वामन जयंती मोहर्रम	आश्विन कृष्ण 3 **28** शहीद भगतसिंह जयंती संकष्टी चतुर्थी
शनि SATURDAY	भाद्रपद कृष्ण 6 **1** बलराम जयंती कमरछठ हलषष्ठी व्रत	भाद्रपद कृष्ण 13,14 **8** विश्व साक्षरता दिवस	भाद्रपद शुक्ल 6 **15** डॉ विश्वेस्वरैया जयंती अभियंता दिवस	भाद्रपद शुक्ल 13 **22** प्रदोष व्रत	आश्विन कृष्ण 4 **29** विश्व हृदय दिवस
रवि SUNDAY	भाद्रपद कृष्ण 7 **2** भानु सप्तमी	भाद्रपद कृष्ण 15 **9** अमावस्या पोला	भाद्रपद शुक्ल 7 **16** नवाखाई ललिता सप्तमी, दुर्वा अष्टमी	भाद्रपद शुक्ल 14 **23** कर्नाटिया फिरका का विशेष त्यौहार अनन्त चतुर्दशी गणेश विसर्जन	आश्विन कृष्ण 5 **30**

छ.ग. के व्याकरणाचार्य के स्मरण दिवस पर शुभकामनाएँ...

Kurmi Shri Kumar Singh | Smt. Jyoti Singh | Amit Kumar Singh | Shubham Singh | Tarun Singh

SHRIKUMAR SINGH
Contractor "A4 Class"
Irrigation and Transporter
A-10, Vaishali Nagar, Bilaspur (C.G.)
Phone : 07751-257297, Mo.: 94255-36578

कमरछठ, जन्माष्टमी, तीजा एवं गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएँ
कूर्मि अशोक कौशिक
सदस्य जिला पंचायत बिलासपुर क्रमांक 07 (बरतोरी) बिल्हा
वरिष्ठ महामंत्री जिला कूर्मि युवा संगठन, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9754676947
कूर्मि यशवंत कौशिक
कूर्मि युवा संगठन
कूर्मि एल.एन.कौशिक
जिलाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.क्ष.चे.मं. बिलासपुर

कमरछठ, जन्माष्टमी, तीजा एवं गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएँ
SHRI SAI
CONSULTANCY SERVICES
FINANCE & CONSTRUCTION
Office :
Bazar Chowk,
Beside of Police Chouki,
Yadunandan Nagar, Tifra,
Bilaspur (C.G.)
Resi. :
Dev Palace,
Opp. Satnam Mangal Bhawan,
Yadunandan Nagar, Tifra, Bilaspur
कूर्मि रविन्द्र पाटनवार
बिल्डिंग कांट्रेक्टर
Mob. : 9753311111

कमरछठ, जन्माष्टमी, तीजा एवं गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएँ
श्रीमती प्रभा वर्मा
प्रदेश कार्य.सद.(म.प्रको.)
छ.ग.कू.-क्ष.चे. मंच
शिवा वर्मा
वेदांत वर्मा
कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद वर्मा
संभागीय सेनानी, नगर सेना, फायर एवं एस.डी.आर.एफ., रायपुर (छ.ग.)
मो. : 9425260168

कूर्मि चन्द्रशेखर चकोर
अभिनेता
लोक खेल उन्नायक, फिल्मकार
लोक नाट्य चंदैनी के संरक्षक एवं संवर्धक
संपादक एवं प्रकाशक-बरछाबारी, छत्तीसगढ़ भाषा की चौमासा पत्रिका
पता : ग्राम करन्दुल पो. सुन्दरनगर, रायपुर (छ.ग.) मो. 9826992518

कूर्मि चेतना पंञ्चाङ्ग के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई
कृष्ण कुमार चन्द्राकर
जिला प्रबंधक, नागरिक खाद्य आपूर्ति निगम
राजकुमारी चन्द्राकर
एम ए
कार्य.सद., चेतना मंच (महि. प्र.)
गुलशन चन्द्राकर
एम बी ए
निशी चन्द्राकर
बी एस सी,एम बी ए
गुंजन चन्द्राकर
एम एस सी फारेस्ट्री

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

सितम्बर -2018

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान क्रमशः...

वैसे ही ब्राह्मण एक अर्जित किए जाने वाली **पुरानी उपाधि** है।

यदि ब्राह्मण का पुत्र विद्या प्राप्ति में असफल रह जाए तो शूद्र बन जाता है। इसी तरह शूद्र या दस्यु का पुत्र भी विद्या प्राप्ति के उपरांत ब्राह्मण, क्षत्रिय या वैश्य वर्ण को प्राप्त कर सकता है। यह सम्पूर्ण व्यवस्था विशुद्ध रूप से गुणवत्ता पर आधारित है। जिस प्रकार शिक्षा पूरी करने के बाद आज उपाधियाँ दी जाती हैं उसी प्रकार वैदिक व्यवस्था में यज्ञोपवीत दिया जाता था। प्रत्येक वर्ण के लिए निर्धारित कर्तव्य कर्म का पालन व निर्वहन न करने पर यज्ञोपवीत वापस लेने का भी प्रावधान था।

मनु का उपदेश देखें-

(क) ब्राह्मण शूद्र बन सकता और शूद्र ब्राह्मण हो सकता है। इसी प्रकार क्षत्रिय और वैश्य भी अपने वर्ण बदल सकते हैं। -मनुस्मृति 10/64

(ख) जो मनुष्य नित्य प्रातः और सांय ईश्वर आराधना नहीं करता उसको शूद्र समझना चाहिए। -मनुस्मृति 2/103

(ग) जब तक व्यक्ति वेदों की शिक्षाओं में दीक्षित नहीं होता वह शूद्र के ही समान है। -मनुस्मृति 2/172

(घ) ब्राह्मण- वर्णस्थ व्यक्ति श्रेष्ठ -अतिश्रेष्ठ व्यक्तियों का संग करते हुए और नीच- नीचतर व्यक्तिओं का संग छोड़कर अधिक श्रेष्ठ बनता जाता है। इसके विपरीत आचरण से पतित होकर वह शूद्र बन जाता है। -मनुस्मृति 4/245

शंका 22- प्राचीनकाल में ब्राह्मण बनने के लिए क्या करना पड़ता था?

समाधान- प्राचीनकाल में ब्राह्मण बनने के लिए शिक्षित और गुणवान उच्च चारित्रिक गुण वाला होना आवश्यक था। जैसे बाल्मिकि उच्च चारित्रिक गुण के कारण बाह्मणत्व को प्राप्त किए।

आइए, इसे हम चिंतन करते हैं :-

वैदिक वर्ण व्यवस्था में चार वर्ण है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। प्राचीन काल में तात्कालिक परिस्थियों को ध्यान में रखकर सामाजिक व्यवस्था के लिए कर्म/कार्य/वर्ण आधारित व्यवस्था बनाया गया था।

वर्ण बनाने का मुख्य प्रयोजन कर्म विभाजन है। वर्ण विभाजन का आधार व्यक्ति की योग्यता है। आज भी शिक्षा प्राप्ति के उपरांत व्यक्ति डॉक्टर, इंजीनियर, वकील आदि बनता है। जन्म से कोई भी डॉक्टर, इंजीनियर, वकील नहीं होता। इसे ही वर्ण व्यवस्था कहते हैं।

वर्ण का अर्थ है चयन या चुनना और सामान्यतः शब्द वरण भी यही अर्थ रखता है। व्यक्ति अपनी रूचि, योग्यता और कर्म के अनुसार इसका स्वयं वरण करता है, इस कारण इसका नाम वर्ण है। वैदिक वर्ण व्यवस्था में चार वर्ण है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र।

वेदों में अति परिश्रमी कठिन कार्य करने वाले को शूद्र कहा है (तपसे शूद्रम' यजु.30.5), और इसीलिए पुरुष सूक्त शूद्र को सम्पूर्ण मानव समाज का आधार स्तंभ कहता है। चार वर्णों से अभिप्राय यही है कि मनुष्य द्वारा चार प्रकार के कर्मों को रूचि पूर्वक अपनाया जाना। वेदों के अनुसार, एक ही व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों में चारों वर्णों के गुणों को प्रदर्शित करता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति चारों वर्णों से युक्त है। तथापि हमने अपनी सुविधा के लिए मनुष्य के प्रधान व्यवसाय को वर्ण शब्द से सूचित किया है।

शंका 23- ब्राह्मण को श्रेष्ठ क्यों मानें?

समाधान- ब्राह्मण एक गुणवाचक वर्ण है। समाज का सबसे ज्ञानी, बुद्धिमान, शिक्षित, समाज का मार्गदर्शन करने वाला, त्यागी, तपस्वी व्यक्ति ही ब्राह्मण कहलाने का अधिकारी बनता है। इसीलिए, ब्राह्मण वर्ण श्रेष्ठ है। आजकल कुछ लोग केवल इसलिए अपने आपको ब्राह्मण कहकर जाति का अभिमान दिखाते हैं क्योंकि उनके पूर्वज ब्राह्मण थे। यह सरासर गलत है। योग्यता अर्जित किये बिना कोई ब्राह्मण नहीं बन सकता। हमारे प्राचीन ब्राह्मण अपने तप से अपनी विद्या से अपने ज्ञान से सम्पूर्ण संसार का मार्ग दर्शन करते थे। इसीलिए हमारा आर्यव्रत देश विश्वगुरु था। ब्रह्म चर इति ब्राह्मणः।

शंका 24. क्या शूद्र ब्राह्मण और ब्राह्मण शूद्र बन सकता है?

समाधान-ब्राह्मण, शूद्र आदि वर्ण क्योंकि गुण, कर्म और स्वाभाव के आधार पर विभाजित है। इसलिए इनमें परिवर्तन संभव है। कोई भी व्यक्ति जन्म से ब्राह्मण नहीं होता। अपितु शिक्षा प्राप्ति के पश्चात उसके वर्ण का निर्धारण होता है।

वैदिक इतिहास में वर्ण परिवर्तन के अनेक प्रमाण उपस्थित हैं।

जैसे -

(1) ऐतरेय ऋषि दास अपराधी के पुत्र थे; परन्तु उच्चकोटि के ब्राह्मण बने और उन्होंने ऐतरेय ब्राह्मण और ऐतरेय उपनिषद की रचना की। ऋग्वेद को समझने के लिए ऐतरेय ब्राह्मण अतिशय आवश्यक माना जाता है।

(2) ऐलूष ऋषि दासी पुत्र थे। जुआरी और हीन चरित्र भी थे। परन्तु बाद में उन्होंने अध्ययन किया और ऋग्वेद पर अनुसन्धान करके अनेक अविष्कार किये। ऋषियों ने उन्हें आमंत्रित करके आचार्य पद पर आसीन किया। (ऐतरेय ब्राह्मण 2.19)

(3) सत्यकाम जाबाल गणिका (वेश्या) के पुत्र थे; परन्तु वे ब्राह्मणत्व को प्राप्त हुए।

(4) राजा दक्ष के पुत्र पृषध शूद्र हो गए थे। प्रायश्चित स्वरुप तपस्या कर के उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया। (विष्णु पुराण 4.1.14)

(5) राजा नेदिष्ट के पुत्र नाभाग वैश्य हुए। पुनः इनके कई पुत्रों ने क्षत्रिय वर्ण अपनाया। (विष्णु पुराण 4.1.13)

(6) धृष्ट नाभाग के पुत्र थे जो ब्राह्मण हुए और उनके पुत्र ने क्षत्रिय वर्ण अपनाया। आगे उन्हीं के वंश में पुनः कुछ ब्राह्मण हुए। (विष्णु पुराण 4.2.2)

(7) विष्णु पुराण और भागवत के अनुसार रथोतर क्षत्रिय से ब्राह्मण बने और हारित क्षत्रिय पुत्र से ब्राह्मण हुए तथा राजपुत्र अग्निवेश्य ब्राह्मण हुए। (विष्णु पुराण 4.3.5)

(8) क्षत्रिय कुल में जन्मे शौनक ने ब्राह्मणत्व प्राप्त किया। (विष्णु पुराण 4.8.1) वायु, विष्णु और हरिवंश पुराण कहते हैं कि शौनक ऋषि के पुत्र कर्मभेद से ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्रवर्ण के हुए। इसी प्रकार गृत्समद, गृत्समति और वीतहव्य भी क्रमशः ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य बनने के उदाहरण हैं।

(9) मातंग चांडाल पुत्र से ब्राह्मण बने।

(10) ऋषि पुलस्त्य का पौत्र रावण अपने कर्मों से राक्षस बना।

(11) राजा रघु का पुत्र प्रवृद्ध राक्षस हुआ।

(12) त्रिशंकु राजा होते हुए भी कर्मों से चांडाल बन गए थे।

(13) विश्वामित्र के पुत्रों ने शूद्र वर्ण अपनाया। विश्वामित्र स्वयं क्षत्रिय थे; परन्तु बाद उन्होंने ब्राह्मणत्व को प्राप्त किया।

(14) विदुर दासी पुत्र थे। तथापि वे ब्राह्मण हुए और उन्होंने हस्तिनापुर साम्राज्य का मंत्री पद सुशोभित किया।

उदाहरणः-

(क) माता-पिता से उत्पन्न संतति का माता के गर्भ से प्राप्त जन्म साधारण जन्म है। वास्तविक जन्म तो शिक्षा पूर्ण कर लेने के उपरांत ही होता है। -मनुस्मृति 2/147

(ख) ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य, ये तीन वर्ण विद्याध्ययन से दूसरा जन्म प्राप्त करते हैं। विद्याध्ययन न कर पाने वाला शूद्र चौथा वर्ण है। -मनुस्मृति 10/4

शंका 25. क्या आज जो अपने आपको ब्राह्मण कहते हैं वही हमारी प्राचीन विद्या और ज्ञान की रक्षा करने वाले प्रहरी थे?

समाधान-आजकल जो व्यक्ति ब्राह्मण कुल में उत्पन्न होकर अगर प्राचीन ब्राह्मणों के समान वैदिक धर्म की रक्षा के लिए पुरुषार्थ कर रहा है तब तो वह निश्चित रूप से ब्राह्मण के समान सम्मान का पात्र है। अगर कोई व्यक्ति ब्राह्मण कुल में उत्पन्न होकर ब्राह्मण धर्म के विपरीत कर्म कर रहा है। तब वह किसी भी प्रकार से ब्राह्मण कहलाने के लायक नहीं है। एक उदहारण लीजिये। एक व्यक्ति यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर है, शाकाहारी है, चरित्रवान है और धर्म के लिए पुरुषार्थ करता है। उसका वर्ण ब्राह्मण कहलायेगा चाहे वह शूद्र पिता की संतान हो। उसके विपरीत एक व्यक्ति अनपढ़ है, चरित्रहीन है और किसी भी प्रकार से समाज हित का कोई कार्य नहीं करता, चाहे उसके पिता कितने भी प्रतिष्ठित ब्राह्मण हो, किसी भी प्रकार से ब्राह्मण कहलाने लायक नहीं है। ब्रह्मण वैदिक व्रतों से जुड़े हुए कर्म अर्थात धर्म का पालन करना अनिवार्य है। प्राचीनकाल में धर्म रूपी आचरण एवं पुरुषार्थ के कारण ब्राह्मणों का मान था।

इसके माध्यम से वैदिक विचारधारा में ब्राह्मण शब्द को लेकर सभी भ्रांतियों के निराकरण का प्रयास किया है। ब्राह्मण शब्द की वेदों में बहुत महत्ता है। मगर इसकी महत्ता का मुख्य कारण जन्मना ब्राह्मण होना नहीं, अपितु कर्मणा ब्राह्मण होना है। मध्यकाल में हमारी वैदिक वर्ण व्यवस्था बदल कर जाति व्यवस्था में परिवर्तित हो गई। विडंबना यह है कि इस बिगाड़ को हम आज भी ढो रहे हैं। जातिवाद से हिन्दू समाज की एकता समाप्त हो गई। भाई-भाई में द्वेष हो गया। इसी कारण से हम कमजोर हुए तो विदेशी विधर्मियों के गुलाम बने।

शंका 26:- क्या भारत में आरक्षण संविधान लागू होने के बाद से है?

समाधान :- नहीं। भारत में संविधान लागू होने के पूर्व से ही विभिन्न रूपों में आरक्षण लागू है, जिसकी व्याख्या मात्र अलग है। आइए जानते है कि भारत में हजारों सालों से आरक्षण की स्थिति क्या स्थिति है :-

संविधान लागू होने के पूर्व देश में लागू आरक्षण की स्थितिः-

(अ) पुराणों में दिए गए आरक्षण :-

1. यज्ञ करना कराना, दान लेना,पूजा व ज्ञानार्जन शिक्षा में **100 प्रतिशत** आरक्षण **ब्राह्मणों** को पूर्व से ही मिल रहा है।
   - पढ़ना, पढ़ाना, यज्ञ करना-कराना, दान लेना यह सब ब्राह्मण को करने के कर्म हैं.
   मनुस्मृति(अध्यायः1: श्लोकः 87)
2. सम्पत्ति रखने, शिक्षा व राज पाठ में **100 प्रतिशत** आरक्षण **क्षत्रियों** को पूर्व से ही मिल रहा है।
   - प्रजा रक्षण, दान देना, यज्ञ करना, पढ़ना यह सब क्षत्रिय को करने के कर्म हैं.
   मनुस्मृति (अध्यायः1: श्लोकः 89)
3. व्यापार करना, दान देना, **100 प्रतिशत** आरक्षण **वैश्य** को पूर्व से ही मिल रहा है।
   -व्यापार करना, दान देना, यज्ञ करना, पढ़ना सुद(ब्याज) लेना यह वैश्य को करने का कर्म हैं.
   (अध्यायः1: श्लोकः 90)
4. तीनों वर्णो की सेवा, में **100 प्रतिशत** आरक्षण **शुद्रों** का था।
   - द्वेष भावना रहित,आंनदित होकर उपर्युक्त तीनो-वर्गो का निःस्वार्थ सेवा करना, यह शूद्र का कर्म हैं. (अध्यायः1: श्लोकः 91)

(ब) विभिन्न स्वरूपों में समाज में व्याप्त अप्रत्यक्ष आरक्षण :-

1. **नामकरण में आरक्षण :-**
   - प्रत्येक वर्ण की व्यक्तिओं के नाम कैसे हो, यह पूर्व से ही आरक्षित था?:-
   - ब्राह्मण का नाम मंगल सूचक - जैसे शर्मा या शंकर, दीक्षित, चौबे इत्यादि
   - क्षत्रिय का नाम शक्ति सूचक - जैसे सिंह, ठाकुर, प्रताप सिंह इत्यादि
   - वैश्य का नाम धन वाचक पुष्टि युक्त - जैसे शाह या चंद इत्यादि
   - शूद्र का नाम निंदित या दास शब्द युक्त-जैसे मणि दास, देवी दास इत्यादि
   (अध्यायः 2: श्लोकः 31-32)

क्रमशः

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

10 | विक्रम संवत् 2075 | शक संवत् 1940

अक्टूबर - 2018

हम गद्दी छोड़ सकते हैं, मगर सामाजिक प्रतिबद्धता के कार्यों से पीछे नहीं हट सकते।
-छत्रपति शाहूजी महाराज

शरद ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ आम एवं लीची के बागों में बोर्डो पेस्ट लगावें । ❖ सभी प्रकार की शीतकालीन पुष्पों की बुवाई सुनिश्चित करें। ❖ गुलाब की कटाई-छाटाई कर बोर्डो पेस्ट लगावें। ❖ तिवड़ा की उन्नत प्रजातियाँ जैसे-प्रतीक, रतन, महातिवड़ा का उपयोग करें। ❖ गन्ने की शीतकालीन फसल की बुवाई करें। ❖ भूरा माहों के अधिक प्रकोप की अवस्था में इमीडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. का 125 मि.ली./हे. की दर से छिड़काव करें अथवा कार्बारिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण का छिड़काव करें। पौधे के निचले हिस्से में केन्द्रित करें। ❖पर्णच्छद गभोट की अवस्था में विगलन (शीथरॉट) तथा लाई फूटने (फाल्स स्मट) की समस्या के नियंत्रण हेतु प्रोपिकोनाजोल का (1 मि.ली./ली.) छिड़काव करें। ❖दलहनी फसलों विशेषकर चना में लगने वाले भूमिजनित रोग जैसे कालर रॉट, उकठा (विल्ट) आदि रोगों से बचाव के लिये भूमि का उपचार करें। इस हेतु जैविक फफूंद नाशक ट्राइकोडर्मा संरूप 1 किलो पाऊडर को 100 किलो सड़ी हुई गोबर की खाद में अच्छी तरह मिलाकर 15-20 दिनों तक छायादार स्थान में ढेरी बनाकर उसे गीले बोरे से ढक कर रखते हैं । ❖ इस माह के दूसरे या तीसरे सप्ताह में चने की बुवाई करने से उकठा (विल्ट) रोग कम लगता है। ❖ मटर की अगेती किस्मों तथा समय पूर्व बोई गई फसल पर भभूतिया रोग कम लगता है। ❖रबी हेतु हरे चारे (बरसीन, लूसर्न) की बुआई करें।

मूल एवं पचक

मूल

ता. 4 रात्रि 8.50 मि. से ता. 6 सायं 5.11 मि. तक

ता. 13 प्रातः 11.36 मि. से ता. 15 सायं 3.35 मि. तक

ता. 23 प्रातः 8.48 मि. से ता. 25 प्रातः 9.27 मि.तक

पंचक

ता. 19 दो. 2.03 मि. से ता. 24 प्रातः 9.24 मि. तक

सोम MONDAY	आश्विन कृष्ण 7 **1** विश्व वन्य प्राणी सप्ताह प्रारम्भ वृद्ध एवं रक्तदान दिवस	आश्विन कृष्ण 14 **8** सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या प्राणनाथ जयंती	आश्विन शुक्ल 6 **15** डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जयंती	आश्विन शुक्ल 13 **22** प्रदोष व्रत	कार्तिक कृष्ण 5 **29**
मंगल TUESDAY	आश्विन कृष्ण 8 **2** गांधी जयंती शास्त्री जयंती महालक्ष्मी व्रत	आश्विन कृष्ण 15 **9** अमावस्या	आश्विन शुक्ल 7 **16** सप्तमी विश्व खाद्य दिवस	आश्विन शुक्ल 14 **23** शरद पूर्णिमा	कार्तिक कृष्ण 6 **30**
बुध WEDNESDAY	आश्विन कृष्ण 9 **3**	आश्विन शुक्ल 1 **10** नवरात्रि प्रारंभ अग्रसेन जयंती कलश स्थापना	आश्विन शुक्ल 8 **17** दुर्गा अष्टमी	आश्विन शुक्ल 15 **24** शरद पूर्णिमा महर्षि वाल्मीकि जयंती	कार्तिक कृष्ण 7 **31** सरदार पटेल जयंती अहोई अष्टमी राधा कुंड स्नान
गुरु THURSDAY	आश्विन कृष्ण 10 **4**	आश्विन शुक्ल 2,3 **11**	आश्विन शुक्ल 9 **18** महानवमी	कार्तिक कृष्ण 1 **25** रामचंद्र देशमुख जयंती	
शुक्र FRIDAY	आश्विन कृष्ण 11 **5** इंदिरा एकादशी	आश्विन शुक्ल 4 **12**	आश्विन शुक्ल 10 **19** दशहरा दुर्गा विसर्जन	कार्तिक कृष्ण 2 **26**	
शनि SATURDAY	आश्विन कृष्ण 12 **6** स्वामी आत्मानंद जयंती प्रदोष व्रत	आश्विन शुक्ल 5 **13** पंचमी	आश्विन शुक्ल 11 **20** पाप कुशा एकादशी	कार्तिक कृष्ण 3 **27** करवा चौथ	
रवि SUNDAY	आश्विन कृष्ण 13 **7**	आश्विन शुक्ल 5 **14** सरस्वती आह्वान	आश्विन शुक्ल 12 **21**	कार्तिक कृष्ण 4 **28**	

शासकीय अवकाश

2 गांधी जयंती

19 दशहरा

ऐच्छिक अवकाश

8 पितृ मोक्ष अमावस्या

10 अग्रसेन जयंती

17 महाअष्टमी (दशहरा)

18 महानवमी

24 महर्षि वाल्मिकी जयंती कुवाँर पूर्णिमा

27 करवा चौथ व्रत

याददाश्त

कूर्मि चेतना पंज्चाङ्ग के प्रकाशन पर स्वजातीय बन्धुओं को हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ

कूर्मि नन्दलाल चन्द्राकर
प्रदेश उपाध्यक्ष
छ.ग.प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़
जिलाध्यक्ष
छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज
जिला-कबीरधाम
मो. : 95758542200, 9575842200

समस्त स्वजातिय बन्धुओं को विजयदशमी की हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ

कूर्मि दौलत राम कश्यप
लोकपाल
मनरेगा, पंचायत एवं ग्रा. वि.विभाग
जिला-कबीरधाम व बेमेतरा
मो. : 9893182263

कूर्मि क्षमा कश्यप
कार्यकारिणी सदस्य
(महिला प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

Kurmi Abhishek Kaushik
+91 - 9827163779
+91 - 9300688822

DAKSH CAR ACCESSORIES
A car Accessories Shop
✓ Teflon Cotting
✓ Seat Cover
✓ Body Cover
✓ Wide Range of Sun Control Film
✓ Sterieos & VCD LCD
✓ Center Locking

Shop No. 02, Behind Raja Raghuraj Stadium, Imlipara, Bilaspur (C.G.) 495001

जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ ....

कूर्मि डॉ. अविनाश कश्यप
(मेडिकल ऑफिसर)
पिता श्री कामेश्वर कश्यप
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग
जन्मतिथि 25-10-1987

कूर्मि गगन कश्यप
पिता श्री गिरिश मयाराम
(अधिवक्ता)
जन्मतिथि : 2-10-2002

कूर्मि मनीष कश्यप
पिता - श्री शिवकुमार कश्यप
(उप प्रचार्य)
जवाहर नवोदय विद्यालय, कुरूद, जिला-धमतरी
जन्मतिथि 30-10-1990

कूर्मि प्रतिवेश कश्यप
पिता श्री प्रवेशचन्द्र कश्यप
(मुख्य नगरपालिका अधिकारी)
छ.ग. शासन
जन्मतिथि 25-10-2015

कूर्मि ऋषि कश्यप
(शिक्षा विभाग)
पिता स्व. श्री लेखराज कश्यप
अजीवन सदस्य
प्रेमचंद हिन्दी साहित्य समिति तखतपुर
आजीवन सदस्य
भारत स्काउट एण्ड गाईड छत्तीसगढ़
जन्मतिथि - 25-10-1967

लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेलजी के जयंती पर बधाईयाँ एवं अनंत शुभकामनाएँ

कूर्मि दिलीप कौशिक
प्रदेशाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
अधिवक्ता एवं नोटरी, तह-पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9098982513, 8463000033
वर्तमान निवास: देव नंदन नगर, फेस-1, सीपत रोड, बिलासपुर (छ.ग.)
स्थायी पता : ग्राम व पोष्ट-बावली, तह.-पथरिया, (विधानसभा क्षेत्र बिल्हा)

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

अक्टूबर-2018

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान क्रमशः...

(2) विवाह के लिए कन्या के चयन में व्याप्त आरक्षण:-

- **ब्राह्मण** -सभी चार वर्ण की कन्यायें पंसद कर सकता हैं ।
- **क्षत्रिय** - ब्राह्मण कन्या को छोड़कर सभी तीनो वर्ण की कन्यायें पंसद कर सकता हैं ।
- **वैश्य** - वैश्य की और शूद्र की ऐसे दो वर्ण की कन्यायें पंसद कर सकता हैं ।
- **शूद्र**- शूद्र वर्ण की ही कन्यायें विवाह के लिए पंसद कर सकता हैं । यानी शूद्र ही वर्ण से बाहर अन्य वर्ण की कन्या से विवाह नही कर सकता । (अध्याय:3:श्लोक:13)

(3) अतिथि विषयक में व्याप्त आरक्षण:-

- **ब्राह्मण** के घर केवल ब्राह्मण ही अतिथि गिना जाता हैं, (और वर्ण का व्यक्ति नहीं)
- **क्षत्रिय** के घर ब्राह्मण और क्षत्रिय ही ऐसे दो ही अतिथि गिने जाते है ।
- **वैश्य** के घर ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य तीनो द्विजअतिथि हो सकते हैं ।
- **शूद्र** के घर केवल शूद्र ही अतिथि कहलाएगा - (अध्याय:3:श्लोक:110)

(4) पके हुए अन्न का स्वरुप में व्याप्त आरक्षण:-

- **ब्राह्मण** के घर का अन्न अमृतमय ।
- **क्षत्रिय** के घर का अन्न पेय (दुग्ध) रुप ।
- **वैश्य** के घर का अन्न जो है वह अन्न रुप में ।

-शूद्र के घर का अन्न रक्त स्वरुप हैं यानी वह खाने योग्य ही नहीं हैं। (अध्याय:4:श्लोक:14)

(5) शव को कौन से द्वार से ले जाए में आरक्षण ? :-

- **ब्राह्मण** के शव को नगर के पूर्व द्वार से ले जाए ।
- **क्षत्रिय** के शव को नगर के उतर द्वार से ले जाए ।
- **वैश्य** के शव को पश्चिम द्वार से ले जाए ।
- **शूद्र** के शव को दक्षिण द्वार से ले जाए । (अध्याय:5:श्लोक:92)

(स) वर्तमान में प्रत्यक्ष रूप से व्याप्त आरक्षण :-

देश में आजादी के 70 साल के पश्चात भी आरक्षण की स्थिति निम्नानुसार है:-

वर्ग	जनसंख्या	राजनीति	नौकरी	व्यापार	शिक्षा	जमीन	पण्डिताई
ब्राह्मण	3.5	41	62	10	50	5	100
क्षत्रिय	5.5	15	12	26	16	80	0
वैश्य	6.0	10.5	13	60	12	9	0
कुल हिस्सेदारी	**15**	**66.5**	**87**	**96**	**78**	**94**	**100**
अन्य पिछड़ा वर्ग	52	8	7	8	12.5	5	0
अनुसूचित जाति	16	15	4	1	6	5	0
अनु.जन जाति	7.5	7.5	1	2	2	5	0
अल्पसंख्यक	10.5	3	1	2	1.5	1	0
कुल हिस्सेदारी	**85**	**33.5**	**12**	**4**	**22**	**6**	**0**

स्रोत : Do PT भारत सरकार का रिपोर्ट, राज्यसभा व लोकसभा के प्रस्तुत अभिभाषण तथा समय-समय पर प्रकाशित संबंधित दस्तावेज का विश्लेषणात्मक अध्ययन ।

शंका : 26.क्या आरक्षण की सीमा अधिकतम 50 प्रतिशत ही हो सकता है?

समाधान : नही,यह एक मार्गदर्शी है कि आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। वास्तव में यह निर्णय पिछड़े वर्गों (अनु जाती, अनु जान जाति, एवं अन्य पिछड़े वर्गों) की कुल आबादी के प्रतिशत के आधार पर लिया जाना चाहिए, यही कारण है कि कई राज्यो में आरक्षण 50 प्रतिशत से भी अधिक दिया जा रहा है ।उदाहरण -

क्र.	राज्य का नाम	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व	कुल प्रतिशत
1.	तमिलनाडू	18	1	50	69
2	कर्नाटक	18	6	49	73
3.	केरल	8	2	40	50
4.	उड़ीसा	16.25	22.5	27	65.75
5	झारखण्ड	14	32	27	73
6.	आंध्रप्रदेश	15	6	25	46
7.	छत्तीसगढ़	12	32	14	58

स्रोत : - राज्यवार प्राप्त प्रशासनीक प्रतिवेदन ।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ राज्य में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व काफी दयनीय है । अक्सर अवसर भोगी लोग समाज में भ्रम पैदा करके राज करने की लालसा अभी भी रखते हैं। दुर्भाग्य से 1931 के पश्चात आबादी के प्रतिशत का आंकड़ा भारत सरकार के द्वारा अधिकृत रूप से जारी नहीं किया गया है। 2011 में हुए आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण के आंकड़े(SECC 2011)जारी होने के बाद इसमें कोई प्रगति परिलक्षित हो पाएगा।

शंका : 27. अलग-अलग संगठनों के एकीकृत प्रयास से समाज विकास कैसे किया जाय ?

समाधान : सर्म्पूण विश्व में भिन्न-भिन्न संस्कृति, विचारधारा एवं कार्य प्रणाली पर चलने वाले लोगों का समावेश है। हमारा समुदाय भी इसका छोटा उदाहरण है। कूर्मि समुदाय में अलग-अलग भौगोलिक स्थिति एवं स्थानीय प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न संगठन बनायें गये हैं। सभी की प्राथमिकताएं, कार्यशैली तथा विशेषताएँ अलग-अलग हो सकती हैं परंतु उद्देश्य केवल और केवल समाज का चहुंमुखी विकास ही होता है।

समाज की अधिकतर पृच्छा रहती है कि समाज एक, तो संगठन एक क्यों नहीं? यह इसका सैद्धांतिक पहलू जरूर हो सकता है, परंतु व्यावहारिक पहलू उतना ही चुनौती भरा है। जरा सोचें, एक माता-पिता की संतानें समय व आवश्यकता के आधार पर अलग-अलग व्यवस्था के अनुरूप जीवन यापन करते हैं, जो कि अलग-अलग दृष्टिगोचर होने के बाद भी परिवार एक भावना में बंधे रहते हैं और एक-दूसरे के विकास में सहयोगी होते हैं । तो क्या इसे समुदाय द्वारा एक परिवार के अंग के रूप में स्वीकृति प्राप्त नहीं होता है? इस व्यावहारिक स्थिति को समझने के बावजूद भी विभिन्न मंचों में कूर्मि-एकीककरण या विलय के लिए आदर्श रूप की परिकल्पना करते हुए भी भ्रम जैसी स्थिति को बढ़ावा क्यों देना चाहिए ?

वर्तमान परिस्थितिथियों एवं आवश्यकताओं के आधार पर कार्यरत विभिन्न संगठनों के सहयोग से समाज को कैसे चहुंमुखी विकास की दिशा में ले जाएं, आईये निम्न लिखित फ्लो चार्ट के माध्यम से इसे समझते हैं।

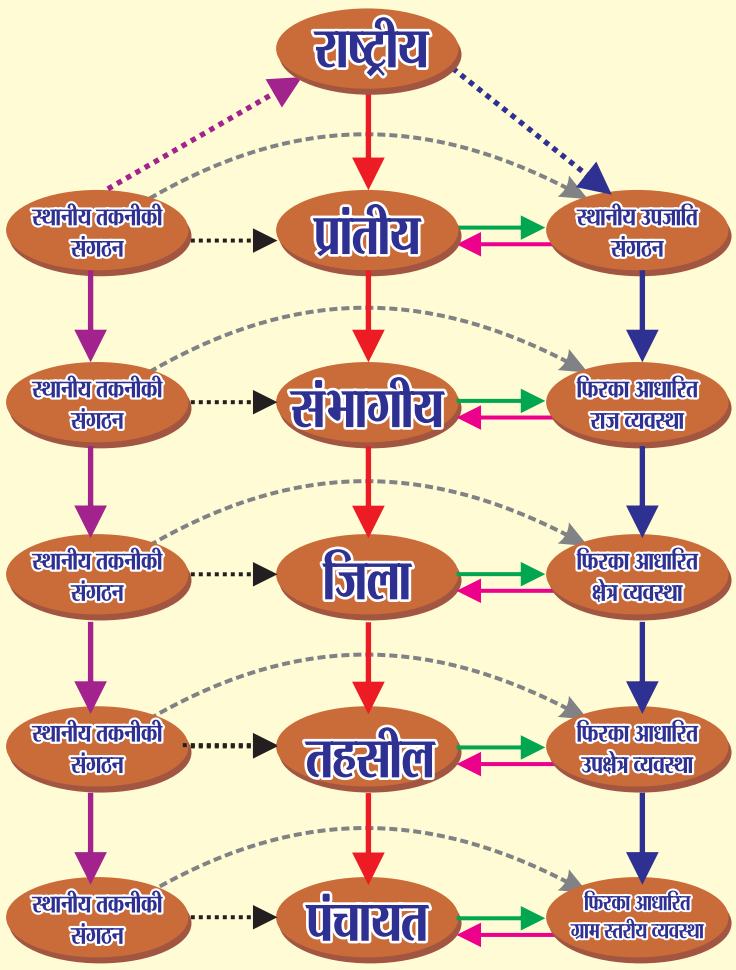

चित्र : जाति आधारित संगठनात्मक व्यवस्था का फ्लो चार्ट

उपरोक्त फ्लो चार्ट को हम केन्द्र और राज्य सरकार एवं आयोग तथा नगरीय निकाय के कार्य प्रणाली के परिप्रेक्षय में समझा जा सकता है । चित्र से स्पष्ट है कि अखिल भारतीय या प्रदेश स्तर के संगठन का कार्य समन्वय, संगठनात्मक विकास एवं समय-समय पर सुझावात्मक फीडबैक देते हुए स्थानीय संगठन को सुदृढ़ बना कर बेहतर समन्वय स्थापित करना है ।

सही कार्ययोजना व कार्य की प्रकृति तथा विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संगठनों / व्यक्तियों की प्रतिभा का उपयोग निम्नानुसार किया जा सकता है-

क्र.	माह	सुझावात्मक गतिविधियाँ	आयोजक संगठन का नाम
1.	जनवरी	सम्मेलन	केन्द्रीय संगठन
2.	फरवरी	सामूहिक विवाह	महिला संगठन
3.	मार्च	होली मिलन	युवा संगठन
4.	अप्रैल	क्षमता विकास प्रशिक्षण/कार्यशाला	तकनीकी संगठन
5.	मई	कृषि व व्यापार संवर्धन कार्यशाला	तकनीकी संगठन
6.	जून	कर्मचारी, व्यापारी, किसान सम्मेलन	स्थानीय उपजाति संगठन
7.	जूलाई	शैक्षणिक परामर्श व प्रशिक्षण	युवा संगठन
8.	अगस्त	स्वास्थ्य व शिविर	राज फिरका संगठन
9.	सितम्बर	अनुभव यात्रा (Exposure Visit)	क्षेत्रीय/फिरका संगठन
10.	अक्टूबर	संगठन विस्तार (पटेल जयंती माह)	केन्द्रीय संगठन
11.	नवम्बर	युवक-युवती परिचय सम्मेलन	युवा / महिला संगठन
12.	दिसम्बर	स्मारिका एवं साहित्य प्रकाशन	तकनीकी/स्थानीय संगठन

तालिका : कार्य विभाजन तालिका कलेण्डर

उपरोक्त तालिका के अनुरूप स्थानीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वार्षिक, त्रैवार्षिक गतिविधियों का क्रियान्वयन सक्रिय संगठन के माध्यम से समाज में वर्ष भर अनवरत जारी रहे। इससे समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, भ्रम की स्थिति एवं सुप्तावस्था से मुक्त होते हुए निश्चित समय-सीमा में सचेतन अवस्था में समाज का चहुंमुखी विकास हो सकेगा ।

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

11 | विक्रम संवत् 2075 | शक संवत् 1940

नवम्बर - 2018

जाति की सरल संपूर्ण व्याख्या-जन्म पाने और जानने से है अर्थात अपनी जननी को, जन्मभूमि को, कुल परंपरा को श्रेष्ठ और संपूर्ण जानो।
-स्वामी वेदानंद जी

शरद / हेमन्त ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ खरीफ फसल की कटाई के पहले खेतों से जल निकासी पूर्णरूप से करें व निष्कासित जल को रबी फसल या सब्जी की फसल में उपयोग हेतु नालियों के माध्यम से प्रक्षेत्र जलाशय (डबरी) में संग्रहित करें। ❖ शीतकालीन मौसमी पुष्पों में निंदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं पोषण प्रबंधन करें। गेंदे को अल्टनेरिया, सेप्टोरिया जैसे बीमारी एवं माइट के प्रकोप से बचावें। ❖रबी दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुवाई इस माह में पूर्ण कर लेवें। ❖ गेहूँ के बीजों को कार्बाक्सिन+थायरम (2 ग्रा./किलो बीज) की दर से उपचारित कर बोयें। ❖धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल द्वारा फसलों की बुवाई करें। ❖चना, मसूर, मटर, सरसों आदि फसलों में नींदा नियंत्रण हेतु बुवाई के 3 दिन के अंदर पेन्डीमेथालिन दवा (30 ई.सी.) 750 मि.ली. से 1 लीटर सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा 2.5-3 लीटर प्रति हे.) की दर से छिड़काव करें। ❖ अंकुरण पश्चात संकरी पत्ती वाले खरपतवार अधिक होने पर क्युजेलोफास इथाइल नामक दवा का 40-50 मि.ली. सक्रिय तत्व (दवा की मात्रा 800 मि.ली. से 1 लीटर) प्रति हे. की दर से छिड़काव करें। ❖ इस माह में औषधीय फसल चंन्द्रसूर की बुवाई की जा सकती है। 9. भिण्डी की फसल को पीला मोजेक बीमारी से बचाने हेतु मेटासिस्टाक्स कीटनाशक का छिड़काव करें। ❖अरहर में फली भेदक कीटों के नियत्रंण हेतु प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 1500 मि.ली. या बी.टी. 8 एल 1000 मि.ली. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

मुहूर्त

गृह प्रवेश - 8, 9,

मूल

ता. 1 प्रातः 2.35 मि. से ता. 2 रात्रि 12 बजे तक
ता. 9 रात्रि 8.35 मि. से ता. 12 रात्रि 12.03 मि. तक
ता. 19 सायं 5.56 मि. से ता. 21 सायं 6.32 मि. तक
ता. 28 प्रातः 8.10 मि. से. ता. 30 प्रातः 5.22 मि. तक

पंचक

ता. 15 रात्रि 10.18 मि. से ता. 20 सायं 6.35 मि.तक

सोम MONDAY	**शासकीय अवकाश** 7 दीपावली 21 ईद-ए-मिलाद 23 गुरुनानक जयंती	कार्तिक कृष्ण 13 **5** धन्वन्तरि जयंती, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस धनतेरस, प्रदोष व्रत	कार्तिक शुक्ल 5 **12** लाभ पंचमी	कार्तिक शुक्ल 11 **19** रानी लक्ष्मी बाई जयंती, नामदेव जयंती देव उठनी एकादशी	मार्गशीर्ष कृष्ण 4 **26** संकष्टी चतुर्थी
मंगल TUESDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 6 दीपावली दक्षिण भारती 8 दीपावली का दूसरा दिन 9 भाई दूज 14 भगवान सहस्त्रबाहू जंयती 19 नामदेव जयंती 24 गुरुतेग बहादूर का शहीदी दिवस	कार्तिक कृष्ण 14 **6** दीपावली दक्षिण भारती नरक चतुर्दशी	कार्तिक शुक्ल 6 **13** छठ पूजा	कार्तिक शुक्ल 12 **20** प्रदोष व्रत तुलसी विवाह	मार्गशीर्ष कृष्ण 5 **27** दाऊ ढालसिंह दिल्लीवार जन्मदिन
बुध WEDNESDAY		कार्तिक कृष्ण 15 **7** गौरी-गौरा पूजा, कार्तिक अमावस्या दीपावली लक्ष्मी पूजा	कार्तिक शुक्ल 7 **14** पं. जवाहर लाल नेहरू जंयती, बाल दिवस भगवान सहस्त्रबाहू जंयती	कार्तिक शुक्ल 13 **21** वैकुंठ चतुर्दशी, विश्वेश्वर व्रत ईद-ए-मिलाद	मार्गशीर्ष कृष्ण 6 **28**
गुरु THURSDAY	कार्तिक कृष्ण 8 **1** छ.ग. राज्य स्थापना दिवस	कार्तिक शुक्ल 1 **8** द्यूत क्रीड़ा चन्द्र दर्शन, गोवर्धन पूजा	कार्तिक शुक्ल 7 **15**	कार्तिक शुक्ल 14 **22** देव दीवाली	मार्गशीर्ष कृष्ण 7 **29** कालभैरव जंयती
शुक्र FRIDAY	कार्तिक कृष्ण 9,10 **2**	कार्तिक शुक्ल 2 **9** भाई दूज	कार्तिक शुक्ल 8 **16** पत्रकारिता दिवस, वृश्चिक संक्रांति गोपाष्टमी	कार्तिक शुक्ल 15 **23** कार्तिक पूर्णिमा गुरुनानक जयंती	मार्गशीर्ष कृष्ण 8 **30**
शनि SATURDAY	कार्तिक कृष्ण 11 **3** रमा एकादशी	कार्तिक शुक्ल 3 **10**	कार्तिक शुक्ल 9 **17** आवला नवमी	मार्गशीर्ष कृष्ण 1 **24** गुरुतेग बहादूर का शहीदी दिवस	यादाश्त
रवि SUNDAY	कार्तिक कृष्ण 12 **4** गोवंश द्वादशी वैष्णव रमा एकादशी	कार्तिक शुक्ल 4 **11**	कार्तिक शुक्ल 10 **18** कंश वध	मार्गशीर्ष कृष्ण 2,3 **25**	

समस्त स्वजातिय बंधुओं को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रणय चन्द्राकर
सिद्धि विनायक
क्राफ्ट ग्लास एवं यूनी एडवर्टायजिंग
श्याम प्लाजा, पंडरी, रायपुर मो. : 9826677777
पंकज चन्द्राकर
सिद्धि एडवर्टायजिंग
श्याम प्लाजा, पंडरी, रायपुर मो. : 982707777

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

नवम्बर -2018

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच एक परिचय

छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच का गठन एवं औचित्य

90 के दशक में बिखरे पड़े समाज में सामाजिक भावना संचारित करने हेतु कुछ चिंतनशील प्रबुद्धजनों के साथ ऊर्जावन साथियों को एक मंच में लाकर सामाजिक गतिविधियाँ प्रारंभ करने के लिये चेतना मंच की परिकल्पना हुई। 18 अप्रैल 1993 को छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच अस्तित्व में आया। भावना यही थी कि एक विश्वसनीय एवं प्रभावी साझा मंच के द्वारा भारत / प्रदेश में निवासरत कूर्मियों के समग्र विकास एवं सामाजिक चेतना का संचार किया जा सके।

अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही कल्पित छत्तीसगढ़ प्रदेश को प्राथमिकता के तौर पर कार्य क्षेत्र बनाते हुये मुख्यालय बिलासपुर में रखकर कार्य प्रारंभ किया गया। कार्य को गति देने के लिये श्री लक्ष्मी प्रसाद चन्द्राकर को अध्यक्ष एवं श्री सिद्धेश्वर पाटनवार को महासचिव की जिम्मेदारी देते हुये एक कार्यकारिणी का गठन किया गया। किन्तु अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा के संवर्धन के लिये अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय मंच का गठन भी छ.ग.कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के गठन के साथ किया गया। विभिन्न प्रदेशों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुये राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन कर श्री सिद्धेश्वर पाटनवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री लक्ष्मी कुमार गहवई को महासचिव की जिम्मेदारी दी गयी। इसकी गतिविधियाँ प्रारंभिक चरण के बाद आगे नहीं बढ़ पायी।

चेतना मंच के गठन में पूज्यपाद स्वामी वेदानंद सरस्वती की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का सहारा मिला। पूज्य स्वामीजी (पूर्व नाम श्री मोहित राम पाटनवार) सन्यास के पूर्व स्वयं 60 के दशक में बिलासपुर जिला कूर्मि समाज के ऊर्जावान, कर्मठ, चिन्तनशील एवं प्रभावी महासचिव के रुप में समाज को सम्बल दिये। चेतना मंच के गठन के पश्चात अविभाजित बिलासपुर जिले में ग्रामीण अंचल तक व्यापक जनसंपर्क किया गया। चहल-पहल बढ़ी, सामाजिक चेतना पल्लवित हुई। सामाजिक एकीकरण की दिशा में मंच के गठन के बाद प्रथम ठोस महासम्मेलन 26 सितम्बर 1993 को ई.राघवेन्द्र राव सभा भवन, बिलासपुर में हुआ। पूज्य स्वामी वेदानंदजी के सानिध्य में प्रदेश के नामचीन व्यक्तियों के साथ ही समाज के राष्ट्रीय छविधारी महानुभाव इसमें सम्मिलित हुए । इस ऐतिहासिक आयोजन में माननीय चन्दूलाल चन्द्राकर, मा. वासुदेव चन्द्राकर, मा. पुरुषोत्तम कौशिक, डॉ. रामलाल कश्यप, मा. धनीराम वर्मा, मा. हरीप्रेम बघेल, मा. के.के.वर्मा, मा. रामसियासिंह, मा.रामगोपाल कश्यप, मा.बैजनाथ चन्द्राकर, मा.गोपाल प्रसाद गहवई, मा.लक्ष्मीप्रसाद चन्द्राकर, मा.एस.सी.सनत, मा.सीताराम कश्यप, मा.जंगीराम चंदेल, मा.रघुनंदन बैंस, डॉ. निर्मल नायक, मा.के.एल.गहलोत, मा.सिद्धेश्वर पाटनवार, मा. लक्ष्मी कुमार गहवई, मा.मत्तुलाल पाटनवार, मा.राजेन्द्र कश्यप, डॉ. हेमन्त कौशिक, मा.शोभाराम कौशिक, मा.जगदीश वर्मा, मा.चैतराम चन्द्रा, मा.एस.पी.पटेल, मा. बी.आर.कौशिक, मा. स्वतंत्र कुलमित्र, मा. आर.के.सिंह, मा.बिरझेराम सिंगरौल, मा.रघुवर चन्द्राकर, मा.गेंदराम पाटनवार, मा. राधेश्याम रायसागर, मा.रामसनेही कश्यप, मा.रामाधार कश्यप, मा. माधव चन्द्राकर एवं विभिन्न फिरका प्रमुखों तथा प्रदेश के सुदूर अंचल से उपस्थित समाज के लोगों के मध्य प्रस्ताव पारित किये गये एवं ''**ऐकं पराक्रमं**'' स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया।

पारित प्रस्ताव:-

1. रोटी-बेटी संबंध को अधिकाधिक प्रोत्साहित करना।
2. सामूहिक आदर्श विवाह को प्रश्रय देने के लिये परिस्थितियाँ पैदा कर खर्चीली शादी को निरुत्साहित करना।
3. बालक-बालिका की शिक्षा पर समान रुप से जोर देना, तथा बाल विवाह बंद करना।
4. नैतिक, आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय चेतना को विकसित करने की कटिबद्धता।
5. कल्याण कोष की स्थापना। इसके माध्यम से साहित्यिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, क्रीड़ा एवं अन्य सभी क्षेत्रों में प्रतिभाओं को उभारने का प्रयास।
6. क्षेत्रिय सम्मेलनों का आयोजन इसके माध्यम से जन-जन को जागृत करने एवं चेतना विकसित करने के साथ ही क्षेत्रवार समिति गठन करना।
7. प्रजातांत्रिक अधिकारों की प्राप्ति एवं सामूहिक राजनैतिक चेतना के विकास पर बल देना।
8. पृथक छ.ग.राज्य निर्माण को समर्थन देना।
9. योग के विस्तारण में प्रभावी भूमिका बढ़ाना।

पारित प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुये निम्नानुसार गतिविधियाँ प्रारंभ की गयी -

संगठनात्मक - छत्तीसगढ़ स्तरीय, संभाग स्तरीय एवं जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया। कार्यों को विशेष रुप से बिलासपुर संभाग में केन्द्रित कर कोरबा, जांजगीर, रायगढ़, अंबिकापुर, एवं कोरिया क्षेत्र में बैठक एवं गोष्ठियाँ तथा बिलासपुर जिला के विभिन्न विकासखंड के बड़े ग्रामों में सघन संपर्क दौरा कर नेतृत्वकारी व्यक्तियों की पहचान की गयी।

सामाजिक व आर्थिक - रायगढ़, कोरबा, जांजगीर एवं बिलासपुर क्षेत्र के लोरमी, कवर्धा, तखतपुर, मुंगेली, पथरिया एवं बिल्हा विकासखंडों में सरदार पटेल जयंती समारोह के द्वारा सामाजिक एकीकरण की दिशा में प्रयास जारी रहा। केन्द्रीय कल्याण कोष का गठन किया गया।

राजनीतिक -विभिन्न राजनीतिक पार्टियों से जुड़े प्रमुख स्वजनों को एक साथ जोड़ कर राष्ट्रीय पार्टियों से समाज के लोगों को विधानसभा प्रत्याशी बनाये जाने हेतु समुचित दबाव बनाया गया। अत्यल्प सफलता मिली; किन्तु राजनीतिक दृष्टि से कुछ समझ समाज में अवश्य पैदा हुई।

अन्य -

1. पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन को समर्थन देने के साथ-साथ अनेक मंचीय आयोजनों पर चेतना मंच की ओर से प्रतिनिधित्व किया गया।
2. जन-जन तक योग की दिव्य ज्योति प्रज्वलित करने संबंधी पूज्य स्वामी वेदानंद जी के अभियान में चेतना मंच की प्रभावी भूमिका रही।
3. कला, साहित्य, संस्कृति के क्षेत्र में प्रतिभाओं को उभारने की दृष्टि से युवाओं के लिये कई प्रतिस्पर्धा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसी बीच पूज्य स्वामी वेदानंद जी का बिलासपुर मुख्यालय छोड़कर अन्यत्र प्रस्थित होने के फलस्वरुप उनके सानिध्य एवं प्रत्यक्ष मार्गदर्शन के बिना मंच की गतिविधियों में शिथिलता आई। सभी की व्यक्तिगत निष्क्रियता बढ़ी। सभी सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्य अवरुद्ध हुये। 1996 से 1999 तक लगभग यही स्थिति रही।

चेतना मंच की द्वितीय पारी 9 सितम्बर 2000 से - श्री सिद्धेश्वर पाटनवार, महासचिव का मुख्यालय रायगढ़ से बिलासपुर हुआ। सभी पुराने साथियों से आपस में निरंतर संपर्क बढ़ा। उत्साही पुराने-नये लोगों का एक कोर समूह 9 सितम्बर 2000 को बैठे। निष्क्रिय पड़े समिति का नवीनीकरण करते हुये एक कार्यवाहक समिति गठित की गयी। जिसमें संरक्षक, डॉ.रामलाल कश्यप एवं श्री रामगोपाल कश्यप, अध्यक्ष-श्री राधेश्याम रायसागर, महासचिव - श्री सिद्धेश्वर पाटनवार (पूर्ववत), वित्त प्रभारी - डॉ.हेमन्त कौशिक बनाये गये। इसी बैठक में एक कार्ययोजना बनाकर उक्त कार्यवाहक समिति को क्रियान्वयन का अधिकार देने के साथ ही छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय-चेतना मंच का संविधान बनाकर पंजीयन कराने की जिम्मेदारी भी दिया गया।

मंच की थीम आधारित स्थायी कार्य-

- **आगे बढ़ें, समाज गढ़ें**-समाज के जन-जन में चेतना जागृत करना।
- **अहम तोड़ो, फिरका जोड़ों**-छ.ग. में निवासरत सभी उपजाति एवं अन्य प्रदेश से आये कूर्मियों को एक जुट करना।
- **पढ़ना है, बढ़ना है**-बालिकाओं की शिक्षा पर समानता के साथ शिक्षित समाज का निर्माण।
- **महिला जगे, समाज बढ़े**-महिलाओं के उत्थान हेतु उनकी शक्ति का कुटीर उद्योग व आय मूलक कार्य पर उपयोग।
- **कृषि उपज बढ़ाना, उन्नत कृषक कहाना** -वैज्ञानिक पद्यति से उन्नत कृषि को बढ़ावा देना।
- **खर्चीली विवाह, परिवार तबाह** -सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित एवं खर्चीली शादी को निरुत्साहित करना।
- **वैचारिक शोध, राष्ट्रीय बोध** - नैतिक आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय चेतना को विकसित करने की कटिबद्धता।
- **कोष संकलन, स्वावलंबन** -सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विकास के लिये केन्द्रीय कल्याण कोष की स्थापना।
- **पारदर्शी काम, श्रेष्ठतम परिणाम** -सद्भावना, सहभागिता, पारदर्शिता एवं मूल्य आधारित कार्यों के द्वारा संगठन का संचालन।
- **हम सब, एक हैं** -संगठित प्रयास द्वारा प्रजातांत्रिक अधिकारों की प्राप्ति एवं राजनीतिक चेतना का विकास।

प्रमुख गतिविधियाँ उपलब्धियाँ

- **संगठनात्मक**-बिलासपुर संभाग में निवासरत 21 उपजातियों के एकीकरण के चुनौतीपूर्ण कार्य को करने हेतु प्रदेश समिति के अतिरिक्त बिलासपुर संभाग एवं जिला समिति का गठन। अब प्रदेश के सभी संभाग एवं जिला में मुख्य, महिला एवं युवा संगठन गठित है। चेतना मंच में बिलासपुर को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, भिलाई, महासमुंद, कवर्धा, धमतरी, जगदलपुर, जांजगीर, कोरबा, कोरिया, सरगुजा, रायगढ़, सुरजपुर, बलरामपुर, मुंगेली जैसे कूर्मि बाहुल्य जिले में बैठक एवं गोष्ठी के माध्यम से सामाजिक एकीकरण की दिशा में जो प्रयास किये गये उसके सार्थक परिणाम परिलक्षित हुए।
- **सरदार पटेल जयंती एवं प्रतिभा सम्मान** - स्थापना काल से बिलासपुर संभाग के जिला, ब्लाक, पंचायत स्तर पर प्रति वर्ष पखवाड़े भर का निरंतर आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में पखवाड़े के अंत में वृहद आयोजन बिलासपुर मुख्यालय में सम्पन्न किया जाता है। इसमें प्रभावी रैली, फिरका प्रमुख, मुर्धन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रतिभावान विद्यार्थियों, विभिन्न विधा के विभूतियों का सम्मान किया जाता है।
- **निर्धन प्रतिभावान विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग** - समाज के उदार दानदाताओं के सहयोग से लगातार यह कार्य जारी है। समाज के निर्धन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु डॉ. प्रदीप सिंगरौल एवं जगदीश कौशिक परिवार द्वारा लगातार पांच वर्षों तक आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इसके अलावा समय-समय पर प्रबुद्ध समाज सेवियों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया ।
- **सामूहिक विवाह** - चेतना मंच द्वारा सभी उपजातियों को शामिल करते हुये 26 मई 2002 को दहेज मुक्त सामूहिक विवाह का प्रथम आयोजन किया गया। जिसमें अलग-अलग फिरकों के 11 जोड़े प्रणय सूत्र में आबद्ध हुये। इस आयोजन को प्रदेश में सर्व कूर्मि का प्रथम **सामूहिक विवाह** होने का गौरव प्राप्त है। छ.ग. प्रदेश के तत्कालीन गृहमंत्री माननीय नंदकुमार पटेल एवं राजस्व मंत्री माननीय भूपेश बघेल का इस आयोजन में सम्बल प्राप्त हुआ। इसके बाद 4 मई 2003 को विभिन्न फिरकों के 9 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय अजीत जोगी ने भी उपस्थित होकर वर वधु को शुभकामनाएं दी। इसमें श्री रामाधार कश्यप, राज्य सभा सासंद का भी विशेष योगदान रहा।
- **युवक-युवती एवं परिवार परिचय सम्मेलन**- चेतना मंच द्वारा 2001 से ''स्मारिका चेतना'' का प्रकाशन एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 2008 तक बिलासपुर में किया जाता रहा है। 21 दिसम्बर 2008 को चेतना मंच एवं युवा कूर्मि मित्र मण्डल, भिलाई नगर के संयुक्त तत्वावधान में कूर्मि संझा का आयोजन बिलासपुर में किया गया । तत्पश्चात 2008 से युवा कूर्मि मित्र मंडल भिलाई के द्वारा स्मारिका एवं परिचय सम्मेलन को ग्राह्य कर विस्तार दिया गया।
- **सामाजिक सर्वेक्षण** - प्रदेश में निवासरत विभिन्न उपजातियों के सहयोग से जनसंख्या का आंकलन करना, आवश्यक हुआ । तत्संबंध में घर-घर दस्तक के माध्यम से अपनापन का भाव

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

12 विक्रम संवत् 2075 शक संवत् 1940

दिसम्बर - 2018

हेमंत ऋतु

हमें स्वयं ही सुदृढ़ होना है और यह ताकत परस्पर विरोध से नहीं मिलेगी बल्कि उद्देश्यों व लक्ष्यों की एकता और समवेत प्रयास से ही इसका निर्माण होगा। -सरदार पटेल

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ शीतकालीन मौसमी पुष्पों में सिंचाई एवं उर्वरक प्रबंधन करें। ❖ मिर्च के चूर्ड़ा-मूर्डा रोग की रोकथाम के लिए मिथाइल डेमेटान कीटनाशी (1 मि.ली./ली.पानी) का छिड़काव 10-15 दिन के अन्तराल पर करें। ❖ आम में एन्थ्रेनक्नोस रोग आने पर साफ-सुपर (2 ग्रा./ली. पानी) का दो बार छिड़काव 10-12 दिन के अन्तराल पर करें। ❖ आलू में विषाणुजनित रोगों की रोकथाम हेतु मिथाइल डेमेटान (1 मि.ली./ली.पानी) का छिड़काव करें। ❖ मिर्च, अदरक, गाजर, मटर, पालक, रखिया आदि से बने परिक्षित पदार्थो को सुरक्षित करें। ❖ रबी फसल व सब्जी की फसलों में प्रथम सिंचाई प्रक्षेत्र जलाशय (डबरी) में उपलब्ध पानी से करें। ❖ गेहूँ की विलम्ब/देरी से बुवाई की दशा में बीज की मात्रा अनुशंसित मात्रा से 20-25 किलो प्रति हेक्टे.की दर से बढ़ा देवें। ❖ मटर में भभूतिया रोग आने पर घुलनशील गंधक/केराथेन/कार्बेन्डाजिम के दो छिड़काव करना चाहिए। ❖ मटर में गेरूआ रोग लगने पर जिनेब/ट्राइडेमार्फ/आक्सीकार्बाक्सिन फफूंद नाशी का दो बार छिड़काव करना चाहिए। ❖ उड़द व मूंग की फसल को यलो मोजेक रोग से बचाने हेतु मेटासिस्टाक्स या मेथिल डेमॉटान कीटनाशी का छिड़काव करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 8, 10, 11, 15
गृह प्रवेश - 17, 28

मूल
ता. 7 प्रातः 4.36 मि. से ता. 9 प्रातः 8.08 मि. तक
ता. 17 प्रातः 3.09 मि. से ता. 19 प्रातः 4.39 मि. तक
ता. 25 सायं 3.56 मि. से ता. 27 प्रातः 11.42 मि. तक

पंचक
ता. 13 प्रातः 6.12 मि. से ता. 18 प्रातः 4.18 मि. तक

सोम MONDAY	पौष कृष्ण 10 **31**	मार्गशीर्ष कृष्ण 11 **3** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती — उत्पन्ना एकादशी	मार्गशीर्ष शुक्ल 3 **10** मानव अधिकार दिवस — शहीद वीरनारायण सिंह का बलिदान दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 9 **17**	पौष कृष्ण 2 **24** राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस
मंगल TUESDAY	शासकीय अवकाश: 18 गुरु घासीदास जयंती, 25 क्रिसमस दिवस ऐच्छिक अवकाश: 10 शहीद वीरनारायण सिंह का बलिदान दिवस, 22 दत्तात्रेय जयंती, 28 सैय्यदना साहब का जन्म दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 12 **4** जल सेना दिवस — प्रदोष व्रत	मार्गशीर्ष शुक्ल 4 **11**	मार्गशीर्ष शुक्ल 10 **18** गीता जयंती — गुरु घासीदास जयंती	पौष कृष्ण 3 **25** संकटी चतुर्थी — क्रिसमस दिवस
बुध WEDNESDAY		मार्गशीर्ष कृष्ण 13 **5**	मार्गशीर्ष शुक्ल 5 **12** विवाह पंचमी	मार्गशीर्ष शुक्ल 11,12 **19** मोक्षदा एकादशी	पौष कृष्ण 4 **26**
गुरु THURSDAY	याददाश्त	मार्गशीर्ष कृष्ण 14 **6** दर्स अमावस्या	मार्गशीर्ष शुक्ल 6 **13** चम्पा षष्ठी	मार्गशीर्ष शुक्ल 13 **20** प्रदोष व्रत	पौष कृष्ण 5,6 **27**
शुक्र FRIDAY		मार्गशीर्ष कृष्ण 15 **7** झण्डा दिवस — अमावस्या	मार्गशीर्ष शुक्ल 7 **14** ऊर्जा बचत दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 14 **21**	पौष कृष्ण 7 **28** सैय्यदना साहब का जन्म दिवस
शनि SATURDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 9 **1**	मार्गशीर्ष शुक्ल 1 **8** चन्द्रदर्शन	मार्गशीर्ष शुक्ल 8 **15**	मार्गशीर्ष शुक्ल 15 पूर्णिमा **22** दत्तात्रेय जयंती	पौष कृष्ण 8 **29** अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा स्थापना दिवस
रवि SUNDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 10 **2**	मार्गशीर्ष शुक्ल 2 **9**	मार्गशीर्ष शुक्ल 9 **16** धनु संक्रांति	पौष कृष्ण 1 **23** राष्ट्रीय किसान दिवस	पौष कृष्ण 9 **30**

सामाजिक बंधु कृपया अपना कुछ पल समाजोत्थान में अर्पित करें। इस आग्रह के साथ ....

कूर्मि माधवनाथ चन्द्राकर
जिलाध्यक्ष - बिलासपुर, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो : 9827115969

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएँ...

दयाश्री क्लिनिक

कूर्मि डॉ. हेमंत कश्यप
D.H.M.S. रायपुर
पूर्व केन्द्रीय युवाध्यक्ष
कन्नौजिया कू. क्ष. समाज, जांजगीर

डॉ. श्रीमती शशि कश्यप
D.H.M.S. भोपाल,
स्त्री एवं शिशु रोग चिकित्सक
EX मेडिकल ऑफिसर R.H.M.C. रायपुर

विशेष - स्त्री रोग, शिशु रोग, बार-बार गर्भपात होना, गर्भवती महिलाओं की जाँच, आसान प्रसव की दवा, पथरी, मस्से, गठान (ट्युमर, सिस्ट, छाइब्राइट बिना ऑपरेशन), लकवा, गठिया, वात, सायटिका, हड्डी बढ़ना, कद बढ़ाना, ब्लड प्रेशर, याददास्त, सफेद दाग, गुप्त रोग एवं अन्य सामान्य बिमारियों का सफल ईलाज किया जाता है। प्रतिरोधक औषधियाँ-माता, लू, स्वाइन फ्लू।

जयतारा चौक, मेन रोड, पामगढ़, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.) मो. 9993774514

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएँ...

कूर्मि सुरेश कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9589033432

कूर्मि डॉ. वीणा कौशिक
आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी
संभागीय संयुक्त सचिव,
बिलासपुर (महिला प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
बिलासपुर
मो. : 9981502421

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर नमन...

कूर्मि व्यासनारायण कश्यप
पूर्व प्रदेश कार्य. सदस्य
छ.ग.कू.क्ष.चे.मंच
जिला उपाध्यक्ष, भाजपा

कूर्मि सूरजव्यास कश्यप
पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
जिला-जांजगीर-चांपा
भाजपा जिला महिला मोर्चा
विशेष कार्यसमिति सदस्य

खुले शौच मुक्त
ग्राम पंचायत
पुरस्कार से पुरस्कृत

कूर्मि सुकदेव सिंगरौल
सरपंच
ग्राम पंचायत चितावर
विकास खण्ड-तखतपुर, जिला-बिलासपुर
मो. नं. 8889846887

कूर्मि देवी राम वर्मा
प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक
अम्बागढ़ चौकी, जिला राजनांदगांव (छ.ग.)
मो. : 9425523192
निवास : मातृ बसेरा तालाब के पास,
शांति नगर भिलाई-3, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

छ.ग.कूर्मि चेतना मंच के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर
डॉ. निर्मल नायक को हार्दिक शुभकामनाएँ

पी. एल. कूर्मि
पूर्व प्रदेश सचिव, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9754365616

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल,
नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग - 2018

कूर्मियों की दिशा एवं दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

दिसम्बर - 2018

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच एक परिचय क्रमशः .....

पैदा करने हेतु विशेष कर अविभाजित बिलासपुर संभाग में निवासरत स्वजातीय लोंगों का सर्वेक्षण भी कराया गया। इसमें महिलाओं की भूमिका विशेष रुप से उल्लेखनीय रही है।

- **फिरका जोड़ों अभियान** - फिरका प्रमुखों के साथ बैठक, गोष्ठी एवं अनेक आयोजनों के द्वारा सामाजिक एकीकरण का कार्य लगातार जारी है। काफी लंबे प्रयास के बाद सभी फिरका प्रमुखों को एक मंच में लाकर 6 नवम्बर 2005 को उन्हें सम्मानित किया गया। फिरकों के अस्तित्व को मिटाए बिना कूर्मि-महाशक्ति का स्वरुप विकसित करना ध्येय रहा।
- **कला संस्कृति संवर्धन** - वाद-विवाद, निबंध लेखन, संस्कृति ज्ञान, सामान्य ज्ञान, गायन नृत्य आदि का आयोजन युवा प्रकोष्ठ के माध्यम से संपादित किये जाते हैं। वहीं हरेली मिलन, तीजा, पोला मिलन, छेर-छेरा मिलन आदि कार्य महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से करते हुये इन त्यौहारों को जीवंत रखने का प्रयास किया जा रहा है। चेतना मंच के लिखित अनुरोध पर हरेली त्यौहार को 2001 में माननीय मुख्यमंत्री अजित जोगी के निर्देश पर राजपत्रित अवकाश घोषित किया गया था।
- **स्वजातीय जनप्रतिनिधियों का सम्मान**- सामाजिक एकता से राजनीतिक चेतना का बोध समाज में जगाने हेतु प्रत्येक निर्वाचन पश्चात् नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह पूर्वक किया जाता है।
- **स्वजातीय प्रेरणा दायक व्यक्तित्व सम्मान**- समाज के मूर्धन्य, दानशील तथा अपने विशिष्टतम कार्य से प्रेरणा देने वाले विभूतियों का सम्मान व स्मरण कर अन्यों को उस दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन करना
- **फिरका प्रमुखों का सम्मान** -कूर्मियों की एकता को सुदृढ़ बनाये रखने व सामाजिक समरसता को सम्बल प्रदान करने की दृष्टि विभिन्न अवसरों में सम्मान समारोह आयोजित किये जाते हैं।
- **कूर्मि कृषक सम्मान** - वैज्ञानिक व तकनीकि कृषि को बढ़ावा देने हेतु समाज द्वारा प्रतिवर्ष पटेल जयंती के अवसर पर कूर्मि कृषि सम्मान दिया जाता है। कूर्मि कृषि रत्न (सर्वश्रेष्ठ किसान धान-गेहूं-चना-सोयाबीन तिलहन हेतु) कूर्मि कृषि भूषण सर्वश्रेष्ठ किसान (फल एवं साग सब्जी) कूर्मि कृषि श्री सर्वश्रेष्ठ (महिला किसान हेतु आरक्षित) प्रथम 2011 में चेतना मंच द्वारा कूर्मि कृषि रत्न का सम्मान श्री बलीराम सिंगरौल, कूर्मि कृषि भूषण का सम्मान श्री ईश्वर बघेल को दिया गया।
- **प्रशिक्षण** -पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के क्षमता विकास हेतु कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन कई अवसरों पर किया जाता है। इसके साथ ही कृषि, लघु व्यवसाय, कुटीर उद्योगों की जानकारी एवं कौशल विकास हेतु भी प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं। यह आय के स्त्रोत बढ़ाने में भी मददगार होता है, जो ''श्रम साधना-गरीबी भगाना'' संदेश देता है।

बुद्धिजीवियों जरा सोचें-

जिन्हें न निज गौरव तथा निज जाति का अभिमान है ।
वह नर नहीं पशु निरा और मृतक समान है।।

एकल परिवार का चलन व संयुक्त परिवार के विघटन में क्रमशः वृद्धि हो रही है। व्यक्ति सामाजिक सोच से दूर होते चला जा रहा है। सुविधा सम्पन्न एवं बुद्धिजीवियों से अपेक्षित सहयोग की बात की जाती है, तब विडम्बना देखिये कैसे-कैसे प्रश्नों का सामना करना पड़ता है:-(नीचे बाक्स में)

क्र.	ज्वलंत प्रश्न	समाधान मूलक सोच
1.	समाज आखिर है क्या ?	संस्कार, व्यक्तित्व का निर्माण एवं सम्बल परिवार समाज से ही पोषित होता है।
2.	समाज से क्यों जुड़ें ?	जिस जाति समाज में हमने जन्म पाया, जिससे हमारा अस्तित्व है उसकी रक्षा के लिये खपें व जुड़ें।
3.	समाज से हमें क्या मिलेगा ?	जाति-समाज देश की आन-बान-शान के लिये अपना सर्वस्व लगा देने वाले डॉ. खूबचंद बघेल, छत्रपति शिवाजी, लौह पुरुष सरदार पटेल आदि को सम्मान देने वाला तो समाज ही है ना ? प्रश्न तो यह है कि हमने समाज को क्या दिया ?
4.	अपनी कमाई का हिस्सा समाज को क्यों दें ?	आप समाज को दोगे, समाज आपको कई गुना अधिक लौटाता है। समाज के जरुरतमंद के उपकार हेतु कार्यशील संगठनों को पहचानें। किसी बेसहारा का भविष्य आपके लेश मात्र अंश से सुधर सकता है। वह अन्तर्मन से दुआएँ देगा और तब आपको आत्मिक संतुष्टि मिलेगी। फिर हिचक क्यों ?
5.	समाज को समय क्यों दें ?	अपने एवं परिवार की सुरक्षा के लिये। बच्चों के सुखद भविष्य के लिये। समाज को साथ देकर संरक्षित करते हुए समय देकर अपना भविष्य सुखद करें।

1. छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों का कार्यकाल-विवरण

क्रं.	अवधि	प्रदेशाध्यक्ष	प्रदेश उपाध्यक्ष	प्रदेश महासचिव	प्रदेश कोषाध्यक्ष
1	1993-2000	कूर्मि एल.पी.चन्द्राकर	कूर्मि सर्वश्री सीताराम कश्यप, स्वतंत्र कुलमित्र	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि के.एल.गहलोत
2	2001-2003	कूर्मि राधेश्याम रायसागर	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, श्रीमती उषा चन्द्राकर	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि डॉ हेमन्त कौशिक
3	2003-2005	कूर्मि राधेश्याम रायसागर	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, श्रीमती उषा चन्द्राकर	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि डॉ हेमन्त कौशिक
4	2005-2007	कूर्मि जगदीश कौशिक	कूर्मि सर्वश्री सिद्धेश्वर पाटनवार, श्रीमती सविता गवेल	कूर्मि बी.आर.कौशिक	कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर
5	2008-2011	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि सर्वश्री बी.आर.कौशिक, बिसुन कश्यप	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि एल.के.गहवई
6	2011-2014	कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक	कूर्मि सर्वश्री बी.आर.कौशिक, राजेन्द्र चन्द्राकर	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि जनक राम वर्मा
7	2014-2017	कूर्मि बी.आर.कौशिक	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, राजेन्द्र चन्द्राकर, श्रीमती नदंनी पाटनवार	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि मोहन कश्यप
8	2017-2020	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि सर्वश्री रंजना वर्मा, डॉ. बी.पी. चंद्रा, प्रदीप कौशिक	कूर्मि डॉ.जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि सुखनंदन कौशिक

2. महिला प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के प्रांतीय पदाधिकारियो का कार्यकाल-विवरण

क्र	अवधि	प्रदेशाध्यक्ष	प्रदेश उपाध्यक्ष	प्रदेश महासचिव	प्रदेश कोषाध्यक्ष
1	2008-2011	कूर्मि लता-ऋषि चन्द्राकर	कूर्मि सविता गवेल, कूर्मि उषा चन्द्राकर	कूर्मि रुखमणी भंवर	कूर्मि मीना पाटनवार
2	2011-2014	कूर्मि नदंनी पाटनवार	कूर्मि रुखमणी भंवर, कूर्मि सूरज व्यास कश्यप	कूर्मि सुनीता हनुमंता	कूर्मि रजनी कश्यप
3	2014-2017	कूर्मि रंजना वर्मा	कूर्मि मीता कुलमित्र, कूर्मि सूरज व्यास कश्यप, कूर्मि सुषमा नायक	कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप	कूर्मि माहेश्वरी कौशिक
4	2017-2020	कूर्मि नंदिनी पाटनवार	कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप, कूर्मि मीता कुलमित्र, कूर्मि गीतांजली कौशिक	कूर्मि सुषमा कश्यप	कूर्मि मधु कश्यप

3. युवा प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों का कार्यकाल-विवरण

क्रं.	अवधि	प्रदेशाध्यक्ष	प्रदेश उपाध्यक्ष	प्रदेश महासचिव	प्रदेश कोषाध्यक्ष
1	2001-2003	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि सर्वश्री राजू कौशिक, संजय कश्यप, सुश्री रेणू सिंगरौल,	कूर्मि अनिल वर्मा	कूर्मि राजेश कौशिक
2	2003-2005	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि सर्वश्री राजू कौशिक, सुश्री रंजीता सिंगरौल	कूर्मि सुरेश कौशिक	कूर्मि भारती कौशिक
3	2005-2008	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि श्रीमती ईश्वरी कश्यप, महेन्द्र पाटनवार	कूर्मि अमित बघेल	कूर्मि डॉ पुरुषोत्तम चन्द्राकर
4	2008-2011	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि सर्वश्री थानेश्वर चन्द्रवंशी, डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर, नारायण वर्मा	कूर्मि ललित बिजौरा	कूर्मि सुरेश कौशिक
5	2011-2014	कूर्मि अमित बघेल	कूर्मि सर्वश्री थानेश्वर चन्द्रवंशी, राजू कौशिक	कूर्मि डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर	कूर्मि सुरेश कौशिक
6	2014-2017	कूर्मि सुरेश कौशिक	कूर्मि सर्वश्री कमल कश्यप, लक्ष्मी नारायण कश्यप, दिलेश्वर वर्मा	कूर्मि डॉ. कोमल सिंह डोटे	कूर्मि डॉ. निशांत कौशिक
7	2017-2020	कूर्मि दिलीप कौशिक	कूर्मि सर्वश्री डॉ. अशोक राजवाड़े, डॉ. कोमल डोटे	कूर्मि आदित्य पाटनवार	कूर्मि रोहित कौशिक

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच की प्रमुख उपलब्धियाँ

- चेतना मंच के प्रथम महिला प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2008-2011) **कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर**, वर्तमान में राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष,अ.भा.कू.क्ष.महासभा के लगातर तीन कार्यकाल सफलता पूर्वक संपादित कर रही है ।
- चेतना मंच के कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक (2005-2008) **कूर्मि ललित बघेल**, वर्तमान में राष्ट्रीय संगठन सचिव, अ.भा.कू.क्ष.महासभा के पद पर समाज एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ।
- चेतना मंच के युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2003 -20011) **कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल**, वर्तमान में प्रदेश महासिचव छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि-भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में जापान भ्रमण (2011), चीन भ्रमण (2012), राष्ट्रीय उपलब्धियाँ-इंदिरागांधी राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार भारत शासन (2000-01), राष्ट्रीय युवा पुरस्कार(2007-08),राष्ट्रीय ग्रामीण प्रतिभाग खोज विजेता, म.प्र. शासन (1992-96)।
- चेतना मंच के युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2011-2014) **कूर्मि अमित बघेल**, वर्तमान में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख जिम्मेदारी निभाते हुए छत्तीसगढ़ के अस्मिता एवं स्वाभिमान की रक्षा कर रहे हैं ।
- चेतना मंच के पूर्व जिला अध्यक्ष महासमुन्द(2008-2011)**कूर्मि श्रीमती तारा चन्द्राकर**,वर्तमान में प्रदेशाध्यक्ष (म. प्रकोष्ठ), छ.ग.प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज के रूप में महिलाओं में चेतना जागृति हेतु कार्य कर रही है ।
- चेतना मंच के प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ संयोजक (2005 -2008) **कूर्मि बलराम चन्द्राकर,** वर्तमान में 16 वाँ कूर्मि संज्ञा के संयोजक की भूमिका निभाते हुए समाज को संगठित कर रहे हैं ।
- चेतना मंच के प्रशिक्षित कार्यकर्ता / पदाधिकारी समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न मंचों में पुरस्कृत हुए हैं और प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के कूर्मि संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहे हैं ।

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com